सूर्योदय 5:28 सूर्यास्त 7:27

आज का तापमान

शिमला	18.0 न्यू	23.5 अधि
धर्मशाला	20.1 न्यू	29.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,616
निफ्टी	24,211

सोना 1,42,000 चांदी 2,17,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | मंगलवार, 14 जुलाई 2026 | 30 आषाढ़, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 80, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

2020 दिल्ली दंगा केस में पूर्व 'आप' पार्षद ताहिर दोषी

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने 2020 में हुए दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में 6 साल बाद फैसला कर दिया है। कोर्ट ने पूर्व आम आदमी पार्टी (आप) पार्षद ताहिर हुसैन समेत पांच आरोपियों को दोषी करार दिया है। एडीशनल सेशन जज प्रवीण सिंह की अदालत ने 11 आरोपियों के खिलाफ चल रहे मामले में सोमवार को फैसला सुनाया। कोर्ट ने नाज़िम, काशिम, अनस, जावेद और ताहिर हुसैन को हत्या, अपहरण, दुश्मनी को बढ़ावा देने और दंगा करने का दोषी ठहराया। बाकी 6 आरोपी बरी कर दिए।

मदुरै में बसों की टक्कर 5 की मौत, 41 घायल

एजेंसी, मदुरै। तमिलनाडु के मदुरै जिले में सोमवार तड़के सरकारी बस और निजी ओमनी बस की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में महिला सहित पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 41 यात्री घायल हो गए। हादसा कोट्टामपट्टी के पास वंजीनगरम गांव में चार लेन वाले राजमार्ग पर हुआ। जानकारी के अनुसार चेन्नई से मार्थांडम जा रही निजी बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद विपरीत दिशा में पहुंच गई और मदुरै से तिरुचिरापल्ली जा रही सरकारी बस से भिड़ गई। टक्कर के बाद निजी बस यात्री प्रतीक्षालय से जा टकराई, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गया।

जून में देश का निर्यात 15.5 फीसदी बढ़ा

एजेंसी, नई दिल्ली। देश का वस्तु निर्यात जून 2026 में सालाना आधार पर 15.5 फीसदी बढ़कर 40.41 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वर्ष जून में 34.98 अरब डॉलर था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार इस दौरान आयात 31 फीसदी बढ़कर 70.84 अरब डॉलर पहुंच गया, जिससे व्यापार घाटा बढ़कर 30.43 अरब डॉलर हो गया। मंत्रालय ने बताया कि कच्चे तेल और कीमती धातुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण आयात में तेज बढ़ोतरी हुई। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में निर्यात 15.92 फीसदी बढ़कर 129.32 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि पश्चिम एशियाई देशों को भारत का निर्यात भी बढ़ा है।

खुदरा महंगाई दर बढ़ कर 4.38 फीसदी पहुंची

एजेंसी, नई दिल्ली। खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ने से देश में खुदरा महंगाई दर जून महीने में बढ़कर 4.38 फीसदी हो गई है, जबकि मई में यह 3.93 फीसदी थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि रही। जून में खाद्य महंगाई दर 5.32 फीसदी दर्ज की गई, जो मई के 4.78 फीसदी से अधिक है। अदरक और टमाटर जैसी सब्जियों की कीमतों में तेजी से आम लोगों का बजट प्रभावित हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई दर 4.74 फीसदी रही, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 3.92 फीसदी दर्ज की गई। सरकार ने आरबीआई को खुदरा महंगाई दर चार फीसदी के स्तर पर बनाए रखने का लक्ष्य दिया है।

राममंदिर चढ़ावा चोरी : ट्रस्ट ने सीईओ की भर्ती निकाली, 20 को अगली सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी से रिपोर्ट मांगी, पूछा–जांच अधिकारी कौन?

एजेंसी, अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को यूपी, केंद्र सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया।

यूपी सरकार की तरफ से बनाई गई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम से अब तक की जांच की स्टेटस रिपोर्ट मांगी। कहा– रिपोर्ट में जांच अधिकारियों के बारे में भी बताएं। कोर्ट ने मामले से जुड़े सीसीटीवी सुरक्षित रखने का भी निर्देश दिया। सरकार की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा– स्टेटस रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में पेश की जाएगी। इस पर कोर्ट ने साफ किया कि रिपोर्ट में स्थ्ह के गठन और उसकी संरचना की पूरी जानकारी होनी चाहिए। कोर्ट ने अगली सुनवाई 20 जुलाई को तय की। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच 4 अलग–अलग याचिकाओं पर सुनवाई कर रही

◆ आरोपियों की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ी

थी। याचिकाओं में जांच सीबीआई को सौंपने के अलावा मंदिर में दान के प्रबंधन से जुड़े अलग–अलग विषयों की समीक्षा के लिए एक्सपर्ट कमेटी बनाने की मांग की गई है। इधर, राम मंदिर ट्रस्ट ने सीईओ की भर्ती के लिए आवेदन निकाले हैं।

आवेदक की उम्र 50 से 70 साल के बीच होनी चाहिए। शैक्षिक योग्यता ग्रेजुएशन। आवेदन की अंतिम डेट 18 जुलाई 2026 शाम 4 बजे तक है। वहीं, अयोध्या पुलिस मामले में गिरफ्तार सभी 8 आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया। स्पेशल कोर्ट की जज प्रतिभा नारायण ने सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत 14 दिन (27 जुलाई तक) के लिए बढ़ा दी।

एसजी बोले– सरकार स्टेटस रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में पेश करेगी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बताया गया है कि एसआईटी का गठन किया गया है। इसलिए हम यूपी सरकार की तरफ से गठित एसआईटी को स्टेटस रिपोर्ट जमा करने का निर्देश देते हैं। आगे विचार के लिए इस मामले को अगले सोमवार को सूचीबद्ध किया जाए। सॉलिसिटर जनरल ने कहा- हम इसे सीलबंद लिफाफे में पेश करेंगे। इस पर कोर्ट ने कहा कि स्टेटस रिपोर्ट में एसआईटी के गठन की पूरी जानकारी होनी चाहिए। याचिकाकर्ताओं के एक वकील ने कहा कि स्टेटस रिपोर्ट याचिकाकर्ताओं को दी जा सकती है। इस पर सीजेआई ने कहा- हम बाद में देखेंगे। जांच चल रही है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद बोले– राम मंदिर में बहुत बड़ा पाप हुआ

राम मंदिर चंदा चोरी मामले पर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने सोमवार को बहाइच में कहा, बहुत बड़ा पाप इनके द्वारा किया गया है। दुख की बात ये है कि आज भी वो लोग वहां बैठे हुए हैं। चोर पुलिस का खेल चल रहा है... ये ठीक नहीं है। कड़क दंड की कार्रवाई होनी चाहिए।

बद्रीनाथ चढ़ावा चोरी मुख्य आरोपी प्रमोद नौटियाल गिरफ्तार

एजेंसी, चमोली। बद्रीनाथ धाम में चढ़ावा चोरी के मामले में चमोली पुलिस की एसआईटी ने बद्री–केदार मंदिर समिति के निलंबित पर्सनल असिस्टेंट प्रमोद नौटियाल को गिरफ्तार कर लिया है। एसआईटी ने उन्हें 12 जुलाई की रात करीब 10 बजे देहरादून के नेहरू कॉलोनी स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया। उन्हें चमोली लाया गया, जहां बद्रीनाथ थाने में उनसे और मंदिर समिति के चार कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी की टीम सादी वर्दी में देहरादून पहुंची थी। बद्रीनाथ थाने में पूछताछ के दौरान जब प्रमोद नौटियाल से पूछा गया कि क्या चढ़ावा चोरी के मामले में मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी भी शामिल हैं, तो उन्होंने सिर हिलाकर नहीं में जवाब दिया। चमोली पुलिस के अनुसार, 8 जुलाई को प्रभारी मंदिर अधिकारी युद्धवीर पुष्पवाण की शिकायत पर बद्रीनाथ कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था। एसपी के निर्देश पर गठित एसआईटी ने सीसीटीवी फुटेज, गवाहों के बयान और अन्य साक्ष्यों की जांच की। जांच में प्रमोद नौटियाल को कई बार मोबाइल के नीचे और जेब में मंदिर की धनराशि व अन्य भेंट सामग्री ले जाते हुए पाया गया। पुलिस के मुताबिक, उन्होंने 500 के नोट, सोना–चांदी के सिक्कों के पैकेट, शालिग्राम शिला और केसर का पैकेट भी अवैध रूप से अपने कब्जे में लिया था।

◆ पुलिस बोली- 500 के नोट, सोने-चांदी के सिक्के मोबाइल के नीचे छिपाकर ले जाता था

बैंकॉक के पब में लगी आग से 27 लोगों की मौत, 63 जख्मी

एजेंसी, बैंकॉक। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के चटुचक स्थित एक भीड़भाड़ वाले पब में रविवार देर रात आग लगने से 27 लोगों की मौत हो गई, जबकि 63 लोग घायल हो गए। घायलों में 22 की हालत गंभीर है। अधिकांश लोगों की मौत आग की लपटों से नहीं, बल्कि धुएं के कारण दम घुटने से हुई।

तुर्किये की सरकारी समाचार सेवा अनाडोलू और फ्रांस के टीवी नेटवर्क फ्रांस24 के मुताबिक थाई प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि स्टेज के पास लगे सर्किट ब्रेकर से पहले धुआं निकला, इसके बाद बिजली गुल हो गई और फिर जोरदार धमाका हुआ। अफरा–तफरी के बीच कई लोग पीछे की ओर स्थित टॉयलेट की तरफ भागे, जहां बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं था। बैंकॉक के गवर्नर चाडचार्ट सिट्टीपुंट ने बताया कि आग बेहद तेजी से छत तक फैल गई। कई शव आपातकालीन निकास के पास मिले हैं, जिससे आशंका है कि निकास मार्ग किसी रुकावट के कारण अवरुद्ध था। बैंकॉक महानगरीय प्रशासन के आपदा रोकथाम व शमन विभाग के निदेशक सुरियाचाई राविवान ने बताया कि दमकलकर्मियों को अंदर प्रवेश करने के दौरान रास्ते में मेज और कुर्सियां रखी मिलीं, जिससे राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित हुआ। प्रत्यक्षदर्शी और लाओस के पर्यटक कान कुतिरत ने बताया कि उन्होंने स्टेज के पास धुआं उठते देखा, जिसके कुछ ही क्षण बाद पूरे पब में अफरा–तफरी मच गई। उन्होंने एक महिला को बाहर निकालने में मदद की, लेकिन वह केवल एक ही व्यक्ति को बचा सके। दमकल विभाग ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच जारी है। थाईलैंड में बार और नाइटक्लबों में सुरक्षा मानकों को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। वर्ष 2022 में चोनबुरी प्रांत के माउंटेन बी नाइटक्लब में लगी आग में 25 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 2009 में बैंकॉक के सांतिका क्लब में न्यू ईयर पार्टी के दौरान लगी आग में 67 लोगों की जान चली गई थी। अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आग कैसे लगी और क्या सुरक्षा नियमों में किसी तरह की लापरवाही हुई थी।

दून साइंस सिटी बनेगी विज्ञान व नवाचार का राष्ट्रीय केंद्र : मुख्यमंत्री पुष्कर धामी

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को कहा कि देहरादून में निर्माणाधीन साइंस सिटी आने वाले वर्षों में केवल उत्तराखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों के लिए विज्ञान, नवाचार और अनुसंधान का अग्रणी केंद्र बनेगी। उन्होंने यूकॉस्ट परिसर में स्टार्टअप सेंटर विकसित करने के लिए भूमि उपलब्ध कराने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद में साइंस सिटी परियोजना के निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने के बाद विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति (एसटीआईपी) परिसंवाद को

संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार विज्ञान आधारित ज्ञान अर्थव्यवस्था विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने 'विज्ञान सेतु' परिकल्पना के तहत सामुदायिक विज्ञान रेडियो 'विज्ञान वाणी' (88.8 मेगाहर्ट्ज), 'विज्ञान दृश्यम' और 'विज्ञान धारा' का भी लोकार्पण किया। धामी ने कहा कि वर्तमान समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डेटा साइंस, ड्रोन, सेमीकंडक्टर और बायोटेक्नोलॉजी जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों का है। उत्तराखंड को इन क्षेत्रों में केवल बदलाव स्वीकार नहीं करना, बल्कि नेतृत्व भी करना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तकनीक, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रही है।

पीएम मोदी का पंजाब दौरा 17 जुलाई को, चंडीगढ़-जालंधर में बम धमाकों की धमकी

एजेंसी, चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चंडीगढ़ और पंजाब दौरे से पहले सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई हैं। चंडीगढ़ और मोहाली के कई स्कूलों को एक बार फिर धमकी भरा ई–मेल भेजा गया है। इसमें 17 जुलाई को चंडीगढ़ और जालंधर में अलग–अलग जगहों पर बम धमाके करने की धमकी दी गई है। प्रधानमंत्री मोदी 17 जुलाई को पंजाब आएंगे और जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करने का कार्यक्रम है। इसके पहले धमकी भरे ई–मेल में चंडीगढ़ व मोहाली के स्कूलों के अलावा मोहाली मेयर कार्यालय को निशाना बनाने की बात कही गई है। इसके साथ ही जालंधर व चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन पर आईईडी धमाके करने की धमकी दी गई है।

बीबीएमबी के 4,200 करोड़ का बकाया लेकर रहेंगे : सुक्खू

बीबीएमबी हिस्सेदारी मामले में हिमाचल अपने वैधानिक अधिकारों की करेगा पैरवी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। किशाऊ बहुउद्देश्यीय परियोजना में अपने पक्ष को मजबूती से रखने के बाद हिमाचल प्रदेश सरकार ने अब भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) से प्रदेश के बकाया वित्तीय अधिकार हासिल करने की कवायद तेज कर दी है।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने सोमवार को केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से फोन पर बातचीत कर बीबीएमबी से जुड़े हिमाचल प्रदेश के लंबित वित्तीय अधिकारों और बकाया राशि का मामला उठाया। उन्होंने केंद्र सरकार से इस विषय में सहयोग का आग्रह करते हुए कहा कि प्रदेश लंबे समय से अपने वैधानिक अधिकारों की प्रतीक्षा कर रहा है और राज्य सरकार इन्हें सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने

◆ कहा- राशि हिमाचल प्रदेश का वैधानिक अधिकार है

केंद्रीय मंत्री को बताया कि हिमाचल प्रदेश किशाऊ बहुउद्देश्यीय परियोजना पर तभी आगे बढ़ेगा, जब हरियाणा सरकार बीबीएमबी से जुड़े अपने हिस्से के बकाया भुगतान पर स्पष्ट सहमति देगी और इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय में शपथ–पत्र दाखिल करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हितों की अनदेखी होने की स्थिति में किसी नई परियोजना पर सहयोग की अपेक्षा उचित नहीं है। मुख्यमंत्री के अनुसार कई बार आग्रह किए जाने के बाद भी पंजाब और हरियाणा ने हिमाचल प्रदेश को उसके अधिकारों के अनुरूप लाभ नहीं दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने उन्हें भरोसा दिया है कि वह इस विषय पर हरियाणा और पंजाब के मुख्यमंत्रियों से चर्चा करेंगे और हिमाचल प्रदेश के वैधानिक अधिकारों के संरक्षण तथा समाधान के लिए आवश्यक पहल करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अब सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के आधार पर बीबीएमबी से अपने हिस्से के करीब 4,200 करोड़ रुपए के बकाये की वसूली के लिए सभी आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक कदम उठा रही है। उनका कहना था कि यह राशि हिमाचल प्रदेश का वैधानिक अधिकार है।

नागालैंड में हुआ आईईडी धमाका असम राइफल्स का जवान शहीद

एजेंसी, कोहिमा। नागालैंड के चुमौकेदिमा इलाके में एक संदिग्ध बम धमाका हुआ। इस हमले में असम राइफल्स के एक जवान देश के लिए बलिदानी हो गए, जबकि चार अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हैं।

अधिकारियों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार यह एक संदिग्ध आईईडी ब्लास्ट था। सुरक्षा अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, असम राइफल्स के जवान एक बोलेरो एसयूवी गाड़ी में सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में पहले से प्लान किए गए एक बम में जोरदार धमाका हुआ, जिसकी चपेट में जवानों की गाड़ी आ गई। यह घटना असम और नागालैंड की सीमा के पास हुई है, जहां असम राइफल्स का एक ट्रेनिंग सेंटर भी मौजूद है।

सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी की

धमाके में घायल हुए चारों जवानों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के ठीक बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को चारों तरफ से घेर लिया है। इसके अलावा हमलावरों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा इलाके में एक बहुत बड़ा तलाशी अभियान (सर्च ऑपरेशन) चलाया जा रहा है।

◆ चार अन्य घायल, सुरक्षाकर्मी रुटीन मूवमेंट के तहत गुजर रहे थे; तभी वाहन उड़ाया

मुख्यमंत्री ने पंचकूला से शुरू किया राज्यव्यापी स्वच्छता अभियान

हरियाणा में स्वच्छता बनेगा जन आंदोलन : सैनी

एजेंसी, चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को पंचकूला से राज्यव्यापी स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने स्वयं श्रमदान कर सफाई की और प्रदेशवासियों से स्वच्छता को जन–आंदोलन बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने अभियान की शुरुआत पंचकूला के सेक्टर–20 की मुख्य मार्केट के सामने स्वयं झाड़ू लगाकर की। उन्होंने आसपास के क्षेत्र की सफाई करते हुए नागरिकों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कचरे के वैज्ञानिक और उचित निष्पादन के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए स्वयं कचरा एकत्र कर रेहड़ी में डाला। इस मौके पर उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर मीडिया से

बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि 'स्वच्छता केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है।'

उन्होंने प्रदेशवासियों से अपने घर, मोहल्ले, बाजार और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने और कचरे का उचित प्रबंधन सुनिश्चित करने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता के संदेश से प्रेरित होकर देशभर के लोगों ने स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाया है।' उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को हरियाणा के दौरे पर आएंगे। इस अवसर को ध्यान में रखते हुए 13 जुलाई से 17 जुलाई 2026 तक पूरे हरियाणा में प्रतिदिन व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाने का फैसला लिया, जिसकी शुरूआत पंचकूला से की गई है।

गुजरात में फैला चांदीपुरा वायरस, एक माह में 12 बच्चों की मौत, 3 की रिपोर्ट पॉजिटिव

एजेंसी, गोधरा

गुजरात में संक्रमण से एक महीने में अब तक 12 बच्चों की मौत हो चुकी है। इनमें से तीन बच्चे चांदीपुरा वायरस से संक्रमित थे। अन्य 9 बच्चों की मौत भी इसी वायरस से होने की आशंका है। हालांकि, इनकी रिपोर्ट आना अभी बाकी है। संक्रमण के मामले गांधीनगर, साबरकांठा, खेड़ा, अरावली व पंचमहल जिलों में सामने आए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल्ल पानसेरिया ने इस स्थिति पर जानकारी देते हुए बताया कि इस घातक वायरस के संक्रमण के कारण अब तक 3 बच्चों की मौत हो चुकी है। इनमें से 2 बच्चों की मौत गोधरा व राजस्थान के एक बच्चे की मौत हिम्मतनगर में हुई। प्रभावित क्षेत्रों में रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अब तक 27 संदिग्ध मरीजों के नमूने गांधीनगर भेजे गए हैं, जिनमें से 19 की जांच हो चुकी है। इनमें से 7 पॉजिटिव पाए गए हैं।

वायरस के संदिग्ध लक्षणों वाले 9 अन्य बच्चों की हुई मौत

हिम्मतनगर सिविल अस्पताल में चांदीपुरा के संदिग्ध लक्षणों वाले बच्चों की कुल 6 मौतें दर्ज की गई हैं। जबकि तीन बच्चों की मौत गोधरा के सिविल अस्पताल में हुई। इनमें दो बच्चों की मौत दो दिन पहने यानी कि 11 जुलाई को हुई। इन दोनों बच्चों में एक बच्चे की उम्र 1 साल और दूसरे की उम्र दो साल थी।

◆ मक्खी से फैलती बीमारी वैक्सीन भी नहीं बनी

◆ सरकार ने वायरस से 3 मौतों की पुष्टि की

कार्यक्रम मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत किया पौधरोपण, दिल्ली में लगेंगे 70 लाख पौधे

हर पौधा स्वच्छ हवा व हरियाली का प्रतीक: रेखा गुप्ता

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को मॉडल टाउन में आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम' मिशन 70 लाख पौधरोपण महाभियान में हिस्सा लेकर पौधा रोपण किया।

इस कार्यक्रम में मॉडल टाउन क्षेत्र में लगभग 1,100 पौधे लगाए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, हरियाली और स्वस्थ जीवन देने के संकल्प का प्रतीक है। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक अशोक गोयल, बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधि और अन्य नागरिक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने यहां आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते

हुए कहा कि दिल्ली में बड़े स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में पौधारोपण कार्यक्रम लगातार चलाए जा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा 7 जुलाई को मेगा प्लांटेशन ड्राइव की शुरुआत की गई थी, जिसके तहत दिल्ली सरकार ने जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष पोर्टल भी शुरू किया है। इस पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को पौधारोपण अभियान से जुड़ने और अपनी सुविधानुसार तिथि, समय और स्थान का चयन कर स्लॉट बुक करने की सुविधा दी गई है। दिल्ली सरकार वृक्ष रथ के माध्यम से आपके घर निःशुल्क पौधे पहुंचाएगी। साथ ही नागरिक नर्सरी लोकेटर के माध्यम से अपनी निकटतम सरकारी नर्सरी का चयन कर वहां से निःशुल्क पौधा भी प्राप्त कर सकते हैं।

◆ दिल्ली को हरा-भरा बनाने का संकल्प, सरकार ने शुरू किया मेगा प्लांटेशन अभियान

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी के प्रत्येक खाली और उपयुक्त स्थान को हरित क्षेत्र में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मॉडल टाउन क्षेत्र में सेंट्रल वर्ज, मेट्रो कॉरिडोर के नीचे और सड़कों के दोनों ओर पौधारोपण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और मातृत्व के प्रति सम्मान प्रकट करने का एक जनआंदोलन है। यह अभियान नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए दिल्ली को स्वच्छ, हरित और टिकाऊ भविष्य की ओर ले जा रहा है। उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण करें और दिल्ली सरकार के 70 लाख पौधे लगाने के संकल्प को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

अपराधियों के लिए यूपी में जगह नहीं, करें सख्त कार्रवाई : सीएम योगी आदित्यनाथ

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। उन्होंने प्रदेश भर से आए हर फरियादी से मुलाकात की, उनकी शिकायत सुनी व अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए।

अवैध कब्जे से जुड़े मामले में मुख्यमंत्री ने कहा कि शिकायत मिलने पर ऐसे मामलों की सख्ती से जांचकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करें। धमकी के मामले में मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराधियों के लिए यूपी में कोई जगह नहीं है, पुलिस ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई करे। मुख्यमंत्री योगी के समक्ष अवैध कब्जे से जुड़े मामले आए। पीड़ितों ने आरोपियों पर धमकी देने का भी आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने फरियादियों के प्रार्थना पत्र लेकर शासन के अधिकारियों को प्रेषित

◆ योगी ने किया 'जनता दर्शन' हर पीड़ित की समस्या सुन समाधान के लिए दिए निर्देश

किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। अवैध कब्जा करने व धमकी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें। साथ ही अपराध व कब्जे से जुड़े मामलों की विवेचना में तेजी कर पीड़ितों को ससमय न्याय और दोषियों को दंड दिलाया जाय। गाजियाबाद, मेरठ व नोएडा से जुड़े एक बिल्डर की शिकायत भी 'जनता दर्शन' के माध्यम से मुख्यमंत्री तक पहुंची। पीड़ितों ने बताया कि बिल्डर ने एक ही फ्लैट कई लोगों को रजिस्ट्री कर दिया है। इस पर मुख्यमंत्री ने इस प्रकरण को गम्भीरता से लिया और कहा कि जांच में बिल्डर के दोषी मिलने पर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाना सुनिश्चित किया जाय।

नीट पेपर लीक से लाखों युवाओं के सपने हुए चकनाचूर : सीएम

यूथ कांग्रेस के 'छात्रों की गूंज' अभियान का शुभारंभ, सुक्खू ने उठाए छात्रों और युवाओं के मुद्दे

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि हाल ही में केंद्र सरकार के कार्यकाल में हुए नीट पेपर लीक ने लाखों विद्यार्थियों के सपनों को चकनाचूर कर दिया है।

उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। शिमला स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में यूथ कांग्रेस के 'छात्रों की गूंज' अभियान का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान के तहत संगठन प्रदेशभर में धरना-प्रदर्शन कर विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों को उठाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई अग्निवीर योजना ने हिमाचल प्रदेश के युवाओं के साथ अन्याय किया है। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश के बड़ी संख्या में युवा सेना में भर्ती होते थे, लेकिन अब चार वर्ष की अल्पकालिक सेवा वाली व्यवस्था के कारण युवाओं का रुझान प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए पुलिस सहित विभिन्न विभागों में पारदर्शी तरीके से नियमित भर्ती कर रही है। पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल में पुलिस भर्ती और अधीनस्थ चयन आयोग की परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए। जांच में सामने आया कि प्रश्नपत्र लाखों रुपये में बेचे गए। वर्तमान सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए राज्य चयन आयोग का गठन किया है। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर केन्द्र सरकार के कार्यकाल में नीट परीक्षा का पेपर लीक हुआ, जिससे देशभर के लाखों युवाओं के सपने हुए चकनाचूर हुए। सुक्खू ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार शिक्षा क्षेत्र में व्यापक सुधार कर रही है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 में हिमाचल प्रदेश गुणात्मक शिक्षा के क्षेत्र में 21वें स्थान पर पहुंच गया था, जबकि वर्तमान सरकार के प्रयासों से प्रदेश अब पांचवें स्थान पर आ गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में हिमाचल प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में देश का नंबर एक राज्य बनेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आधुनिक सुविधाओं से युक्त सीबीएसई स्कूल स्थापित कर रही है तथा उनमें शिक्षकों की नियुक्तियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को यहां की शिक्षा व्यवस्था पर गर्व होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को भी सुदृढ़ बना रही है।

उन्होंने कहा कि बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में प्रदेश के लोग हर वर्ष उपचार के लिए राज्य से बाहर लगभग एक हजार करोड़ रुपये खर्च करते हैं। इसे देखते हुए सरकार प्रदेश में एम्स, नई दिल्ली की तर्ज पर आधुनिक मशीनें और उपकरण उपलब्ध करा रही है। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी ज्योतिष एचएम ने कहा कि 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में धरना-प्रदर्शन आयोजित कर विद्यार्थियों और आम जनता को नीट पेपर लीक जैसे मुद्दों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष छत्तर सिंह ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार युवाओं को योग्यता के आधार पर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में सभी सरकारी भर्तियां पूरी पारदर्शिता और मेरिट के आधार पर दी जा रही हैं। इस अवसर पर नीट पेपर के लीक होने के कारण उत्पन्न स्थितियों से 21 मृतकों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन भी रखा।

सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में लाई पारदर्शिता : पठानिया

उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि जहां राहुल गांधी देशभर में छात्रों की आवाज बुलंद कर रहे हैं, वहीं मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू छात्र राजनीति से आगे बढ़कर आज प्रदेश का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार के कार्यकाल में देशभर में अनेक पेपर लीक हुए, जबकि हिमाचल में वर्तमान सरकार ने पेपर लीक मामलों के दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की है।

शोंगटोंग-कड़छम जलविद्युत परियोजना मार्च अप्रैल 2027 तक शुरू होगी : सीएम सुक्खू

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने ऊर्जा विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को किन्नौर जिला में सतलुज नदी पर निर्माणाधीन 450 मेगावाट क्षमता वाली शोंगटोंग-कड़छम जलविद्युत परियोजना के निर्माण कार्य को गति प्रदान करने के निर्देश दिए, ताकि इस परियोजना को मार्च-अप्रैल 2027 तक चालू किया जा सके।

उन्होंने कहा कि परियोजना के पावर हाउस का लगभग 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। वर्तमान मानसून के दौरान भी बांध का निर्माण कार्य जारी रहेगा। इसके लिए, सतलुज नदी के जल प्रवाह को चार और पांच गेट से मोड़ा जाएगा, जबकि गेट (डायवर्जन बे) 1, 2 और 3 पर समानांतर रूप से कार्य जारी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश की स्वच्छ ऊर्जा अवसंरचना को सुदृढ़ करने और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना राज्य की बिजली उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ-साथ ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और पर्यावरण-अनुकूल विकास को भी गति प्रदान करेगी।

सुक्खू ने कहा कि कई तकनीकी एवं भौगोलिक चुनौतियों के बावजूद राज्य सरकार निरंतर निगरानी और बेहतर परियोजना नियोजन के माध्यम से इस परियोजना का निर्माण सुनिश्चित कर रही है। निर्माण कार्य की गति बनाए रखने के लिए भौगोलिक स्थिति के अनुरूप तकनीकी उपाय नियमित रूप से अपनाए जा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप परियोजना का 80 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो चुका है। परियोजना के पूर्ण होने पर इससे प्रतिवर्ष लगभग 1,579 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन होने की संभावना है। इससे राज्य की ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा ग्रिड की स्थिरता सुदृढ़ होगी। इस परियोजना से राज्य की अर्थव्यवस्था को प्रतिवर्ष लगभग 900 करोड़ रुपए का योगदान मिलने का अनुमान है।

बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार राम सुभग सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव आरडी नजीम, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, हिमाचल प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक आबिद हुसैन सादिक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

क्रोएशिया भेजने के नाम पर पठानकोट के युवक से 4 लाख की ठगी, रूस में फंसा और जेल भी काटनी पड़ी

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। विदेश भेजने का झांसा देकर पठानकोट के एक 21 वर्षीय युवक से करीब 4 लाख रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक को क्रोएशिया भेजने का वादा किया गया था, लेकिन उसे रूस भेज दिया गया, जहां वीजा अवधि समाप्त होने के बाद उसे पुलिस हिरासत में रहना पड़ा। थाना नरोट जैमल सिंह पुलिस ने जांच के बाद कथित फर्जी ट्रैवल एजेंट के खिलाफ धोखाधड़ी और अवैध मानव तस्करी से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान गुरदासपुर निवासी जॉन पीटर के रूप में हुई है। उसके खिलाफ धोखाधड़ी, पंजाब ट्रैवल प्रोफेशनल्स रेगुलेशन एक्ट और इमिग्रेशन एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। गांव सरोटा निवासी जोध सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका बेटा गौरव सिंह विदेश जाना चाहता था। इसी दौरान उनकी मुलाकात जॉन पीटर से हुई, जिसने गौरव को क्रोएशिया की एक कंपनी में पैकेजिंग कार्य दिलाने और 1.15 लाख रुपए प्रतिमाह वेतन का भरोसा दिया। आरोपी ने एडवांस के रूप में एक लाख रुपये लिए। बाद में आरोपी ने क्रोएशिया का वीजा रिजेक्ट होने की बात कहकर रूस का टूरिस्ट वीजा उपलब्ध कराने का दावा किया। उसने रूस पहुंचने के बाद वर्क परमिट बनवाकर नौकरी दिलाने का झांसा दिया और इसके लिए तीन लाख रुपये और ले लिए। गौरव 19 अक्तूबर 2025 को रूस पहुंचा, लेकिन वहां उसे न तो स्थायी नौकरी मिली और न ही वर्क परमिट। वीजा समाप्त होने के बाद रूस की पुलिस ने गौरव को हिरासत में ले लिया। इसके बाद परिवार ने अतिरिक्त पैसे की व्यवस्था कर उसे भारत वापस बुलाया। पुलिस जांच में आरोपी के बैंक खाते में किए गए लेन-देन की पुष्टि हुई है। चौकी बमियाल के प्रभारी एसआई विजय कुमार की प्रारंभिक जांच के बाद मामला दर्ज कर आगे की जांच एएसआई बलकार सिंह को सौंपी गई है।

'नशा मुक्त भारत-2029' राष्ट्रीय संकल्प, युवाओं को बचाने की पहल : राणा

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा प्रस्तुत 'नशा मुक्त भारत-2029' का रोडमैप देश की युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने नशे के खिलाफ पहली बार व्यापक, वैज्ञानिक और बहुआयामी रणनीति तैयार की है, जिसमें ड्रग माफिया के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नशा मुक्त भारत' विजन को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम बताया। राणा ने कहा कि यह अभियान किसी एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने हिमाचल सरकार से आग्रह किया कि वह इस रोडमैप को प्रदेश में प्रभावी ढंग से लागू करे और जनजागरूकता, रोकथाम, पुनर्वास तथा सख्त कार्रवाई की व्यवस्था मजबूत करे।

बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा ने निकाली रैली

राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर प्रदेश में कानून व्यवस्था सुधारने की मांग

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था के मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बिलासपुर ने सोमवार को सर्किट हाउस से उपायुक्त कार्यालय तक रैली निकाली।

रैली में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इसके बाद भाजपा नेताओं ने उपायुक्त बिलासपुर के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर प्रदेश में कानून व्यवस्था सुधारने की मांग की। रैली में बिलासपुर सदर विधायक त्रिलोक जमवाल, श्री नैना देवी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रणधीर शर्मा, झंडुता विधायक जीतराम कटवाल, पूर्व मंत्री राजेंद्र गर्ग, जिला भाजपा अध्यक्ष, भाजपा मंडल अध्यक्ष, पूर्व मंडल अध्यक्षों सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ज्ञापन में भाजपा ने आरोप लगाया कि प्रदेश में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं के कारण आम जनता में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा हो रहा है। पार्टी ने कहा कि किसी भी सरकार का पहला दायित्व नागरिकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियां प्रदेश सरकार की विफलता को दर्शाती हैं। भाजपा नेताओं ने बिलासपुर जिले में कथित तौर पर बढ़ रहे नशा तस्करी, चिट्टा कारोबार, भू-माफिया, सुपारी माफिया और संगठित अपराधों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि नशे का कारोबार युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है और इस पर प्रभावी रोक लगाने में सरकार असफल रही है। ज्ञापन में हाल ही में कीरतपुर-नेरचौक फोरलेन पर मंडी भराड़ी के समीप दो गुटों के बीच हुए जानलेवा हमले का भी उल्लेख किया गया। इसके अलावा बिलासपुर में डीसी-एसपी कार्यालय परिसर, न्यायालय क्षेत्र और चांगर सेक्टर में हुई गोलीबारी की घटनाओं को भी कानून व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बताया गया। भाजपा ने बिलासपुर रेलवे प्रोजेक्ट से जुड़े रेत-बजरी विवाद और गोलीबारी की घटना का जिक्र करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। ज्ञापन में कुछ राजनीतिक व्यक्तियों के नामों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाए गए, जिनकी जांच की मांग की गई। उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया कि प्रदेश सरकार को कानून व्यवस्था मजबूत करने, अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करने और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएं।

सराहां में 150 फीट गहरी खाई में गिरी कार, दो महिलाओं सहित तीन की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। जिला सिरमौर के सराहां क्षेत्र में रविवार देर शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे में दो महिलाओं सहित 3 की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हुआ है। हादसा नाहन-कुमारहट्टी-शिमला राष्ट्रीय राजमार्ग पर सराहां अस्पताल के समीप हुआ, जहां एक कार अनियंत्रित होकर करीब 150 फीट गहरी खाई में जा गिरी।

जानकारी के अनुसार कार सराहां अस्पताल के नीचे एक तीखे मोड़ पर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पैरापिट को तोड़ते हुए खाई में लुढ़क गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पच्छाद पुलिस मौके पर पहुंची और अंधेरे में राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस के अनुसार कार में चार लोग सवार थे। हादसे में 48 वर्षीय रीना शर्मा पत्नी रामलाल शर्मा निवासी घरगौण पलाशो और 65 वर्षीय अधिकारी जेटली पुत्र रमाकांत निवासी सराहां की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 60 वर्षीय उर्मिल जेटली पत्नी अधिकारी जेटली ने रास्ते में दम तोड़ दिया, जबकि 33 वर्षीय यशस्वी जेटली गंभीर रूप से घायल है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद डॉ. वाई.एस. परमार मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल नाहन रेफर किया गया है। पुलिस ने तीनों मृतकों के शव शवगृह में रखवाए हैं। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। डीएसपी राजगढ़ वीनी नेगी ने हादसे में तीन लोगों की मौत और एक के घायल होने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। वहीं, एसडीएम पच्छाद डॉ. प्रियंका चंद्र ने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को 25-25 हजार रुपए और घायल को 5 हजार रुपए की फौरी राहत प्रदान की गई है।

डमटाल में बनेगा भव्य नेचर पार्क : मलेंद्र राजन

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। विधानसभा क्षेत्र के विधायक मलेंद्र राजन ने कहा कि इंदौरा स्थित ठाकुर राम गोपाल मंदिर की भूमि पर डमटाल में एक भव्य नेचर पार्क का निर्माण किया जाएगा, जिसे धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र को नई पहचान दिलाने के साथ-साथ पर्यटन को बढ़ावा देना और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करना है। सोमवार को आयोजित शिलान्यास समारोह के दौरान विधायक मलेंद्र राजन ने विधिवत पूजा-अर्चना के उपरांत नेचर पार्क निर्माण कार्य का नींव पत्थर रखकर शिलान्यास पट्टिका का अनावरण किया। उन्होंने बताया कि लगभग 2.50 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस नेचर पार्क में आधुनिक सुविधाओं से युक्त कैफेटेरिया का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा स्वयं सहायता समूहों को स्वरोजगार उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से आउटलेट स्थापित किए जाएंगे, जहां वे अपने उत्पादों का विपणन कर सकेंगे। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर सृजित होंगे।

मलेंद्र राजन ने कहा कि इस नेचर पार्क को क्षेत्र का प्रमुख आकर्षण बनाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक पर्यटक यहां आएं। उन्होंने कहा कि माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए आने-जाने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को भी इस स्थल की ओर आकर्षित करने के प्रयास किए जाएंगे। इससे इंदौरा क्षेत्र को पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से इंदौरा विधानसभा क्षेत्र को एक मॉडल विधानसभा क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र में लगभग 100 करोड़ रुपए की लागत से सड़कों के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण के कार्य प्रगति पर हैं। बेहतर एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 85 नए ट्रांसफार्मर स्थापित किए जा रहे हैं तथा बिजली लाइनों को बदला जा रहा है। इसके अतिरिक्त जल शक्ति विभाग के माध्यम से लगभग 75 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विधानसभा क्षेत्र की सभी पंचायतों में व्यापक स्तर पर पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा, ताकि क्षेत्र को अधिक हरा-भरा एवं स्वच्छ बनाया जा सके।

संगठन की मजबूती व बूथ सशक्तिकरण से भाजपा रचेगी नया इतिहास : डॉ. बिंदल

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने जिला भाजपा कार्यालय दीप कमल नाहन में नाहन विधानसभा क्षेत्र के तीनों भाजपा मंडलों की संयुक्त संगठनात्मक बैठक में बतौर मुख्यातिथि भाग लिया। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, बूथ सशक्तिकरण तथा जनसंपर्क अभियान को गति देने सहित विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

डॉ. राजीव बिंदल ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। बूथ स्तर तक सशक्त संगठन और समर्पित कार्यकर्ता ही पार्टी की सफलता की आधारशिला हैं।उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे प्रत्येक बूथ पर संगठन को और अधिक सक्रिय बनाते हुए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा पार्टी की रीति-नीति को घर-घर तक पहुंचाएं और जनता के साथ निरंतर संवाद बनाए रखें। डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को पूरी गंभीरता, अनुशासन और समर्पण के साथ सफल बनाया जाएगा। प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और उसकी सक्रिय भागीदारी से ही भाजपा लगातार जनता का विश्वास जीतती रही है। डॉ. बिंदल ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव से पहले जनता से किए गए वादे और गारंटियां आज पूरी तरह खोखली साबित हुई हैं।

मानसून सीजन में जान-माल की रक्षा के लिए रहें सतर्क : सुरेश

आपदाओं से निपटने के लिए आवश्यक प्रबंधों की समीक्षा के दौरान दिए निर्देश

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भोरंज के विधायक सुरेश कुमार ने सोमवार को यहां हमीर भवन में जिला के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करके मॉनसून सीजन के दौरान किसी भी तरह की आपदा से बचाव के प्रबंधों की समीक्षा की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान जन-माल की रक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन से संबंधित सभी अधिकारी 24 घंटे अलर्ट रहें व अपने मोबाइल फोन भी ऑन रखें। विधायक ने भूस्खलन, जलभराव, सड़क अवरोधन तथा अन्य संभावित आपदाओं की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने और राहत एवं बचाव कार्यों के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सड़कों के किनारे और सरकारी एवं निजी भवनों के आस-पास खतरनाक पेड़ों की पहचान करके इन्हें तुरंत हटाया जाना चाहिए। लोक निर्माण विभाग सड़कों की नालियों एवं जल निकासी के स्थानों की नियमित रूप से सफाई सुनिश्चित करे। जल शक्ति विभाग सभी पेयजल योजनाओं के स्रोतों एवं पाइपलाइनों को दुरुस्त रखे और किसी भी क्षेत्र में संकट उत्पन्न होने पर त्वरित कदम उठाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों में आवश्यक दवाइयों, चिकित्सा उपकरणों और अन्य जरूरी संसाधनों का पर्याप्त भंडारण बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही आपात परिस्थितियों के लिए तिरपाल, कंबल एवं अन्य राहत सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया, ताकि आपदा की स्थिति में प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता प्रदान की जा सके। सुरेश कुमार ने अधिकारियों से कहा कि अगर कोई क्षेत्र किसी आपदा से प्रभावित होता है तो वहां राहत एवं पुनर्वास के लिए तुरंत समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। बैठक में डीसी एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्ष गंधर्वा राठौड़ ने मॉनसून सीजन के लिए किए गए आवश्यक प्रबंधों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर एसपी बलबीर सिंह, एसडीएम संजीत सिंह, सहायक आयुक्त चिराग शर्मा और अन्य अधिकारियों ने भी विभिन्न प्रबंधों से अवगत करवाया।

आयोजन विंग कमांडर कुणाल शर्मा के नेतृत्व में हो रहा एनसीसी की एयरविंग का शिविर

एनसीसी कैडेटों ने एयर क्राफ्ट के मॉडल्स की उड़ानों से दिखाए करतब

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के परिसर में आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की एयर विंग के दस दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (एटीसी-223) के प्रतिभागी कैडेटों ने एयरोमॉडलिंग का रोमांचकारी प्रदर्शन किया।

शिविर के कमांडेंट एवं 1एचपी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी, कुल्लू के कमांडिंग ऑफिसर विंग कमांडर कुणाल शर्मा के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस एयरोमॉडलिंग डिसप्ले के दौरान जूनियर डिवीजन के कैडेटों ने विभिन्न प्रकार के स्टैटिक एयरोमॉडल्स की प्रभावशाली प्रदर्शनी प्रस्तुत की। इस प्रदर्शनी में डीएवी मंडी, डीएवी मौहल, केंद्रीय विद्यालय रामशिला, डीएवी लक्कड़ बाजार (शिमला), डीएवी मनाली, सीआईएस कुल्लू तथा एलएमएस कलैहली के कैडेटों ने अपनी तकनीकी दक्षता, रचनात्मकता एवं नवाचार का उत्कृष्ट परिचय दिया। इसके अतिरिक्त, गवर्नमेंट कॉलेज कुल्लू और आईआईटी मंडी के सीनियर डिवीजन कैडेटों ने कंट्रोल लाइन एयरक्राफ्ट मॉडल का सफल एवं प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिसने उपस्थित अधिकारियों, प्रशिक्षकों एवं कैडेटों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कैडेटों द्वारा स्वयं निर्मित ड्रोन एवं रेडियो नियंत्रित (आरसी) विमान का रोमांचक हवाई प्रदर्शन रहा। इस शानदार एयर शो का तकनीकी संचालन एयरोमॉडलिंग प्रशिक्षक रेशमा के निर्देशन में किया गया, जबकि संपूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन एवं नेतृत्व शिविर के कमांडेंट विंग कमांडर कुणाल शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों व अतिथियों ने कैडेटों की तकनीकी दक्षता, नवाचार, अनुशासन, टीम भावना एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

एयरोमॉडलिंग गतिविधियों ने कैडेटों में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, विमानन एवं नवाचार के प्रति रुचि को नई दिशा प्रदान करने के साथ-साथ उनकी रचनात्मक एवं तकनीकी क्षमताओं को प्रभावी रूप से प्रदर्शित किया। इस अवसर पर फ्लाइंग ऑफिसर निश्छल शर्मा, फ्लाइंग ऑफिसर डॉ. चमन, एयरोमॉडलिंग प्रशिक्षक रेशमा, पीआई स्टाफ, एसोसिएट एनसीसी अधिकारी तथा केयरटेकर अधिकारियों ने कैडेटों का सतत मार्गदर्शन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शिविर के कमांडेंट विंग कमांडर कुणाल शर्मा ने कहा कि यह आयोजन एनसीसी के आदर्श वाक्य 'एकता और अनुशासन' की भावना को साकार करने वाला सिद्ध हुआ। साथ ही इसने युवाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, तकनीकी कौशल, नवाचार एवं राष्ट्रसेवा की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

'हारमनी ऑफ द पाइन्स' के प्रभारी इंस्पेक्टर विजय निलंबित, विभागीय जांच के आदेश

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल पुलिस के प्रसिद्ध म्यूजिक बैंड 'हारमनी ऑफ द पाइन्स' के प्रभारी इंस्पेक्टर विजय कुमार को पुलिस मुख्यालय ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उनके खिलाफ नियमित विभागीय जांच के आदेश जारी किए गए हैं। जांच की जिम्मेदारी पुलिस लाइन भराड़ी के डीएसपी कमल किशोर को सौंपी गई है, जिन्हें तीन माह के भीतर रिपोर्ट देनी होगी। जानकारी के अनुसार मामला निजी संगीत गतिविधियों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हुई आय से जुड़ा है। विभाग ने कार्रवाई से पहले इंस्पेक्टर विजय कुमार को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। उनसे निजी म्यूजिक एल्बम, उसके प्रचार-प्रसार और सोशल मीडिया से हुई आय के संबंध में जानकारी मांगी गई थी। विभाग के अनुसार उनका जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया। प्रथम दृष्टया इसे नियमों का उल्लंघन मानते हुए जांच शुरू की गई है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय प्रथम एचपीएपी बटालियन, जुन्गा रहेगा।

निविदा आमंत्रण नोटिस

ग्राम पंचायत खुहण, विकास खंड बालीचौकी वित्त वर्ष 2026-27 में विकास कार्यों के निष्पादन के लिए ग्राम पंचायत को आवश्यक सामग्री की आपुर्ति हेतू इच्छुक आपुर्तिकर्ताओं से निविदाएं आमंत्रित करती है। इच्छुक आवेदनकर्ता ग्राम पंचायत खुहण से टेंडर फार्म प्राप्त कर सकते हैं। फार्म जमा करवाने की अंतिम तिथि 26 जुलाई, 2026 शाम 4:00 बजे तक है। निविदाएं 27 जुलाई, 2026 को प्रातः 11:00 बजे ग्राम पंचायत कार्यलय में खोली जाएगीं। निविदा में भाग लेने के लिए धरोहर राशि व टेंडर फार्म फीस व विभाग द्वारा जारी विभिन्न शपथ पत्र जारी दिए जाने अनिवार्य होगें। ग्राम पंचायत द्वारा जारी व हस्ताक्षरित टेंडर फार्म पर दी गई निविदाएं ही मान्य होगीं। विस्तृत शर्तें टेंडर फार्म के साथ संलग्न हैं।

प्रधान, ग्राम पंचायत खुहण विकास खंड बालीचौकी
जिला मंडी, हि. प्र.

कार्यालय ग्राम पंचायत मसौली
विकास खंड द्रंग स्थित पधर, जिला मंडी (हि.प्र.)

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत मसौली विकास खंड द्रंग जिला मंडी हि.प्र. द्वारा वर्ष 2026-2027 के लिए विभिन्न विकास कार्यों के निष्पादन हेतु आवश्यकतानुसार अधिकृत विक्रेताओं से मुहरबंद (सील्ड) निविदाएं (कुटेशने) पुनः आमन्त्रित की जाती है। ये निविदाएं दिनांक 23-07-2026 सांय 05:00 बजे से पूर्व ग्राम पंचायत मसौली के कार्यालय में पहुंच जानी चाहिए। उक्त तिथि तक प्राप्त निविदाएं दिनांक 24-07-2026 को प्रातः 11:00 बजे कार्यालय ग्राम पंचायत मसौली में पदाधिकारियों की गणपूर्ति व निविदादाताओं या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष (यदि उपस्थित हो) खोली जायेगी। प्रशासकीय कारणों से इस तिथि में बदलाव करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा। इस दशा में सुचना समाचार पत्रों में प्रदर्शित नहीं की जाएगी। सूचना ग्राम पंचायत के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित की जाएगी। ग्राम पंचायत का इस अवधि हेतु निम्नलिखित सामग्री की आवश्यकता रहेगी। 1. रेत क्रशर, रेत खड्डु-प्रति घन फुट, 2. बजरी क्रशर 10mm, 20mm, 40mm, बजरी खड्डु-प्रति घन फुट, 3. सोलिंग/ बोल्डर पत्थर-प्रति घन फुट, 4. पत्थर (कट स्टोन)-प्रति पत्थर, 5. ईंट मिट्टी के भठे की-प्रति ईंट (9x4,5x4 ईंच), 6. टाइल्स-प्रति पीस/प्रति साईज, 7. JCB मशीन द्वारा मिट्टी कटान व ब्रेकर-प्रति घन मीटर(हार्ड/सॉफ्ट रॉक)/प्रति घंटा, 8. सामग्री ढूलान (सीमेंट जोगिन्दर नगर से ग्राम पंचायत मसौली स्टोर व स्टोर से कार्य स्थल तक उतराई व चढ़ाई सहित) ट्रेक्टर/जीप / अन्य वाहन द्वारा-प्रति किलोमीटर, प्रति बैग, 9. शटरिंग लोहा व लकडी-प्रति वर्ग फुट व रनिंग फुट, 10. लकड़ी व एल्युमीनियम फिटिंग्स व डोर विंडो-आईटम वार/प्रति घन फुट/वर्ग फुट, 11. प्लाई बोर्ड शीटे/ Other फैसी सीलिंग / पैलींग Sheets- आइटम वार/साइज वार, 12. कलर कोटेड रूप शीट्स आदि व सीलिंग शीट्स-प्रति शीट साइज वार, 13. Furniture Items (Table & Chairs, सोफा /सेट्टी, मैट, लैक्चर स्टेंट. इत्यादि सभी फर्नीचर वस्तुए-प्रति आईटम पूर्ण विवरण सहित, 14. वेल्डिंग वर्क्स-प्रति किलो/क्विंटल, 15. मिक्सर मशीन-प्रति दिन/प्रति घंटा, 16. पेंटर-प्रति दिन/स्केयर फुट, 17. साइन बोर्ड (2×3)/ वाल राइटिंग/पेंटिंग-साइज वार/अन्य, 18. इलेक्ट्रिकल फिटिंग सामग्री व लेवर-आईटम वार/प्रति पाईंट, 19. स्टेशनरी-विभिन्न रजिस्ट्रर, कागज इत्यादि सभी आइटम, 20. लैपटोप, कम्प्यूटर प्रिंटर इत्यादि-आईटम वार व कंपनी वार। **नियम व शर्ते :** 1 निविदाता (आपूर्तिकर्ता) के पास अपना पंजीकरण पेन संख्या, TIN NO/CST/GST NO. होना आवश्यक है। 2. रेत/बजरी व पत्थर आपूर्तिकर्ता को खनन विभाग से जारी M/X FORM ग्राम पंचायत को प्रस्तुत करना होंगे जिसके लिए चयनित निविदाता (आपूर्तिकर्ता) की निविदा के चयन उपरांत ग्राम पंचायत मसौली को शपथी पत्र एक सप्ताह के भीतर देना होगा। M/X FORM उपलब्ध न करवान पर सामग्री की अदायगी नहीं की जाएगी। 3 निविदा पर दरे स्पष्ट अंकित होनी चाहिए Overwriting होने की दशा में निविदा रद्द की जाएगी। 4 सभी करों का लेन देन सरकार के प्रावधानों अनुसार होगा। 5. सामग्री की आपूर्ति HPPWD ·¤è Specification के अनुरूप होगी। 6 रेत. बजरी, पत्थर, ईंटों इत्यादि की आपूर्ति कार्यस्थल जहाँ तक वाहन योग्य सड़क है तक करवानी होगी तथा ग्राम पचायत क पुरे क्षेत्राधिकर में एक ही रेट देय होगा। 7. अनुमोदित निविदादाता को सामग्री की आपूर्ति से पूर्व सामग्री की गुणवत्ता की जांच सक्षम तकनिकी कर्मचारी से करवानी होगी, अस्वीकृत सामग्री की अदायगी देय नहीं होगी। 8. अनुमोदित निविदादाता यदि सामग्री की आपूर्ति समयानुसार नहीं कर पाता है तो उसकी गत समय में दी गयी सामग्री की देय राशि का भुगतान नहीं किया जाएंगा। 9. किसी भी निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत/रद्द करने, समान दर रहने की स्थिति में, एक या एक से अधिक निविदादाताओ के लिए आपूर्ति आदेश निर्गत करने, सामग्री की गुणवत्ता के चयत तथा निविदाये किसी भी समय रद्द करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। 10. सामग्री खरीद का अंतिम मूल्य/निर्णय विभाग की Justification व अनुमोदित निविदाताओं के साथ Negotiation अनुसार ही किया जाएगा।

सचिव/प्रधान
ग्राम पंचायत मसौली, विकास खंड द्रंग स्थित पधर जिला मंडी हि.प्र.

न्यूज ब्रीफ

मायके जाने की जिद पर विवाद, मां ने बच्ची संग गंगनहर में लगाई छलांग

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। पति-पत्नी के बीच मायके जाने की बात को लेकर हुए विवाद के बाद एक महिला ने अपनी एक वर्षीय बेटी को गोद में लेकर गंगनहर में छलांग लगा दी। घटना बहादराबाद क्षेत्र की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ की टीम ने दोनों की तलाश के लिए अभियान शुरू किया। पुलिस के अनुसार महिला अपने मायके जाने की जिद कर रही थी जबकि पति अपनी बीमार मां से मिलने देहरादून जाना चाहता था। मामले की जांच जारी है।

रुद्रपुर में वाहनों की टक्कर, एक की मौत, चार घायल

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड के ऊधमसिंहनगर जिले के रुद्रपुर में संजय वन रेलवे क्रॉसिंग के समीप दो वाहनों की आमने-सामने की टक्कर में एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र की ओर से सोमवार को जारी बुलेटिन के अनुसार दुर्घटना रविवार रात करीब 11 बजे रुद्रपुर तहसील क्षेत्र में हुई। हादसे में पांच लोग घायल हुए थे, जिनमें से एक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

विवाहिता ने लगाया 35 लाख रुपये और लग्जरी कार की मांग का आरोप, मुकदमा दर्ज

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। कनखल थाना क्षेत्र में एक विवाहिता ने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज में 35 लाख रुपये और एक लग्जरी कार की मांग करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ मारपीट, मानसिक उत्पीड़न किया गया और उसे घर से निकाल दिया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पति, सास और ससुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय कंडोली का मंत्री जोशी ने किया उद्घाटन

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सोमवार को राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, कंडोली में नवनिर्मित आयुर्वेद उत्कर्ष केंद्र का रिबन काटकर विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने आयुर्वेद उत्कर्ष केंद्र का अवलोकन कर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं व व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक भवन में लगाए गए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का भी उद्घाटन किया।

जनसुनवाई में 100 शिकायतें दर्ज, 55 का मौके पर निस्तारण

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। जनपदवासियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से सोमवार को जिला कार्यालय सभागार में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित 100 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 55 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष मामलों को समयबद्ध कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेज दिया गया।

फॉरेस्ट में ऑल टूरिस्ट साइट्स के लिए ऑनलाइन होगी बुकिंग व्यवस्था

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय में प्रदेश के अंतर्गत इको-टूरिज्म गतिविधियों को बढ़ाए जाने को लेकर वन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने पिछली बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में इको-टूरिज्म के लिए अत्यधिक सम्भावनाएं हैं। इसे प्रदेश और प्रदेश के नागरिकों की आर्थिकी से जोड़े जाने की आवश्यकता है, ताकि बिना प्रकृति को नुकसान पहुंचाए हम वनों को आजीविका से जुड़ी गतिविधियों से जोड़ सकें। मुख्य सचिव ने प्रदेश में ट्रैकिंग पॉलिसी तैयार कर शीघ्र लागू किए जाने के निर्देश दिए हैं।

माय भारत अभियान को गति देगा चंपावत

माय भारत से जुड़े 2.2 करोड़ युवा, चंपावत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की तैयारी

अधिकारियों की मौजूदगी में योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित।

- **15 अगस्त तक चलेगा युवा अभियान**
- **देश निर्माण में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की पहल**

भारतेंदु संवाददाता, चंपावत। सोमवार को जनपद चंपावत में युवाओं को राष्ट्र निर्माण, नेतृत्व विकास, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के बेहतर अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक मुख्य विकास अधिकारी डॉ. गणेश सिंह खाती की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें 'मेरा युवा भारत' (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) की वार्षिक कार्ययोजना 2026-27 की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी डॉ. गणेश सिंह खाती ने निर्देश दिए कि जनपद के प्रत्येक विकासखंड, विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय और युवा क्लब तक माय भारत की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा,

'विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की ऊर्जा और नवाचार सबसे बड़ी ताकत हैं।' सीडीओ ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ वार्षिक कार्ययोजना का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।बैठक में उप निदेशक शैलेश भट्ट ने माय भारत पोर्टल और भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि: देशभर में अब तक 2.2 करोड़ से अधिक युवा माय भारत पोर्टल से जुड़ चुके हैं।

अधिक से अधिक युवाओं को इस डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाने के लिए 15 अगस्त तक एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले टॉप 3 जिलों को 15 अगस्त 2026 को नई दिल्ली में सम्मानित किया जाएगा।

चंपावत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जिले के सभी शिक्षण संस्थानों में 'एंबेसडर' बनाए जाएंगे। बेहतर कार्य करने वाले जिले के टॉप 3 शिक्षण संस्थानों और एंबेसडरों को भी जनपद स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। उप निदेशक ने बताया कि इस पोर्टल के माध्यम से युवाओं को इंटर्नशिप, कौशल विकास, रोजगार, स्वयंसेवी गतिविधियां, सीवी बिल्डर, मेंटरशिप, फिट इंडिया अभियान, खेल प्रतियोगिताएं, छात्रवृत्तियां और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सीधा लाभ मिल रहा है।

इसके साथ ही युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए निम्नलिखित प्रमुख अभियान संचालित किए जा रहे हैं: विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग और विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट, वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम व प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना, युवा क्लब विकास अभियान, नशा मुक्त भारत और सेवा पखवाड़ा, वंदे मातरम् कैंप, व्यावसायिक प्रशिक्षण और अंतर्राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम।

ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की जरूरत : राज्यपाल गुरमीत सिंह

राज्यपाल से मुलाकात के दौरान सम्मान और संवाद का भावपूर्ण क्षण।

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) के समक्ष नई दिल्ली स्थित उत्तराखंड निवास में जीएनए एनर्जी के प्रबंध निदेशक संजीव कुमार और उनकी टीम ने ऊर्जा संरक्षण तथा डेटा विश्लेषण आधारित विद्युत प्रबंधन को लेकर प्रस्तुति दी। इस दौरान तकनीक और आधुनिक डेटा विश्लेषण के माध्यम से बिजली की बचत, संसाधनों के बेहतर उपयोग और ऊर्जा प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रस्तुति में बताया गया कि डेटा आधारित तकनीकों के इस्तेमाल से विद्युत क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ाई जा सकती है और ऊर्जा की खपत को अधिक कुशल तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है। इससे संसाधनों का सही उपयोग सुनिश्चित करने के साथ भविष्य की जरूरतों के अनुरूप ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली विकसित करने में सहायता मिलेगी।

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए नवाचार, तकनीक और डेटा आधारित समाधानों को बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसी पहलें ऊर्जा प्रबंधन को अधिक सक्षम और पारदर्शी बनाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर व्यवस्था विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

यूपीईएस में सीखने की नई पहल, प्रोजेक्ट ग्रो 2.0 का हुआ सफल समापन

यूपीईएस का प्रोजेक्ट ग्रो 2.0 सफलतापूर्वक पूरा, महिलाओं को मिला सशक्तिकरण का मंच

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। यूपीईएस ने समावेशी विकास और आजीवन सीखने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए प्रोजेक्ट ग्रो 2.0 को सफलतापूर्वक पूरा किया। स्कूल फॉर लाइफ एसएफएल, एसएफएल एम्बेसडर्स और मानव संसाधन टीम के संयुक्त प्रयास से संचालित इस पहल का उद्देश्य महिला हाउसकीपिंग स्टाफ की अंग्रेजी भाषा दक्षता और संवाद कौशल को मजबूत करना था। कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को व्यक्तिगत विकास के अवसर प्रदान किए, वहीं छात्रों को भी वास्तविक परिस्थितियों में नेतृत्व और शिक्षण कौशल विकसित करने का मौका मिला।

प्रोजेक्ट ग्रो 2.0 को प्रोजेक्ट ग्रो 1.0 की सफलता के बाद शुरू किया गया। इसके दूसरे चरण में यूपीईएस के कंडोली परिसर में कार्यरत महिला हाउसकीपिंग कर्मचारियों को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया। कार्यक्रम के तहत रोजमर्रा की जरूरतों के अनुरूप भाषा प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए, जिनमें अंग्रेजी भाषा की बुनियादी जानकारी, वाक्य निर्माण और प्रभावी संवाद कौशल सिखाया गया।

इस पहल का नेतृत्व एसएफएल एम्बेसडर्स अलैना वारिस और काशवी केडिया ने किया। उनके साथ कई छात्र सदस्यों ने सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर विपिन चौहान के मार्गदर्शन में हुआ, जिसमें प्रोफेसर राशिका गोकुला और प्रोफेसर सूर्या सिंह का भी योगदान रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ 6 मार्च 2026 को विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में किया गया। इस दौरान डॉ. अत्रि नौटियाल, डॉ. गौरव मिश्रा, सुधी मेघा जैन और यूपीईएस समुदाय के अन्य सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने इस पहल को ऐसा प्रयास बताया जो शिक्षा को पारंपरिक कक्षाओं से आगे ले जाकर समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाता है।

हरिद्वार में नकली नोट गिरोह का भंडाफोड़, 14 दिन में 12 तस्कर गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार में नकली नोटों को खपाने की साजिश करने वाले एक बड़े गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पिछले 14 दिनों में लगातार कार्रवाई करते हुए गिरोह के 12 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 2.92 लाख रुपये की नकली करेंसी के साथ नोट छापने में इस्तेमाल होने वाले प्रिंटर लैपटॉप मोबाइल और अन्य उपकरण बरामद किए गए हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गिरोह देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं और भीड़भाड़ वाले बाजारों को निशाना बनाने की योजना बना रहा था। आरोपी छोटे दुकानदारों और धार्मिक स्थलों के आसपास नकली नोट चलाने की फिराक में थे। पुलिस ने 28 जून को श्यामपुर थाना क्षेत्र से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था जिनके पास से 52 हजार 500 रुपये की जाली करेंसी मिली थी।

पूछताछ के आधार पर पुलिस ने आगे कार्रवाई करते हुए अन्य सदस्यों को भी पकड़ा। 6 जुलाई को नगर कोतवाली पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर 84 हजार 500 रुपये के नकली नोट बरामद किए। बाद में पंजाब में छापेमारी कर दो और आरोपियों को पकड़ा गया। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

मॉनसून सत्र में बिना शर्त महिला आरक्षण लागू करने की मांग तेज

भारतेंदु संवाददाता, हल्द्वानी। हल्द्वानी के बिंदुखत्ता में अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन ऐपवा की बैठक आयोजित हुई। इसमें संसद के आगामी मॉनसून सत्र में महिला आरक्षण बिल को बिना शर्त लागू करने की मांग उठाई गई। ऐपवा की राष्ट्रीय सचिव श्वेता राज ने कहा कि सरकार को 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को जल्द लागू करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इसे परिसीमन से जोड़कर टाला जा रहा है। उत्तराखंड संयोजक डॉ. शिवानी पांडेय ने कहा कि महिलाओं को आगामी चुनावों में आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। बैठक में महिला सुरक्षा और बढ़ते अपराधों पर भी चिंता जताई गई। ऐपवा ने 21 जुलाई को धरना-प्रदर्शन करने की घोषणा की। निर्मला शाही ने कहा कि, राज्य में महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इसके खिलाफ महिलाओं को संगठित होने की जरूरत है।

सीएम धामी ने सोमनाथ आस्था ट्रेन को दिखाई हरी झंडी, 720 श्रद्धालुओं ने शुरू की यात्रा

आस्था ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते मुख्यमंत्री, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह।

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून के हर्रावाला रेलवे स्टेशन से सोमवार को सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा के तहत विशेष आस्था ट्रेन गुजरात स्थित प्रसिद्ध सोमनाथ धाम के लिए रवाना हुई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्टेशन पहुंचकर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस विशेष यात्रा में उत्तराखंड के 720 श्रद्धालु शामिल हुए हैं। उत्तराखंड सरकार के संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित इस यात्रा का उद्देश्य श्रद्धालुओं को धार्मिक स्थलों के दर्शन कराने के साथ राज्य की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि के रूप में अपनी विशेष पहचान रखता है और धार्मिक यात्राएं लोगों को आध्यात्मिक रूप से जोड़ने का कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार तीर्थ यात्राओं को सुगम और सुविधाजनक बनाने के लिए प्रयास कर रही है। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत शुरू की गई यह यात्रा श्रद्धालुओं के लिए एक विशेष अवसर है।

हर्रावाला से रवाना हुई इस आस्था ट्रेन में यात्रियों के लिए कई सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सुबह का नाश्ता, दोपहर और रात्रि भोजन, पीने का पानी, चाय-कॉफी, शीतल पेय, छाछ और पैक्ड नारियल पानी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

छात्रवृत्ति घोटाले में हरिद्वार के 19 शिक्षण संस्थानों पर केस दर्ज

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले में केंद्र सरकार की अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजना में कथित वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया है। विभागीय जांच में गड़बड़ी के संकेत मिलने के बाद 19 शिक्षण संस्थानों के खिलाफ सिडकुल थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पूरे प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल के गठन की तैयारी की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार इस मामले में करोड़ों रुपये की छात्रवृत्ति राशि में अनियमितता और सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार वर्ष 2021-22 और 2022-23 में अल्पसंख्यक छात्रों के लिए संचालित केंद्र पोषित छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर कुछ शिक्षण संस्थान संदिग्ध पाए गए थे। इसके बाद भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के निर्देश पर उत्तराखंड शासन ने मामले की जांच के आदेश दिए थे। तत्कालीन जिलाधिकारी हरिद्वार ने पूरे मामले की जांच के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में जांच समितियों का गठन किया। भगवानपुर, लक्सर, हरिद्वार और रुड़की क्षेत्रों के उप जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में गठित समितियों ने संबंधित शिक्षण संस्थानों की जांच कर अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंपी।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्टेशनों पर बनेंगे होल्डिंग एरिया

कुंभ में भीड़ नियंत्रण के लिए 10 रेलवे स्टेशनों को किया जाएगा तैयार

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। कुंभ मेले के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इस बार हरिद्वार और ऋषिकेश समेत आसपास के 10 रेलवे स्टेशनों को कुंभ संचालन योजना में शामिल किया जा रहा है। इन स्टेशनों पर यात्रियों के लिए टिकट व्यवस्था पेयजल शौचालय प्रतीक्षालय सुरक्षा और प्रकाश व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार हरिद्वार के अलावा ऋषिकेश योगनगरी हर्रावाला रायवाला मोतीचूर ज्वालापुर पथरी लक्सर और रुड़की रेलवे स्टेशनों का इस्तेमाल यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए किया जाएगा। इन स्थानों पर होल्डिंग एरिया और यात्री सूचना प्रणाली की सुविधा भी विकसित की जाएगी।

कुंभ के दौरान विशेष ट्रेनों के संचालन के साथ कई नियमित ट्रेनों के स्थानीय स्टेशनों पर अस्थायी ठहराव की योजना बनाई जा रही है। इससे श्रद्धालुओं को केवल हरिद्वार स्टेशन पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और भीड़ का बेहतर प्रबंधन हो सकेगा। रेलवे राज्य सरकार और जिला प्रशासन के बीच समन्वय से पूरी कार्ययोजना तैयार की जा रही है। कई स्टेशनों पर सुरक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त करने का काम भी शुरू हो चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी के 5एफ विजन से बदलेगा वस्त्र उद्योग का भविष्य

- **वस्त्र उद्योग बनेगा आर्थिक विकास का बड़ा आधार**

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। भारत टेक्स 2026 भारतीय वस्त्र उद्योग की ताकत, विविधता और भविष्य की संभावनाओं को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने वाला एक महत्वपूर्ण आयोजन है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित यह कार्यक्रम देश की समृद्ध कपड़ा विरासत और आधुनिक तकनीक के संगम को दर्शा रहा है। कश्मीरी पश्मीना, असम का मूंगा सिल्क, राजस्थान की बांधनी और कांजीवरम सिल्क जैसे पारंपरिक वस्त्रों से लेकर आधुनिक तकनीकी वस्त्रों तक भारत की पूरी मूल्य श्रृंखला एक ही मंच पर दिखाई दे रही है।

वस्त्र उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार है। यह क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक उत्पादन और निर्यात में बड़ा योगदान देता है। कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार देने वाले क्षेत्रों में शामिल वस्त्र उद्योग करोड़ों लोगों की आजीविका का माध्यम है और ग्रामीण क्षेत्रों के साथ बड़ी संख्या में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रहा है।

भारत टेक्स 2026 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 5एफ विजन फार्म, फाइबर, फैक्ट्री, फैशन और फॉरेन को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। इसका उद्देश्य खेत से लेकर वैश्विक बाजार तक पूरी वस्त्र श्रृंखला को मजबूत बनाना है। इस आयोजन में 1600 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं और दुनिया के कई देशों के खरीदार व प्रतिनिधि इसमें शामिल हो रहे हैं।

कार्यक्रम में वस्त्र क्षेत्र से जुड़े व्यापार, निवेश, तकनीक, नवाचार और स्थिरता जैसे विषयों पर चर्चा की जा रही है। विभिन्न सत्रों में उद्योग विशेषज्ञ, नीति निर्माता और वैश्विक कंपनियों के प्रतिनिधि भविष्य की रणनीतियों पर विचार-विमर्श कर रहे हैं।

गांवों की सुविधा के लिए ऋषिकेश विधायक ने की 600 लाइटों की घोषणा

डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल की घोषणा, गांवों में मजबूत होगी पथ प्रकाश व्यवस्था

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बड़ी घोषणा की है। ऋषिकेश स्थित कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विधायक निधि से लगभग 600 लाइटें उपलब्ध कराने की जानकारी दी। इन लाइटों को विभिन्न जनप्रतिनिधियों के माध्यम से गांवों में स्थापित किया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर रोशनी व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि जिला पंचायत सदस्य को 10 लाइट, प्रत्येक ग्राम प्रधान को 20 लाइट, क्षेत्र पंचायत सदस्य को 10 लाइट और पंचायत सदस्यों को 5 लाइट प्रदान की जाएंगी। उन्होंने कहा कि पथ प्रकाश व्यवस्था बेहतर होने से ग्रामीणों को रात के समय आवागमन में सुविधा मिलेगी और सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत होगी।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है और जनहित से जुड़े कार्यों को लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गांवों में प्रकाश व्यवस्था मजबूत होने से विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।

सफाई कर्मचारियों के सम्मान और कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मकवाना

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष भगवत प्रसाद मकवाना ने सोमवार को दो दिवसीय जनपद भ्रमण के दूसरे दिन सीआर सभागार में सभी शहरी निकायों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर सफाई कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने वेतन, ईएसआई, ईपीएफ, श्रम कार्ड, स्वास्थ्य सुविधाओं, सुरक्षा उपकरण और अन्य कर्मचारी हितों से जुड़े मामलों में समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपाध्यक्ष ने कहा कि राज्य सरकार सफाई कर्मचारियों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कहा कि सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि कर्मचारियों को उनके वैधानिक अधिकार समय पर उपलब्ध कराए जाएं। बैठक में नगर निगम हरिद्वार, नगर निगम रुड़की, नगरपालिका शिवालिक नगर तथा नगर पंचायत लक्सर, मंगलौर, ढंडेरा और झबरेड़ा में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की स्थिति की समीक्षा की गई। अधिकारियों से प्रत्येक निकाय में स्वीकृत और रिक्त पदों, कार्यरत कर्मचारियों, आउटसोर्स कर्मियों तथा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली गई। उपाध्यक्ष ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सफाई कर्मचारियों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश दिए। साथ ही जिला चिकित्सालय में कार्यरत सफाई कर्मचारियों के वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने नगर निगम हरिद्वार को 20 जुलाई तक सभी पात्र सफाई कर्मचारियों के गोल्डन कार्ड तैयार कराने के निर्देश दिए।

कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग, विकास भवन द्वितीय तल, नई टिहरी।

पत्रांक /476/ ग्रा0नि0वि0 / निविदा सूचना/2026-27 दिनांक 7/7/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या 4/2026-27

महामहिम राज्यपाल, महोदय उत्तराखण्ड, की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों की सीलवन्द निविदायें निम्न तालिका के कॉलम 9 के अनुसार पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 28.07.2026 को 2.00 बजे अपरान्ह तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में आमन्त्रित की जाती है, जो कि उसी दिन सांय 3:00 बजे अधोहस्ताक्षरी द्वारा उपस्थित ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 27.07.2026 को सायं 4:00 बजे तक निर्धारित शुल्क का ई-चालान लेखाशीर्षक 0515008000100 (जिस पर कार्य का नाम अंकित हो, ही मान्य होगा) एवं जी0एस0टी0 शुल्क का चालान GST No. 05MRTR01108C1DJ में ई चालान के माध्यम से शुल्क जमा करा कर ई-चालान की प्रति प्रखण्ड कार्यालय टिहरी में उपलब्ध कराकर प्राप्त की जा सकती है।

क्रं. सं.	कार्य का नाम	विकास खण्ड का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा की वैधता	कार्यपूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	विकास खण्ड नरेन्द्रनगर के अन्तर्गत राजकीय पशु चिकित्सालय मुनीकिरेती में अनावासीय भवन का मरम्मत कार्य।	नरेन्द्रनगर	19.33	38660.00	1500.00 +18% जी0एस0टी0	45 दिन	04 माह	श्रेणी 'ई'एवं उच्चतर (भवन निर्माण कार्य हेतु)

निविदा की शर्तों की जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।

अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड टिहरी।

प्रधानमंत्री दौरे से पहले बम धमकी, बढ़ी सुरक्षा

मोहाली के स्कूलों, रेलवे स्टेशनों और मेयर कार्यालय को धमकी मिलने के बाद पुलिस ने सुरक्षा बढ़ाकर जांच की शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 17 जुलाई के प्रस्तावित चंडीगढ़ दौरे से पहले एक धमकी भरे ईमेल ने पंजाब, चंडीगढ़ और मोहाली की सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। ईमेल में मोहाली के कई निजी स्कूलों, चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन, जालंधर रेलवे स्टेशन और मोहाली मेयर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। सूचना सामने आते ही पुलिस, खुफिया एजेंसियों, रेलवे सुरक्षा बल, जीआरपी और साइबर विशेषज्ञों को तुरंत सक्रिय कर दिया गया। सभी संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पूरे मामले की बहुस्तरीय जांच शुरू कर दी गई है।

धमकी भरे ईमेल में केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का भी उल्लेख किया गया है। ईमेल भेजने वाले ने दावा किया है कि 17 जुलाई को दोपहर 1:11 बजे मोहाली के निजी स्कूलों में, 3:11 बजे मोहाली मेयर कार्यालय में तथा उसी दिन चंडीगढ़ और जालंधर रेलवे स्टेशन पर आईईडी विस्फोट किए जाएंगे। ईमेल में राजनीतिक और उग्रवादी नारे भी लिखे गए हैं, जिससे सुरक्षा एजेंसियां इस मामले को बेहद गंभीरता से ले रही हैं। हालांकि फिलहाल किसी भी स्थान से संदिग्ध वस्तु मिलने की पुष्टि नहीं हुई है।

धमकी की सूचना मिलते ही चंडीगढ़ पुलिस, पंजाब पुलिस और मोहाली पुलिस ने अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी। रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों और सामान की जांच तेज कर दी गई है। बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वायड और विशेष सुरक्षा टीमों को संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया गया है। स्कूल प्रबंधन से भी संपर्क कर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं।

साइबर फॉरेंसिक विशेषज्ञ धमकी भरे ईमेल की तकनीकी जांच में जुट गए हैं। ईमेल किस सर्वर से भेजा गया, उसमें किसी प्रकार की पहचान छिपाने की तकनीक का इस्तेमाल हुआ या नहीं और उसका वास्तविक स्रोत क्या है, इसकी पड़ताल की जा रही है। जांच एजेंसियां ईमेल की डिजिटल ट्रेल, आईपी संबंधी तकनीकी जानकारी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का विश्लेषण कर रही हैं ताकि भेजने वाले तक जल्द पहुंचा जा सके।

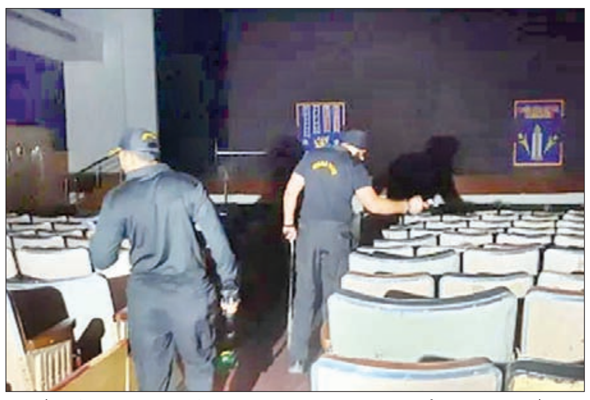

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही व्यापक तैयारियों में जुटी हुई थीं। अब इस धमकी के बाद सुरक्षा व्यवस्था की दोबारा समीक्षा की जा रही है। वीआईपी रूट, सार्वजनिक स्थानों, रेलवे स्टेशन, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य महत्वपूर्ण सरकारी भवनों पर अतिरिक्त निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी इनपुट को हल्के में नहीं लिया जाएगा और प्रत्येक सूचना का पूरी गंभीरता से सत्यापन किया जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, हाल के महीनों में पंजाब और चंडीगढ़ के कई स्कूलों को इसी तरह के धमकी भरे ईमेल मिल चुके हैं। उन मामलों में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया था, लेकिन कहीं भी कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली थी। इसके बावजूद ऐसे मामलों को केवल अफवाह मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, क्योंकि किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए समय रहते सतर्क रहना आवश्यक है।

सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध वस्तु, लावारिस बैग या संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तुरंत पुलिस या संबंधित सुरक्षा एजेंसी को सूचना दें। साथ ही सोशल मीडिया पर अपुष्ट सूचनाएं या अफवाहें साझा करने से बचें, ताकि अनावश्यक दहशत का माहौल न बने।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध में किसानों की बाइक रैली

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध और अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पंजाब के किसानों ने सोमवार को चंडीगढ़ में जोरदार प्रदर्शन किया। किसानों ने अपनी एकजुटता और विरोध दर्ज कराने के लिए बाइक रैली निकाली, जिससे शहर के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित रहा। रैली के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए चंडीगढ़ और मोहाली पुलिस ने व्यापक इंतजाम किए तथा कई मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्ट करना पड़ा।

किसानों की बाइक रैली सुबह मोहाली के फेज-8 स्थित नेचर पार्क से शुरू हुई और चंडीगढ़ के सेक्टर-34 ग्राउंड तक पहुंची। बड़ी संख्या में किसान अपने साथ बाइक लेकर आए थे। कई किसान अपनी मोटरसाइकिलों को अन्य वाहनों में लादकर रैली स्थल तक पहुंचे। रैली में शामिल किसानों ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को जल्द पूरा करने की अपील की। उनका कहना था कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का असर देश के कृषि क्षेत्र और किसानों की आय पर पड़ सकता है, इसलिए सरकार को किसानों के हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

रैली के कारण सेक्टर-42 जंक्शन, सेक्टर-35 और 43 को डिवाइडिंग रोड, किसान भवन चौक सहित कई प्रमुख मार्गों पर लंबा जाम लग गया। कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों, आम नागरिकों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी देर हुई।

न्यूज ब्रीफ

मान ने 516 कर्मचारियों को किया नियमित

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। पंजाब सरकार ने अपने 'मिशन रोजगार' अभियान के तहत वन विभाग के 516 संविदा कर्मचारियों को नियमित करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को मोहाली स्थित विकास भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों को नियमित नियुक्ति पत्र सौंपे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार लगातार कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए रोजगार से जुड़े फैसले ले रही है। नियमित किए गए सभी कर्मचारी वन विभाग में लंबे समय से सेवाएं दे रहे थे और इनमें से प्रत्येक ने करीब 20 वर्षों की सेवा पूरी की है।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि नियमित होने से उन्हें नौकरी की स्थिरता और भविष्य की सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य युवाओं और कर्मचारियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। इस मौके पर वन विभाग के अधिकारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। कर्मचारियों ने नियमित किए जाने के फैसले पर सरकार का आभार जताया।

सेक्टर-26 क्लब में एनआरआई छात्र से मारपीट

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। सेक्टर-26 स्थित एक क्लब में एनआरआई छात्र के साथ मारपीट और हंगामे का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, विदेश में पढ़ाई कर रहा छात्र अपने दोस्तों के साथ क्लब में आया था। यहां किसी बात को लेकर कुछ युवकों से उसकी कहासुनी हो गई, जो बाद में मारपीट में बदल गई। आरोप है कि युवकों ने छात्र से मारपीट की और बीच-बचाव करने पहुंचे क्लब के बाउंसरों से भी धक्का-मुक्की की। शिकायत के अनुसार, क्लब के बाहर एक आरोपी ने पिस्टल दिखाकर धमकाने की कोशिश की। हालांकि पुलिस ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में अभी यह साफ नहीं दिखा है। आरोपी बीएमडब्ल्यू कार से फरार हुए और पार्किंग में खड़े चार वाहनों को टक्कर मार दी। पुलिस ने छात्र की शिकायत पर तीन नामजद और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। नामजद आरोपियों में बलदीप सराओ, अनिकेत गुप्ता और जगदीप कंग शामिल हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के आधार पर जांच कर रही है।

बिट्टू ने फिल्म के दावों पर मांगे सबूत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म 'सतलुज' के निर्माता और निर्देशक को चुनौती दी है। उन्होंने फिल्म में दिखाए गए 25 हजार लापता लोगों के दावे को लेकर दस्तावेजी साक्ष्य और आधिकारिक रिकॉर्ड सार्वजनिक करने की मांग की है। बिट्टू ने कहा कि यदि निर्माता इस आंकड़े को प्रमाणित कर देते हैं तो वह सार्वजनिक रूप से माफी मांगेंगे, लेकिन यदि यह केवल अनुमान या आरोप पर आधारित है तो इसे इतिहास के रूप में प्रस्तुत करना गलत है। बिट्टू ने आरोप लगाया कि फिल्म में पंजाब के आतंकवाद प्रभावित दौर को एकतरफा तरीके से दिखाया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि उस समय मारे गए निर्दोष हिंदुओं, बस यात्रियों, दुकानदारों, सरकारी कर्मचारियों, मजदूरों और आम नागरिकों की पीड़ा को क्यों नहीं दिखाया गया।

657 करोड़ बैंक घोटाले में सीबीआई का खुलासा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़ । हरियाणा के 657 करोड़ रुपये के चर्चित बैंक घोटाले में सीबीआई जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक चंडीगढ़ के तत्कालीन ब्रांच मैनेजर रिभव रिषी को कथित तौर पर पूरे षड्यंत्र का मुख्य आरोपी बताया गया है। जांच के अनुसार फर्जी चेक, नकली दस्तावेज और अनधिकृत डेबिट एंट्री के जरिए सरकारी खातों से करोड़ों रुपये निकाले गए। सीबीआई ने बताया कि बैंक अधिकारियों और बाहरी लोगों की मिलीभगत से बैंकिंग सिस्टम में हेरफेर किया गया। एचपीजीसीएल समेत कई सरकारी विभागों के खातों से करीब 90 करोड़ रुपये की निकासी में अनियमितताएं मिली हैं। जांच में फर्जी एफडी, स्टेटमेंट और ब्याज प्रमाणपत्र तैयार करने की बात भी सामने आई है।

रीसेल प्लॉट खरीदार को मिली राहत, बिल्डर लौटाएगा ब्याज सहित अतिरिक्त ईडीसी राशि

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली।

मोहाली जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने एटीएस एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड और एटीएस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को बाह्य विकास शुल्क (ईडीसी) के नाम पर अधिक राशि वसूलने के मामले में बड़ा झटका देते हुए शिकायतकर्ताओं के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। आयोग ने दोनों कंपनियों को 1,65,943 रुपये 24 जून 2022 से नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित लौटाने का आदेश दिया है। इसके अलावा मानसिक प्रताड़ना और मुकदमेबाजी के खर्च के रूप में 20 हजार रुपये का अतिरिक्त भुगतान भी करने का निर्देश दिया गया है। आयोग ने अपने फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि रीसेल में संपत्ति खरीदने वाला व्यक्ति भी उपभोक्ता की श्रेणी में आता है और उसे बिल्डर के खिलाफ उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज कराने का पूरा अधिकार है।

मामले के अनुसार, शिकायतकर्ता शशि भूषण मित्तल और रेणु मित्तल ने वर्ष 2021 में डेराबस्सी स्थित एटीएस गोल्फ मेडोज-2 परियोजना में 350 वर्ग गज का प्लॉट मूल आवंटियों से खरीदा था।

आयोग ने बिल्डर की दलीलें कीं खारिज

आयोग ने कहा कि विवाद नगर परिषद द्वारा वसूले गए ईडीसी का नहीं, बल्कि बिल्डर द्वारा अधिक राशि लेकर उसे अपने पास रखने का है। इसलिए नगर परिषद को मामले में पक्षकार बनाना आवश्यक नहीं था। आयोग ने बिल्डर के उस पत्र को भी अहम साक्ष्य माना, जिसमें शिकायतकर्ताओं को नगर परिषद में 2,42,382 रुपये ईडीसी जमा कराने के निर्देश दिए गए थे। इससे स्पष्ट हुआ कि वास्तविक देय ईडीसी पहले वसूली गई राशि से काफी कम थी और 1,65,943 रुपये बिना किसी वैधानिक आधार के रोककर रखे गए। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि बिल्डर का यह कृत्य सेवा में कमी और अनुचित व्यापारिक व्यवहार की श्रेणी में आता है। इसी आधार पर आयोग ने कंपनियों को निर्देश दिया कि वे शिकायतकर्ताओं को 1,65,943 रुपये 24 जून 2022 से नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित लौटाएं। साथ ही मानसिक प्रताड़ना और मुकदमेबाजी खर्च के लिए 20 हजार रुपये का भुगतान भी करें। आयोग के इस फैसले को रीसेल में संपत्ति खरीदने वाले उपभोक्ताओं के अधिकारों की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

वेंडिंग जोनों की बदहाल स्थिति पर कमेटी करेगी जमीनी निरीक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

शहर में वेंडिंग जोन और मॉडल वेंडिंग जोन की बदहाल स्थिति को देखते हुए नगर निगम ने उनकी समीक्षा के लिए एक विशेष कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी विभिन्न सेक्टरों में जाकर वेंडिंग जोन का मौके पर निरीक्षण करेगी और उनकी वास्तविक स्थिति का आकलन करेगी। निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर तय किया जाएगा कि मौजूदा वेंडिंग जोन को विकसित किया जाए या नए स्थानों को अंतिम रूप दिया जाए।

जानकारी के अनुसार शहर के कई सेक्टरों में वेंडिंग जोन के नाम के बोर्ड तो लगाए गए हैं, लेकिन जमीन पर उनकी स्थिति बेहद खराब है। कई स्थानों पर फेंसिंग के भीतर घास-फूस और झाड़ियां उग आई हैं, जिससे वहां काम करना तो दूर, पहुंचना भी मुश्किल हो गया है। ऐसे में वेंडरों का कहना है कि यदि उन्हें इन स्थानों पर बैठाया भी जाता है तो ग्राहकों का वहां तक पहुंचना आसान नहीं होगा। विशेष रूप से सेक्टर-52 और सेक्टर-49 के वेंडिंग जोन की स्थिति काफी चिंताजनक बताई जा रही है।

नगर निगम की टाउन वेंडिंग कमेटी ने निर्णय लिया है कि 18 जुलाई को वेंडरों के लिए ड्रॉ आयोजित किया जाएगा। इस प्रक्रिया के माध्यम से पात्र वेंडरों को नई साइटें और वेंडिंग जोन आवंटित किए जाएंगे। ड्रॉ के बाद यह तय होगा कि किस वेंडर को किस स्थान पर कारोबार करने की अनुमति मिलेगी। इसके साथ ही गठित कमेटी नई प्रस्तावित साइटों का भी निरीक्षण करेगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वहां मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं और वेंडर आसानी से अपना कारोबार कर सकें।

अधिकारियों का कहना है कि निरीक्षण के दौरान सड़क संपर्क, ग्राहकों की पहुंच, साफ-सफाई, सुरक्षा, पेयजल, रोशनी और अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी मूल्यांकन किया जाएगा। यदि किसी वेंडिंग जोन में कमियां पाई जाती हैं तो उन्हें दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

एफबीआई रिपोर्ट में बिश्नोई और भगवानपुरिया गिरोहों के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का बड़ा खुलासा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

कभी एक-दूसरे के करीबी रहे गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई और जग्गू भगवानपुरिया के संगठित अपराध नेटवर्क को लेकर अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसियों की रिपोर्ट में कई गंभीर खुलासे सामने आए हैं। अमेरिका के न्याय विभाग (यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस) और एफबीआई की जांच से जुड़े दस्तावेजों के अनुसार दोनों गैंग अपने अपराधों को अंजाम देने के लिए नाबालिगों, आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं और महिलाओं का इस्तेमाल करते थे। जांच में यह भी सामने आया कि इंटरनेट मीडिया के जरिए युवाओं को पैसे, पहचान और सुरक्षा का लालच देकर गिरोह से जोड़ा जाता था तथा उन्हें हत्या, रंगदारी, मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों में लगाया जाता था।

एफबीआई के ऑपरेशन हार्ड बॉल के तहत लॉस एंजिलिस की संघीय अदालत में पेश 44 पन्नों के अभियोग पत्र में दावा किया गया है कि जग्गू भगवानपुरिया गैंग भारत के कुछ क्षेत्रों में हत्या जैसी वारदातों को अंजाम देने के लिए सदस्यों को महज 20 हजार रुपये तक का भुगतान करता था। रिपोर्ट के अनुसार गैंग कम खर्च में अपराध करवाने के लिए ऐसे युवाओं को निशाना बनाता था, जो आर्थिक तंगी से जूझ रहे हों या जल्दी पैसे कमाने की चाह रखते हों।

जांच में यह भी सामने आया कि गुजरात की साबरमती जेल में बंद लारेंस बिश्नोई का गिरोह पंजाब के गरीब इलाकों से नाबालिगों की भर्ती करता था। गिरोह को यह पता था कि यदि किशोर अपराध करते हुए पकड़े भी जाते हैं तो उन्हें अपेक्षाकृत कम सजा मिल सकती है। यही वजह थी कि नाबालिगों को गैंग में शामिल कर गंभीर अपराध करवाए जाते थे। वफादार सदस्यों को कथित तौर पर फर्जी छात्र या वर्क वीजा के जरिए अमेरिका और कनाडा भेजने की भी व्यवस्था की जाती थी। दस्तावेजों के मुताबिक बिश्नोई ने अपने नेटवर्क की जिम्मेदारियां अलग-अलग देशों में सहयोगियों को सौंप रखी थीं। उसका करीबी गोल्डी बराड़ उत्तरी अमेरिका में गतिविधियों का संचालन करता था, जबकि रोहित गोदारा यूरोप में नेटवर्क संभाल रहा था। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह गिरोह अमेरिका में कोकीन, मेथामफेटामाइन और हेरोइन की तस्करी, प्रतिद्वंद्वी गिरोहों से मादक पदार्थों की खेप लूटने और उससे होने वाली कमाई भारत तक पहुंचाने जैसे अपराधों में भी शामिल था।

दूसरी ओर, असम की सिलचर सेंट्रल जेल में बंद जग्गू भगवानपुरिया के नेटवर्क को लेकर भी कई खुलासे हुए हैं। जांच रिकॉर्ड के अनुसार उसकी सहयोगी मंदीप कौर उर्फ चीमा का इस्तेमाल अमेरिका में मादक पदार्थों की ढुलाई के लिए किया गया। इससे स्पष्ट होता है कि गैंग का नेटवर्क केवल भारत तक सीमित नहीं था, बल्कि विदेशों तक फैला हुआ था।

मोहाली पुलिस ने 63 मामलों के जब्त नशीले पदार्थ किए नष्ट

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली।

मोहाली जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मोहाली पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत दर्ज 63 मामलों में बरामद नशीले पदार्थों का कानूनी प्रक्रिया के अनुसार निस्तारण किया। यह कार्रवाई ड्रग डिस्पोजल कमेटी की निगरानी में निर्धारित नियमों और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए संपन्न कराई गई। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में नशा तस्करों के खिलाफ अभियान आगे भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा।

◆ जब्त मादक पदार्थों का सुरक्षित निस्तारण कर पुलिस ने दिया बड़ा संदेश

पुलिस के अनुसार नष्ट किए गए मादक पदार्थों में 2 किलो 98 ग्राम हेरोइन, 25 किलो 900 ग्राम पोस्त भुक्की, 21,570 नशीली गोलियां, 2,304 नशीले कैप्सूल, 39 किलो 844 ग्राम गांजा, 9 किलो 300 ग्राम चरस तथा 55 बोतल नशीला सिरप शामिल है। इन सभी नशीले पदार्थों को अदालत से आवश्यक अनुमति मिलने और सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद सुरक्षित तरीके से नष्ट किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जब्त किए गए मादक पदार्थों का समयबद्ध और सुरक्षित निस्तारण इसलिए आवश्यक है ताकि कोई भी प्रतिबंधित पदार्थ दोबारा अवैध बाजार तक न पहुंच सके। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया नशा तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

ढकोली सड़क पर पड़े बिजली के खंभों से बढ़ा हादसों का खतरा

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर

ढकोली क्षेत्र में गुलमोहर ट्रेंड्स सोसाइटी और सॉलिटेयर डिवाइन सोसाइटी के बीच स्थित सड़क पिछले करीब एक सप्ताह से लोगों के लिए परेशानी और खतरे का कारण बनी हुई है। सड़क के बीचोंबीच बिजली के खंभे पड़े होने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस लापरवाही के कारण हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है, लेकिन संबंधित विभाग अब तक इस समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा पाया है।

क्षेत्रवासियों के अनुसार सड़क पर पड़े इन खंभों के कारण चार पहिया वाहनों के निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं बची है। वाहन चालकों को सड़क के संकरे हिस्से से सावधानीपूर्वक गुजरना पड़ रहा है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि खंभों से निकली लोहे की तारें सड़क पर फैली हुई हैं, जो आसानी से दिखाई नहीं देतीं। ऐसे में वाहन जैसे ही इनके ऊपर से गुजरते हैं, तार सीधे टायरों में धंस जाती हैं और टायर फट जाते हैं।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि पिछले चार दिनों में ही सात से अधिक वाहनों के टायर फट चुके हैं। इससे वाहन मालिकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। कई बार वाहन अचानक असंतुलित होने की स्थिति भी बनी, हालांकि अब तक कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इन खंभों को नहीं हटाया गया तो भविष्य में कोई गंभीर दुर्घटना हो सकती है।

दलबीर सिंह, यशपाल, रमेश धीमान, केआर शर्मा सहित अन्य निवासियों ने बताया कि उन्हें अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि सड़क पर पड़े ये खंभे बिजली विभाग के हैं या नगर परिषद के। इस कारण जिम्मेदारी तय नहीं हो पा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार संबंधित अधिकारियों से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन किसी अधिकारी ने फोन उठाना उचित नहीं समझा। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि सड़क का यह हिस्सा दोनों सोसाइटियों के निवासियों के अलावा आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए भी प्रमुख मार्ग है। सुबह और शाम के समय यहां वाहनों की आवाजाही अधिक रहती है।

सेक्टर-39 नई मंडी निर्माण की तैयारी हुई तेज

पर्यावरण मंजूरी मिलते ही टेंडर होंगे जारी, वर्षांत तक सेक्टर-26 मंडी के स्थानांतरण की प्रक्रिया होगी शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

सेक्टर-39 में प्रस्तावित नई अनाज मंडी का लंबे समय से अटका निर्माण कार्य अब रफ्तार पकड़ता नजर आ रहा है। प्रशासन को उम्मीद है कि इस माह परियोजना को पर्यावरण मंजूरी मिल जाएगी। इसके बाद मंडी निर्माण के लिए टेंडर जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। साथ ही दूसरे चरण के तहत मंडी में विकसित किए जाने वाले प्लॉटों की नीलामी भी शुरू होगी। प्रशासन का लक्ष्य वर्ष के अंत तक सेक्टर-26 स्थित मौजूदा अनाज मंडी को चरणबद्ध तरीके से सेक्टर-39 स्थानांतरित करने की प्रक्रिया आरंभ करना है।

प्रशासन के अनुसार मंडी निर्माण की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है। इंजीनियरिंग विभाग ने भी परियोजना को स्वीकृति दे दी है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर करीब 200 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। कृषि विभाग का प्रयास है कि प्लॉटों की नीलामी से प्राप्त होने वाले राजस्व का उपयोग मंडी निर्माण में किया जाए, ताकि परियोजना के लिए अलग से ऋण लेने की आवश्यकता न पड़े।

कृषि विभाग के सचिव डी. कार्तिकेयन की अध्यक्षता में परियोजना की प्रगति की समीक्षा के लिए प्रत्येक सप्ताह बैठकें आयोजित की जा रही हैं। अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने और सभी औपचारिकताएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

नई मंडी के लिए सेक्टर-39 में करीब 75 एकड़ भूमि वर्ष 1990 में अधिग्रहित की गई थी, जिसे प्रशासन ने मंडी बोर्ड को मात्र तीन करोड़ रुपये में उपलब्ध कराया था। परियोजना के तहत आधुनिक सुविधाओं से युक्त मंडी विकसित की जाएगी। यहां दो अत्याधुनिक कोल्ड स्टोरेज, राज्य कृषि विपणन बोर्ड का कार्यालय भवन और मार्केट कमेटी का कार्यालय भी बनाया जाएगा। कार्यालय भवनों पर क्रमशः लगभग 13.50 करोड़ और 9.60 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

परियोजना की डीपीआर नेबकन कंपनी ने तैयार की है। कृषि विभाग ने निर्माण लागत कम करने का सुझाव दिया था, लेकिन विस्तृत अध्ययन के बाद कंपनी ने स्पष्ट किया कि लागत में कमी संभव नहीं है। वर्ष 2019 में इस परियोजना की अनुमानित लागत 155.79 करोड़ रुपये थी, जो निर्माण में लगातार देरी के कारण बढ़कर लगभग 185 से 200 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। प्रशासन पहले चरण में 12 प्लॉटों की नीलामी कर चुका है। अब दूसरे चरण में शेष प्लॉटों की नीलामी की जाएगी।

नई मंडी निर्माण को रफ्तार

प्रशासन का मानना है कि नई अनाज मंडी के शुरू होने से किसानों, आढ़तियों और व्यापारियों को आधुनिक एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वर्तमान सेक्टर-26 मंडी में जगह की कमी, बढ़ते यातायात दबाव और पार्किंग की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। नई मंडी में चौड़ी सड़कें, पर्याप्त पार्किंग, सुव्यवस्थित दुकानें, आधुनिक गोदाम, बेहतर जल निकासी व्यवस्था तथा डिजिटल सुविधाओं का भी प्रावधान किया जा रहा है। इससे कृषि उपज की खरीद-बिक्री अधिक व्यवस्थित और सुचारु ढंग से हो सकेगी। अधिकारियों के अनुसार परियोजना को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा ताकि निर्माण कार्य के दौरान व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित न हों। पर्यावरण मंजूरी मिलने के बाद टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण एजेंसी का चयन किया जाएगा। इसके बाद निर्धारित समयसीमा के भीतर निर्माण कार्य शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

बूलापुर में कथित बूचड़खाने का खुलासा, छह पर दर्ज किया केस

भारतेन्दु संवाददाता, अमरगढ़

थाना अमरगढ़ के अधीन आते गांव बूलापुर में कथित तौर पर अवैध पशु कटान और मांस तस्करी का मामला सामने आया है। ग्रामीणों और गांव के सरपंच की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक मकान और पशु शैड से मांस, पशुओं के अवशेष और कटान में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद करने का दावा किया है। पुलिस ने इस मामले में छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है, जिनमें से दो आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

ग्रामीणों के अनुसार, गांव निवासी अमनदीप सिंह की करीब 20 बीघा जमीन पर एक मकान और पशुओं का शैड बना हुआ है। यह जमीन पिछले करीब पांच-छह वर्षों से मोहम्मद असलम निवासी हथोआ को ठेके पर दी गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि यहां सब्जी की खेती के साथ-साथ संदिग्ध गतिविधियां भी चल रही थीं। गांव के लोगों ने बताया कि कुछ समय से उन्हें इस स्थान पर होने वाली गतिविधियों को लेकर शक था। ग्रामीणों के अनुसार, रात के समय उन्हें अंदर से कुछ काटने जैसी आवाजें सुनाई दीं। इसके बाद उन्होंने गांव के सरपंच, गणमान्य लोगों और थाना अमरगढ़ पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू की। ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस ने मौके पर मौजूद दो लोगों को पकड़ लिया, जबकि चार अन्य व्यक्ति वहां से फरार हो गए। पुलिस ने मौके से मांस, पशुओं के अवशेष, वजन करने वाला कांटा, तेजधार हथियार और अन्य सामान बरामद करने की बात कही है।

गांव के सरपंच गुरिंदरजीत सिंह गोल्डी ने बताया कि मौके से तीन गायों के सिर और मांस से भरे पैकेट मिले हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह गतिविधि लंबे समय से चल रही थी और मकान का गेट हमेशा बंद रखा जाता था, जिससे किसी बाहरी व्यक्ति को अंदर जाने की अनुमति नहीं थी।

गांव की गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष मनदीप सिंह ने कहा कि ग्रामीणों ने जमीन को लेकर प्रस्ताव पास किया है कि भविष्य में इस जमीन को किसी को ठेके पर नहीं दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जिस मकान में कथित रूप से बूचड़खाना चल रहा था, उसे हटाने की मांग की जाएगी।

मामले की जानकारी मिलने के बाद गौ रक्षा दल के प्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे और घटना की निंदा की। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

आरोपियों से पूछताछ जारी

पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है और बरामद सामान को जांच के लिए भेजा जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जाएगी।

लुधियाना में खस्ताहाल इमारतों से बढ़ा हादसों का खतरा

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। बारिश का मौसम शुरू होते ही शहर में खस्ताहाल और असुरक्षित इमारतों का खतरा बढ़ गया है। नगर निगम की ओर से इन इमारतों को लेकर कार्रवाई के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति अलग नजर आ रही है। पुराने शहर के इलाकों में कई जर्जर इमारतें लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई हैं।

◆इमारतें बनीं जानलेवा

जोन-ए के अधीन आते लक्कड़ बाजार और केसरगंज मंडी के साथ लगते इलाके में एक खस्ताहाल इमारत का हिस्सा गिर गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे सीनियर डिप्टी मेयर ने नगर निगम अधिकारियों को सड़क पर गिरे मलबे को तुरंत हटाने के निर्देश दिए। हालांकि इस घटना ने एक बार फिर शहर में असुरक्षित इमारतों की स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुराने शहर में हर साल बारिश के दौरान जर्जर इमारतों के गिरने की घटनाएं सामने आती हैं। इस साल भी इसकी शुरुआत 2 जुलाई को हो चुकी है, जब बारिश के बाद दाल बाजार के नजदीक कच्ची गली में पहले से असुरक्षित घोषित की गई इमारत का ऊपरी हिस्सा गिर गया था। इसके बाद आसपास रहने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

नगर निगम की बिल्डिंग ब्रांच के अधिकारियों के अनुसार, शिकायत मिलने या फील्ड जांच के दौरान खस्ताहाल इमारतों की पहचान की जाती है। इसके बाद बीएंडआर ब्रांच की रिपोर्ट के आधार पर इमारत को असुरक्षित घोषित किया जाता है। संबंधित मालिकों को जर्जर हिस्से को तोड़ने या इमारत खाली करने का नोटिस जारी किया जाता है। इसकी जानकारी पुलिस विभाग को भी भेजी जाती है। हालांकि, लोगों का आरोप है कि नोटिस जारी करने के बाद भी आगे की कार्रवाई नहीं की जाती। कई मामलों में नगर निगम अधिकारी मालिक और किरायेदार के बीच चल रहे विवाद या कोर्ट केस का हवाला देकर कार्रवाई से बचते नजर आते हैं।

स्टूडियो मालिक से 50 लाख फिरौती की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर

डोनी बल के नाम पर कारोबारी से 50 लाख फिरौती की मांग

बस्ती अड्डा चौक से फुटबाल चौक की ओर जाने वाली सड़क पर स्थित कर्मा फैशन स्टूडियो के मालिक से विदेश में बैठे गैंगस्टर डोनी बल के नाम पर 50 लाख रुपये की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। पैसे नहीं देने पर स्टूडियो मालिक को जान से मारने की धमकी दी गई है। घटना के बाद पुलिस ने स्टूडियो के बाहर सुरक्षा कर्मी तैनात कर दिए हैं और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, स्टूडियो मालिक शेखर कुमार को शुक्रवार शाम विदेश नंबर से कॉल आई थी। कॉल रिसीव नहीं होने पर आरोपी ने उनकी मां के नंबर पर संपर्क किया। इसके बाद खुद को डोनी बल का छोटा भाई बताने वाले एकम नामक व्यक्ति ने स्टूडियो के नंबर पर फोन कर 50 लाख रुपये देने की मांग की। आरोपी ने धमकी दी कि रकम नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। पीड़ित परिवार ने तुरंत मामले की जानकारी डीसीपी मनप्रीत सिंह ढिल्लों को दी। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब आधे घंटे के अंदर स्टूडियो के बाहर सुरक्षा व्यवस्था लगा दी। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर नंबर 71 दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि रविवार शाम करीब 7:20 बजे आरोपी ने दोबारा शेखर कुमार की मां के नंबर पर कॉल कर फिरौती की मांग दोहराई। परिवार ने फोन काटकर तुरंत पुलिस अधिकारियों को इसकी जानकारी दी।

पुलिस जांच में सामने आया है कि करीब दो साल पहले भी इसी स्टूडियो मालिक से लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर फिरौती मांगी गई थी। उस समय स्टूडियो के बाहर धमकी भरा पत्र और गोली रखी गई थी। पुलिस ने उस मामले में आरोपियों को गिरफ्तार किया था, लेकिन उनका लॉरेंस बिश्नोई से कोई संबंध नहीं मिला था। फिरौती की ताजा घटना के बाद कारोबारी वर्ग में डर का माहौल है।

हाजीपुर पंचायत ने ओवरलोड वाहनों पर लगाई रोक

भारतेन्दु संवाददाता, हाजीपुर

ब्लॉक और थाना हाजीपुर के अंतर्गत आने वाले गांव पट्टी नामनगर (बेला सरियाणा) में पंचायत ने ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त कदम उठाने का फैसला लिया है। सरपंच की अध्यक्षता में पंचायत सदस्यों और गांव के गणमान्य लोगों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें गांव की सड़कों की खराब हालत और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में पंचायत सदस्यों ने बताया कि गांव जट्ट बेली से ढाडेकटवाल और गांव कौड़ू बेला से ढाडेकटवाल को जोड़ने वाली सड़कें भारी ओवरलोड ट्रॉलियों की आवाजाही के कारण लगातार क्षतिग्रस्त हो रही हैं। ये सड़कें आबादी वाले क्षेत्रों से होकर गुजरती हैं, जहां स्कूली बसों, दोपहिया वाहनों और आम लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में भारी वाहनों के कारण कभी भी बड़ा हादसा होने का खतरा बना रहता है।

ग्रामीणों की सुरक्षा और सड़कों को बचाने के लिए पंचायत ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि अब इन मार्गों से किसी भी ओवरलोड ट्राले या ट्राली को गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि कोई वाहन चालक नियमों का उल्लंघन करता पाया गया तो मौके पर ही वाहन से अतिरिक्त सामान उतरवाया जाएगा। पंचायत ने स्कूल आने-जाने के समय को लेकर भी विशेष फैसला लिया है। इसके तहत स्कूल समय में किसी भी प्रकार के मालवाहक वाहन इन सड़कों से नहीं गुजर सकेंगे।

केवीएम स्कूल को बम धमकी से मचा हड़कंप

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना

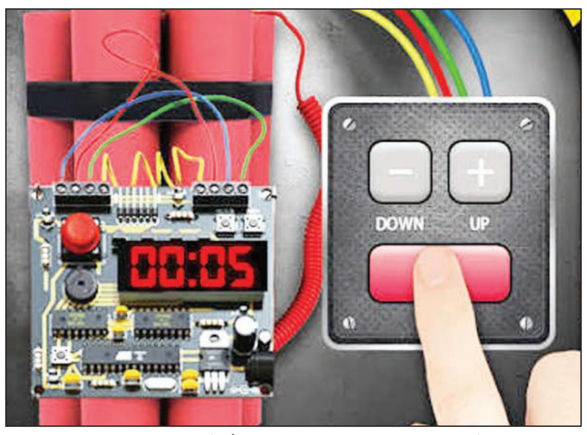

महानगर के सबसे व्यस्त और पॉश इलाके रेखी सिनेमा रोड स्थित केवीएम स्कूल में सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब किसी अज्ञात व्यक्ति ने स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी भरा संदेश भेज दिया। धमकी की सूचना मिलते ही स्कूल प्रबंधन, विद्यार्थियों और अभिभावकों में दहशत फैल गई। सुरक्षा को देखते हुए स्कूल प्रशासन ने तुरंत सभी विद्यार्थियों को सुरक्षित बाहर निकालकर छुट्टी कर दी।

जानकारी के अनुसार, सुबह स्कूल प्रबंधन को एक संदेश मिला, जिसमें स्कूल परिसर में बम रखे होने और पूरे भवन को उड़ाने की धमकी दी गई थी। संदेश मिलते ही स्कूल प्रिंसिपल और प्रबंधन ने बिना देरी किए, पुलिस को सूचना दी। किसी भी तरह का जोखिम न लेते हुए सभी कक्षाओं को खाली करवाया गया और बच्चों को स्कूल वैन व अभिभावकों के माध्यम से सुरक्षित घर भेज दिया गया।

घटना की सूचना मिलने के बाद लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस हरकत में आई। थाना डिवीजन नंबर-1 की पुलिस भारी बल, बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्तों की टीम के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्कूल परिसर को चारों तरफ से घेर लिया और सुरक्षा के मद्देनजर सभी प्रवेश और निकास द्वार बंद कर दिए गए। पुलिस टीमों ने स्कूल की हर जगह की बारीकी से जांच की। कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, खेल मैदान, छतों, शौचालयों और अन्य स्थानों पर कई घंटे तक तलाशी अभियान चलाया गया।

करीब दो से तीन घंटे तक चले इस अभियान के दौरान पुलिस को कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। जांच के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली और इसे फर्जी धमकी यानी अफवाह करार दिया। थाना डिवीजन नंबर-1 के प्रभारी इंस्पेक्टर परमवीर सिंह ने बताया कि पुलिस को स्कूल में बम होने की सूचना मिली थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए तुरंत सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई और पूरे परिसर की जांच करवाई गई। उन्होंने कहा कि स्कूल के अंदर से कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है। सभी विद्यार्थी और स्कूल स्टाफ पूरी तरह सुरक्षित हैं।

धमकी की खबर फैलने के बाद बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों को लेने स्कूल पहुंचे। इस दौरान उनके चेहरों पर चिंता और डर साफ दिखाई दे रहा था। हालांकि पुलिस कार्रवाई के बाद सभी ने राहत महसूस की। गौरतलब है कि लुधियाना में स्कूलों को इस तरह की धमकियां मिलने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी शहर के कई प्रतिष्ठित स्कूलों को बम धमकी के संदेश मिल चुके हैं।

सेक्टर-26 क्लब में एनआरआई छात्र से मारपीट पर केस दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

सेक्टर-26 स्थित एक क्लब में एनआरआई छात्र के साथ मारपीट और हंगामे का मामला सामने आया है। पुलिस ने छात्र की शिकायत के आधार पर पंजाबी गायक करण औजला के मैनेजर और करीबी समेत पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, एनआरआई छात्र अपने दोस्तों के साथ शनिवार रात सेक्टर-26 के एक क्लब में गया था। वहां किसी बात को लेकर कुछ युवकों के साथ उसकी कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और युवकों ने छात्र के साथ मारपीट शुरू कर दी।

क्लब में मौजूद बाउंसरों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन आरोप है कि आरोपियों ने उनके साथ भी धक्का-मुक्की और बहस की। इसके बाद क्लब के बाहर भी एक आरोपी ने छात्र को पिस्तौल दिखाकर धमकाने की कोशिश की। हालांकि पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज में अभी यह घटना स्पष्ट नहीं दिखाई दी है और इस पहलू की जांच की जा रही है।

घटना के बाद आरोपी बीएमडब्ल्यू कार में बैठकर मौके से फरार हो गए। भागने के दौरान उनकी कार पार्किंग में खड़ी चार अन्य गाड़ियों से टकरा गई, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने के बाद सेक्टर-26 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शिकायतकर्ता छात्र का मेडिकल करवाया, जिसमें उसके किसी भी प्रकार के नशे में होने की पुष्टि नहीं हुई।

न्यूज ब्रीफ

मोगा किसान ने जीते 50 लाख रुपए

भारतेन्दु संवाददाता, मोगा। मधुरापुरी कॉलोनी निवासी किसान चरणजीत सिंह की किस्मत उस समय चमक गई, जब पंजाब स्टेट डियर बंपर लॉटरी में उनका 50 लाख रुपये का पहला इनाम निकल आया। खुशी में सोमवार को उन्होंने प्रताप रोड स्थित गोली लॉटरी स्टॉल पर ढोल बजाकर जश्न मनाया और मिठाई बांटी। चरणजीत सिंह ने बताया कि उन्होंने रविवार को स्टॉल से 1000 रुपये का लॉटरी टिकट खरीदा था। सोमवार सुबह टिकट जांचने पहुंचे तो स्टॉल संचालक प्रदीप कुमार ने उन्हें बताया कि उनके टिकट पर 50 लाख रुपये का इनाम निकला है। यह सुनकर वहां मौजूद लोग भी खुश हो गए। स्टॉल संचालक ने बताया कि यह टिकट पहले किसी अन्य ग्राहक के लिए रखा गया था, लेकिन उसके नहीं लेने पर चरणजीत सिंह ने इसे खरीदा। किसान ने बताया कि इससे पहले भी उन्हें 20 हजार रुपये का इनाम मिल चुका है। उन्होंने कहा कि इनाम की राशि से परिवार की जरूरतें पूरी करने के साथ समाज सेवा भी करेंगे।

श्री आनंदपुर साहिब टेंट सिटी में भीषण आग

भारतेन्दु संवाददाता, आनंदपुर साहिब। श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए बनाई गई टेंट सिटी में अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आने से एसी कंप्रेसर धमाके के साथ फट गए। फायर ब्रिगेड ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन टेंट सिटी को भारी नुकसान पहुंचा।

31 जुलाई को पंजाब में रहेगा सरकारी अवकाश

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने 31 जुलाई 2026 को पूरे राज्य में सरकारी छुट्टी घोषित की है। शहीद ऊधम सिंह के शहीदी दिवस के अवसर पर यह अवकाश रहेगा। इस दिन सभी सरकारी कार्यालय, स्कूल, कॉलेज और अन्य सरकारी संस्थान बंद रहेंगे। सरकार ने छुट्टी की जानकारी सरकारी अवकाश कैलेंडर के अनुसार जारी की है।

फतेहवीर हत्याकांड को लेकर निहंगों का प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना

महानगर के व्यस्त फिरोजपुर रोड पर सोमवार सुबह उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब करीब तीन साल पुराने निहंग फतेहवीर सिंह हत्याकांड में इंसाफ की मांग को लेकर बड़ी संख्या में निहंग सिंहों ने डिप्टी कमिश्नर कार्यालय के बाहर धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क के बीच बैठकर दोनों तरफ का यातायात पूरी तरह रोक दिया, जिससे शहर की प्रमुख सड़क पर लंबा जाम लग गया।

जानकारी के अनुसार, निहंग सिंह सुबह करीब 10 बजे अपने पारंपरिक शस्त्रों के साथ फिरोजपुर रोड पर पहुंचे और धरने पर बैठ गए। सड़क बंद होने के कारण बड़ी संख्या में वाहन चालक जाम में फंस गए। कार्यालय जाने वाले लोगों, विद्यार्थियों और आम राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई किलोमीटर तक वाहनों की कतारें लग गईं।

प्रदर्शन कर रहे निहंग सिंहों ने आरोप लगाया कि करीब तीन वर्ष पहले निहंग फतेहवीर सिंह की हत्या कर दी गई थी, लेकिन अब तक मामले में पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि हत्या के मामले में नामजद आरोपी अभी भी खुलेआम घूम रहे हैं और उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे लंबे समय से पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार अधिकारियों से मिलने के बावजूद उन्हें केवल आश्वासन ही मिले और मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसी कारण मजबूर होकर उन्हें सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करना पड़ा। निहंग सिंहों ने कहा कि उनका उद्देश्य आम लोगों को परेशान करना नहीं है, लेकिन जब तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

सुबह नौ बजे कार्यालय बंद मिला, 51 में से केवल सात कर्मचारी मिले उपस्थित

बरनाला नगर निगम में हाजिरी व्यवस्था पर सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, बरनाला

नगर निगम बरनाला में कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। जनता से लगातार मिल रही शिकायतों के बाद एक जांच में सामने आया कि कार्यालय खुलने के निर्धारित समय सुबह 9 बजे भी नगर निगम की डाक शाखा का कमरा बंद था और कई अधिकारी व कर्मचारी बाहर खड़े इंतजार करते रहे।

जांच के दौरान सामने आया कि नगर निगम कार्यालय में हाजिरी रजिस्टर रखने वाली शाखा समय पर नहीं खुली। नियमों के अनुसार हाजिरी व्यवस्था संभालने वाले कर्मचारी को समय से पहले पहुंचना चाहिए, ताकि अन्य कर्मचारी निर्धारित समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज कर सकें। लेकिन मौके पर कई अधिकारी और कर्मचारी कमरे के खुलने का इंतजार करते दिखाई दिए। करीब 15 से 20 मिनट बाद जब कमरा खोला गया तो शाखा प्रभारी मौके पर मौजूद नहीं थीं। वहां मौजूद कर्मचारी ने बताया कि उन्हें फोन के माध्यम से छुट्टी की जानकारी मिली है। जब लिखित छुट्टी के बारे में पूछा गया तो जवाब मिला कि फोन पर

बायोमेट्रिक हाजिरी के बिना नगर निगम में लापरवाही

सूचना देना ही यहां की सामान्य प्रक्रिया है। इससे नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

इसके बाद हाजिरी रजिस्टर की जांच की गई तो पता चला कि नगर निगम में तैनात 51 कर्मचारियों में से सुबह सवा 9 बजे तक केवल 7 कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज थी। बाकी कर्मचारियों और अधिकारियों की मौजूदगी को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी।

जांच में यह भी सामने आया कि हाजिरी रजिस्टर में समय दर्ज करने का कोई कॉलम नहीं है। इससे यह पता लगाना मुश्किल है कि कर्मचारी वास्तव में किस समय कार्यालय पहुंचे। ऐसे में देर से आने वालों पर कार्रवाई करना भी चुनौती बन जाता है। लोगों का कहना है कि आधुनिक समय में जहां निजी संस्थानों में बायोमेट्रिक हाजिरी व्यवस्था लागू है, वहीं नगर निगम में अभी भी पुरानी व्यवस्था चल रही है।

कई कर्मचारियों की अनुपस्थिति को लेकर अतिरिक्त चार्ज और फील्ड ड्यूटी का हवाला दिया गया। हालांकि मौके पर ऐसा कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं था, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि संबंधित अधिकारी किस स्थान पर ड्यूटी कर रहे हैं।

तरनतारन में एसआई नशा तस्करी में गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने अपने ही विभाग के एक सब इंस्पेक्टर को नशा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। मामला सीमावर्ती जिले तरनतारन का है, जहां तैनात एसआई साहिब सिंह के पास से करीब 300 ग्राम हेरोइन और कथित ड्रग मनी बरामद होने का दावा किया गया है। पुलिस के अनुसार, सीआईए स्टाफ को सूचना मिली थी कि एसआई साहिब सिंह कथित तौर पर अपनी वर्दी का गलत इस्तेमाल करते हुए नशा तस्करी से जुड़ी गतिविधियों में शामिल है। सूचना के आधार पर एसपी (इन्वेस्टिगेशन) रिपुतापन सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

पुलिस टीम ने जांच के बाद कार्रवाई करते हुए तरनतारन जिले के गांव मजूपुर निवासी साहिब सिंह से जुड़े झबाल क्षेत्र के एक अहाते में छापेमारी की। यहां से हेरोइन और ड्रग मनी बरामद होने की बात कही गई है। पुलिस ने एसआई साहिब सिंह को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ शुरू कर दी है।

पिज्जा में मिला कीड़ा फूड कैफे पर कार्रवाई

भारतेन्दु संवाददाता, माछीवाड़ा साहिब

दशहरा मैदान रोड स्थित एक फूड कैफे में ग्राहक को परोसे गए पिज्जा में जिंदा कीड़ा मिलने का मामला सामने आया है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। ग्राहक ने इसकी शिकायत स्वास्थ्य विभाग को दी, जिसके बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और कैफे के खिलाफ कार्रवाई की।

गांव हेड़ी बेट निवासी विशाल ने बताया कि वह दशहरा मैदान रोड स्थित फूड कैफे में खाना खाने गया था। उसने वहां पिज्जा का ऑर्डर दिया। कुछ समय बाद जब पिज्जा तैयार होकर उसकी टेबल पर पहुंचा तो उसमें एक कीड़ा चलता हुआ दिखाई दिया। यह देखकर वह हैरान रह गया और उसने तुरंत कैफे के मैनेजर को इसकी जानकारी दी। विशाल के अनुसार, शिकायत मिलने के बाद कैफे मैनेजर ने पिज्जा बदलकर नया देने की बात कही, लेकिन उसने नया पिज्जा लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी सूचना स्थानीय स्वास्थ्य विभाग को दी गई।

सूचना मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम डॉ. दविंदर वर्मा के नेतृत्व में फूड कैफे पहुंची और पूरे मामले की जांच की। टीम ने कैफे में रखे खाद्य पदार्थों और साफ-सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। जांच के दौरान कैफे प्रबंधन से पूछताछ भी की गई। डॉ. दविंदर वर्मा ने बताया कि कैफे मैनेजर ने पिज्जा में जिंदा कीड़ा मिलने की बात स्वीकार की है। इसके बाद नियमों के अनुसार कार्रवाई की गई।

नियंत्रण 5 प्रतिशत से अधिक फीस बढ़ाने पर लेनी होगी सरकारी मंजूरी

पंजाब में निजी स्कूल फीस बढ़ोतरी पर लगी रोक

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने निजी स्कूलों की ओर से फीस में की जा रही मनमानी बढ़ोतरी को रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद निजी स्कूल फीस नियंत्रण से जुड़ा नया अध्यादेश लागू हो गया है। इसके तहत अब राज्य के गैर-सहायता प्राप्त निजी स्कूल एक शैक्षणिक सत्र में बिना अनुमति के 5 प्रतिशत से अधिक फीस नहीं बढ़ा सकेंगे।

सरकार का कहना है कि पिछले कई वर्षों से अभिभावकों की ओर से निजी स्कूलों द्वारा बार-बार फीस बढ़ाने की शिकायतें मिल रही थीं। कई अभिभावकों ने आरोप लगाया था कि स्कूल विभिन्न मदों के नाम पर अतिरिक्त शुल्क वसूल रहे हैं, जिससे परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। इन्हीं शिकायतों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने फीस वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए नए नियम लागू किए हैं। नए अध्यादेश के अनुसार यदि कोई निजी स्कूल 5 प्रतिशत से अधिक फीस बढ़ाना चाहता है तो उसे पहले सरकार द्वारा गठित कमेटी के सामने आवेदन करना होगा। स्कूल प्रबंधन को फीस बढ़ाने का स्पष्ट कारण बताना होगा और यह भी जानकारी देनी होगी कि नई सुविधाओं, विकास कार्यों या अन्य आवश्यकताओं के लिए अतिरिक्त राशि की जरूरत क्यों है।

कमेटी स्कूल की वित्तीय स्थिति, खर्चों और ऑडिट रिपोर्ट की जांच करने के बाद ही फीस बढ़ाने की अनुमति देने पर फैसला करेगी। इससे स्कूलों को बिना उचित कारण फीस बढ़ाने से रोका जा सकेगा।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि फीस नियंत्रण का नियम केवल ट्यूशन फीस तक सीमित नहीं रहेगा। स्कूलों द्वारा लिए जाने वाले अन्य अनिवार्य शुल्क भी इसमें शामिल होंगे। इनमें बिल्डिंग फंड, डेवलपमेंट फंड, वार्षिक शुल्क और अन्य जरूरी फीस शामिल हैं। इन सभी शुल्कों को मिलाकर कुल बढ़ोतरी 5 प्रतिशत की सीमा के अंदर रखनी होगी।

अधिकारियों के अनुसार नए नियमों का उद्देश्य निजी स्कूलों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाना और अभिभावकों के हितों की रक्षा करना है। सरकार का मानना है कि शिक्षा संस्थानों को बेहतर सुविधाएं देने का अधिकार है, लेकिन फीस वृद्धि का फैसला उचित प्रक्रिया और नियमों के तहत होना चाहिए।

अमृतसर में फर्जी ट्रैवल एजेंटों का बढ़ा जाल

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

विदेश भेजने के नाम पर युवाओं से ठगी करने वाले फर्जी ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ कानून होने के बावजूद अमृतसर जिले में ऐसे मामले लगातार सामने आ रहे हैं। पिछले 15 दिनों के दौरान ट्रैवल एजेंटों की धोखाधड़ी के 15 मामले पुलिस थानों में दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें एक मामला ऐसा भी सामने आया है, जिसमें ठगी के कारण परेशान होकर एक पिता ने आत्महत्या कर ली।

जानकारी के अनुसार, युवाओं को विदेश भेजने के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी रोकने के लिए पंजाब सरकार ने वर्ष 2012 में मानव तस्करी रोकथाम कानून बनाया था। बाद में इसमें संशोधन कर वर्ष 2013-14 में पंजाब ट्रैवल प्रोफेशनल रेगुलेशन एक्ट लागू किया गया। प्रशासन की ओर से पंजीकृत ट्रैवल एजेंटों की सूची भी ऑनलाइन उपलब्ध करवाई गई है, लेकिन इसके बावजूद फर्जी एजेंटों का कारोबार जारी है।

पुलिस थाना रमदास क्षेत्र में सामने आए मामले में आरोप है कि एक ट्रैवल एजेंट ने विदेश भेजने का झांसा देकर युवती के पिता से 13 लाख रुपये ठग लिए। बेटी को विदेश नहीं भेजे जाने और पैसे वापस नहीं मिलने से परेशान पिता ने आत्महत्या कर ली। इस घटना ने ट्रैवल एजेंटों की धोखाधड़ी को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अधिकारियों के अनुसार, कुछ लाइसेंस प्राप्त ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ भी ठगी के मामले दर्ज हुए हैं। इसके बाद अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय की ओर से ऐसे मामलों की जांच शुरू कर दी गई है।

पंजाब ट्रैवल प्रोफेशनल रेगुलेशन एक्ट 2014 के तहत विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाले एजेंटों के खिलाफ 7 वर्ष तक की सजा और 5 लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि कई मामलों में पीड़ित लोग कानूनी प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाते, जिसके कारण आरोपी बच निकलते हैं। जिला प्रशासन के रिकॉर्ड के अनुसार अमृतसर में करीब 1011 ट्रैवल एजेंट पंजीकृत हैं। प्रशासन की वेबसाइट पर इनके नाम, पंजीकरण नंबर और संपर्क जानकारी उपलब्ध है। इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार युवा अक्सर फर्जी एजेंटों के झांसे में आ जाते हैं।

युवाओं को नशे से बचाने के लिए परिवार और समाज को निभानी होगी सक्रिय भूमिका

देवभूमि हिमाचल प्रदेश आज जिस गंभीर सामाजिक संकट का सामना कर रहा है, उसमें नशे का बढ़ता प्रचलन सबसे चिंताजनक विषय बनकर उभरा है। कभी शांत, संस्कारित और अनुशासित समाज के लिए पहचाने जाने वाले हिमाचल में आज चरस, गांजा, अफीम, भांग, चिट्टा और अन्य केमिकल नशों का फैलता जाल युवाओं के भविष्य को निगलता जा रहा है।

यह समस्या अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि गांव-गांव तक अपनी जड़ें जमा चुकी है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि नशे की गिरफ्त में आने वालों में केवल युवक ही नहीं, बल्कि युवतियों की संख्या भी बढ़ती दिखाई दे रही है। आज अनेक माता-पिता अपने बच्चों की शिक्षा, नौकरी और करियर से पहले इस बात को लेकर चिंतित हैं कि कहीं उनका बच्चा नशे की लत का शिकार न हो जाए। क्योंकि एक बार जब कोई युवा नशे की गिरफ्त में आ जाता है, तो उसका जीवन ही नहीं बल्कि पूरा परिवार मानसिक, सामाजिक और आर्थिक संकट में घिर जाता है।

नशे का कारोबार करने वाले समाज विरोधी तत्व युवाओं की कमजोरियों का फायदा उठाकर उन्हें अपने जाल में फंसा रहे हैं। कुछ भटके हुए युवा भी बिना मेहनत और संघर्ष के जल्दी धन कमाने की लालसा में इस अवैध कारोबार का हिस्सा बन रहे हैं। कुछ समय में धनवान बनने की चाह उन्हें अपराध की दुनिया में धकेल देती है। इसका परिणाम यह होता है कि एक ओर युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो जाता है, वहीं दूसरी ओर अनेक परिवार अपने घर के चिराग खो देते हैं।

डॉ. पीसी कौंडल
गांव ददोह, डा. धावन, तहसील बल्ह
जिला मंडी (हि.प्र.)

पुलिस प्रशासन इस चुनौती से निपटने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। प्रदेशभर में नशा तस्करों के खिलाफ अभियान चलाए जा रहे हैं और बड़ी मात्रा में मादक पदार्थों की बरामदगी भी हो रही है। मंडी सहित विभिन्न जिलों में पुलिस अधिकारियों द्वारा 'चिट्टा मुक्त अभियान' को जनआंदोलन का रूप देने की कोशिश की जा रही है। स्कूलों और कॉलेजों में विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा रहा है तथा समाज से सहयोग की अपील की जा रही है।

हालांकि केवल पुलिस की कार्रवाई से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। नशे के खिलाफ लड़ाई तभी सफल होगी जब समाज का प्रत्येक वर्ग इसमें अपनी जिम्मेदारी निभाए। अभिभावकों को अपने बच्चों की गतिविधियों, मित्र मंडली और व्यवहार पर सतर्क नजर रखनी होगी। बच्चों में बचपन से ही नैतिक मूल्यों, अनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली का विकास करना आवश्यक है। साथ ही युवाओं को खेल, शिक्षा, कला और अन्य रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने की जरूरत है ताकि वे गलत संगत और नशे से दूर रह सकें। आज समाज में ऐसे अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं जहां अच्छे परिवारों और प्रतिष्ठित पदों पर कार्यरत लोगों के बच्चे भी नशे की चपेट में आ गए हैं। यह स्थिति बताती है कि नशा किसी वर्ग, जाति या आर्थिक स्थिति को नहीं देखता। इसलिए प्रत्येक परिवार को सजग रहने की आवश्यकता है।

यदि हमें अपने प्रदेश को नशामुक्त बनाना है तो केवल सरकार और पुलिस पर निर्भर रहने से काम नहीं चलेगा। नशे का कारोबार करने वाले लोगों की जानकारी समय रहते पुलिस तक पहुंचाना प्रत्येक जागरूक नागरिक का नैतिक दायित्व है। समाज को यह समझना होगा कि यह केवल किसी एक परिवार की समस्या नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के भविष्य का प्रश्न है।

आवश्यकता इस बात की है कि 'चिट्टा मुक्त हिमाचल' सिर्फ अभियान न रहकर जनांदोलन बने। जब अभिभावक, शिक्षक, सामाजिक संगठन, युवा, प्रशासन और आम नागरिक एकजुट होकर इस लड़ाई में भागीदारी निभाएंगे, तभी नशे के इस बढ़ते खतरे पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। हिमाचल की पहचान उसकी संस्कृति, सभ्यता और संस्कार हैं। इन्हें बचाने के लिए हमें मिलकर नशे के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष करना होगा, तभी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य दिया जा सकेगा।

नशे के विरुद्ध लड़ाई केवल कानून लागू करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि समाज में नशा छोड़ चुके लोगों के पुनर्वास पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है। ऐसे युवाओं को उचित परामर्श, चिकित्सा, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएँ ताकि वे दोबारा सामान्य जीवन जी सकें। यदि समाज उन्हें अपनाने के बजाय उपेक्षा करेगा तो उनके दोबारा नशे की ओर लौटने की आशंका बढ़ जाएगी। इसलिए परिवार, विद्यालय, सामाजिक संस्थाएँ और प्रशासन मिलकर ऐसा सहयोगी वातावरण तैयार करें जहाँ नशे की लत से बाहर निकलने वाला प्रत्येक व्यक्ति सम्मानपूर्वक नई शुरुआत कर सके। यही प्रयास हिमाचल प्रदेश को वास्तव में नशामुक्त और स्वस्थ समाज बनाने की दिशा में सबसे प्रभावी कदम सिद्ध होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

बच्चों को हर सुविधा दें लेकिन अच्छे संस्कारों की अमूल्य पूंजी देना कभी न भूलें

हर माता-पिता का सपना होता है कि उनके बच्चे जीवन में सुखी, सफल और सम्मानित बनें। वे चाहते हैं कि उनके बच्चों को किसी भी प्रकार की कठिनाई या अभाव का सामना न करना पड़े। आधुनिक युग में माता-पिता अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, आकर्षक खिलौने, आधुनिक तकनीकी साधन तथा जीवन की अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का हर संभव प्रयास करते हैं।

निस्संदेह ये सभी सुविधाएं बच्चों के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं, किंतु इनसे भी अधिक महत्वपूर्ण है उन्हें अच्छे संस्कार प्रदान करना। यदि बच्चों को भौतिक सुख-सुविधाएं तो मिल जाएं, परंतु संस्कार न मिलें, तो उनका व्यक्तित्व अधूरा रह जाता है। इसलिए कहा जाता है कि बच्चों को हर खुशी दें, लेकिन संस्कारों की अमूल्य पूंजी अवश्य दें। संस्कार मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति हैं। ये व्यक्ति के चरित्र, व्यवहार और व्यक्तित्व को आकार देते हैं। संस्कार ही बच्चों को सही और गलत का अंतर समझाते हैं तथा उन्हें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उचित निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करते हैं। विनम्रता, ईमानदारी, अनुशासन, सहनशीलता, करुणा, कृतज्ञता और जिम्मेदारी जैसे गुण संस्कारों के माध्यम से ही विकसित होते हैं।

सुभाष चंद कासव
राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक
कवि लेखक एवं साहित्यकार

एक संस्कारवान व्यक्ति न केवल स्वयं के जीवन को सफल बनाता है, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। इसके विपरीत यदि व्यक्ति के पास धन, शिक्षा और संसाधन तो हों, लेकिन अच्छे संस्कार न हों, तो वह समाज में सम्मान प्राप्त नहीं कर सकता। आज का युग भौतिकवाद और प्रतिस्पर्धा का युग है। बच्चों के पास आधुनिक तकनीक, मोबाइल फोन, इंटरनेट और मनोरंजन के अनेक साधन उपलब्ध हैं। माता-पिता भी अपने बच्चों की हर इच्छा पूरी करने का प्रयास करते हैं, लेकिन कई बार इस प्रक्रिया में नैतिक शिक्षा और संस्कारों की उपेक्षा हो जाती है। परिणामस्वरूप अनेक बच्चे सुविधाओं के बीच पले-बढ़े होने के बावजूद बड़ों का सम्मान करना, दूसरों की भावनाओं को समझना और सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वाह करना नहीं सीख पाते। उनमें धैर्य, सहनशीलता और संवेदनशीलता की कमी देखने को मिलती है। इसलिए आज के समय में संस्कारों का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है।

माता-पिता अक्सर बच्चों की हर इच्छा पूरी करने को अपना सबसे बड़ा कर्तव्य मानते हैं। वे उन्हें आधुनिक सुविधाएं, महंगे उपकरण और उत्तम शिक्षा प्रदान करते हैं, परंतु यदि उनके साथ अच्छे संस्कार न दिए जाएं तो ये सुविधाएं बच्चों को स्वार्थी और आत्मकेंद्रित बना सकती हैं। जीवन में वास्तविक सफलता केवल धन और संसाधनों से नहीं, बल्कि अच्छे चरित्र, विनम्रता और नैतिक मूल्यों से प्राप्त होती है। इतिहास के अनेक महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने संस्कारों, अनुशासन और सत्यनिष्ठा के बल पर महान उपलब्धियां हासिल कीं।

बच्चे अपने माता-पिता को देखकर सीखते हैं, इसलिए बड़ों को स्वयं आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए। उन्हें बड़ों का सम्मान, जिम्मेदारी, सहयोग, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व का महत्व सिखाना आवश्यक है। डिजिटल युग में, जब बच्चे मोबाइल और इंटरनेट में अधिक समय बिताते हैं, माता-पिता को उनके साथ संवाद बनाए रखना चाहिए तथा उन्हें पुस्तकों, खेलों और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना चाहिए।

निस्संदेह बच्चों को खुशियां और सुविधाएं देना आवश्यक है, किंतु संस्कारों की अमूल्य पूँजी देना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। यही संस्कार उन्हें एक श्रेष्ठ इंसान, जिम्मेदार नागरिक और सफल व्यक्तित्व बनने की दिशा प्रदान करते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

' **प्रत्येक** व्यक्ति की अच्छाई ही प्रजातंत्रीय शासन की सफलता का मूल सिद्धांत है।

-राजगोपालाचारी

संपादकीय

छोटी-छोटी बातों से बनता है बड़ा जीवन

जीवन को सफल और संतुलित बनाने के लिए केवल बड़े लक्ष्य निर्धारित करना ही पर्याप्त नहीं होता बल्कि उन छोटी-छोटी बातों पर भी ध्यान देना आवश्यक होता है जो प्रतिदिन हमारे व्यवहार आदतों और निर्णयों का हिस्सा बनती हैं। अक्सर लोग यह मान लेते हैं कि सफलता केवल बड़े अवसरों बड़े फैसलों और असाधारण उपलब्धियों से मिलती है लेकिन यदि किसी सफल व्यक्ति के जीवन को ध्यान से देखा जाए तो पता चलता है कि उसकी सफलता के पीछे रोजमर्रा की छोटी-छोटी आदतों का सबसे बड़ा योगदान होता है। समय पर उठना अपने काम को व्यवस्थित रखना लोगों से विनम्रता से बात करना अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना समय की कीमत समझना और छोटी जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाना ऐसे गुण हैं जो धीरे-धीरे व्यक्ति के व्यक्तित्व को मजबूत बनाते हैं। जीवन में अधिकांश समस्याएं अचानक नहीं आतीं बल्कि छोटी-छोटी लापरवाहियों के कारण धीरे-धीरे जन्म लेती हैं। इसी प्रकार अधिकांश सफलताएं भी किसी एक बड़े चमत्कार का परिणाम नहीं होतीं बल्कि निरंतर किए गए छोटे प्रयासों का फल होती हैं। इसलिए यदि कोई व्यक्ति वास्तव में अपने जीवन को बेहतर बनाना चाहता है तो उसे सबसे पहले अपनी छोटी आदतों और दैनिक व्यवहार पर ध्यान देना चाहिए।

दिन की शुरुआत सकारात्मक सोच के साथ करना एक छोटी सी बात लग सकती है लेकिन इसका प्रभाव पूरे दिन पर पड़ता है। सुबह जल्दी उठकर कुछ समय अपने लिए निकालना मन को शांत करता है और दिनभर के कार्यों के लिए ऊर्जा प्रदान करता है। यदि दिन की शुरुआत जल्दबाजी तनाव और अव्यवस्था से होती है तो उसका असर पूरे दिन के कामों पर दिखाई देता है। इसके विपरीत यदि व्यक्ति दिन की योजना पहले से बना ले तो उसके अधिकांश कार्य समय पर पूरे हो जाते हैं और अनावश्यक तनाव से बचा जा सकता है। समय का सही उपयोग भी जीवन की सबसे महत्वपूर्ण छोटी आदतों में से एक है। हर व्यक्ति के पास चौबीस घंटे ही होते हैं लेकिन जो लोग समय का सदुपयोग करते हैं वे अधिक सफल दिखाई देते हैं। कई बार हम कुछ मिनटों की देरी को महत्व नहीं देते लेकिन यही छोटी-छोटी देरी आगे चलकर बड़े नुकसान का कारण बन जाती है। समय पर पहुंचना समय पर उत्तर देना और समय पर निर्णय लेना व्यक्ति की विश्वसनीयता बढ़ाता है।

इसी प्रकार छोटे कार्यों को टालने की आदत भी धीरे-धीरे बड़ी समस्या बन जाती है। यदि कोई बिल जमा करना हो किसी ईमेल का उत्तर देना हो कमरे की सफाई करनी हो या किसी आवश्यक दस्तावेज को सुरक्षित रखना हो तो इन कार्यों को समय पर पूरा करना चाहिए। छोटे कार्यों को टालने से वे इकट्ठे होकर मानसिक दबाव बढ़ाते हैं और कार्यक्षमता को प्रभावित करते हैं। व्यवहार की छोटी-छोटी बातें भी जीवन में बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। एक मुस्कान एक धन्यवाद एक क्षमा याचना और एक सम्मानजनक शब्द कई रिश्तों को मजबूत बना सकता है। लोग अक्सर बड़ी उपलब्धियों को याद रखते हैं लेकिन किसी का अच्छा व्यवहार और सम्मानजनक शब्द जीवनभर याद रहते हैं। इसलिए बोलने से पहले यह सोचना चाहिए कि हमारे शब्द सामने वाले को कैसा महसूस कराएंगे। मधुर भाषा केवल दूसरों को ही नहीं बल्कि स्वयं को भी शांत और संतुलित रखती है। सुनने की आदत भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी बोलने की कला। जब हम किसी की बात ध्यान से सुनते हैं तो हम केवल उसकी समस्या ही नहीं समझते बल्कि उसके प्रति सम्मान भी प्रकट करते हैं। अच्छे संबंधों की नींव विश्वास और संवाद पर टिकी होती है और यह तभी संभव है जब हम दूसरों को भी अपनी बात कहने का अवसर दें। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी छोटी-छोटी आदतें भविष्य को प्रभावित करती हैं।

पर्याप्त पानी पीना संतुलित भोजन करना नियमित व्यायाम करना पर्याप्त नींद लेना और कुछ समय खुली हवा में बिताना ऐसी आदतें हैं जो शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखती हैं। बहुत से लोग तब तक स्वास्थ्य की ओर ध्यान नहीं देते जब तक कोई बीमारी सामने नहीं आ जाती जबकि सच यह है कि स्वस्थ जीवन की शुरुआत प्रतिदिन की छोटी सावधानियों से होती है। आर्थिक जीवन में भी छोटी-छोटी बचत और सोच-समझकर किया गया खर्च भविष्य की सुरक्षा बन जाता है। यदि व्यक्ति अपनी आय का कुछ हिस्सा नियमित रूप से बचत करे और अनावश्यक खर्चों से बचे तो कठिन समय में उसे आर्थिक संकट का सामना कम करना पड़ता है। घर और कार्यस्थल की व्यवस्था भी हमारे मानसिक संतुलन को प्रभावित करती है। बिखरा हुआ कमरा और अव्यवस्थित कार्यस्थल मन में भी अव्यवस्था पैदा करते हैं जबकि साफ और व्यवस्थित वातावरण कार्य करने की इच्छा और एकाग्रता दोनों को बढ़ाता है। आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन और सामाजिक माध्यमों का सीमित उपयोग भी एक महत्वपूर्ण आदत है। यदि हम हर कुछ मिनट बाद मोबाइल देखने लगें तो हमारी एकाग्रता कम हो जाती है और समय का बड़ा हिस्सा बिना किसी उपयोग के निकल जाता है।

इसलिए प्रतिदिन कुछ समय मोबाइल से दूर रहकर परिवार के साथ बातचीत करना पुस्तक पढ़ना या प्रकृति के बीच समय बिताना मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। जीवन में तुलना करना भी एक ऐसी आदत है जो खुशी को कम कर देती है। हर व्यक्ति की परिस्थितियां अलग होती हैं इसलिए दूसरों की उपलब्धियों से स्वयं की तुलना करने के बजाय अपनी प्रगति पर ध्यान देना अधिक उचित है। यदि आज हम कल से बेहतर हैं तो यही हमारी वास्तविक सफलता है। आभार व्यक्त करने की आदत भी जीवन को सकारात्मक बनाती है। जो व्यक्ति अपने माता-पिता गुरु मित्रों सहकर्मियों और समाज के प्रति कृतज्ञ रहता है उसके भीतर संतोष और विनम्रता बनी रहती है।

-शिवांश धाकड़

भगवान हनुमान का आदर्श जीवन सिखाता है सेवा और अटूट भक्ति का अमूल्य संदेश

सनातन धर्म में सप्ताह का प्रत्येक दिन किसी न किसी देवी या देवता को समर्पित माना गया है। मंगलवार का दिन भगवान हनुमान की आराधना के लिए सबसे शुभ माना जाता है। करोड़ों श्रद्धालु इस दिन मंदिरों में जाकर बजरंगबली के दर्शन करते हैं तथा हनुमान चालीसा सुंदरकांड और राम नाम का पाठ करते हैं। मान्यता है कि सच्ची श्रद्धा और विश्वास के साथ की गई हनुमान जी की उपासना जीवन के संकटों को दूर करती है तथा व्यक्ति को मानसिक शक्ति आत्मविश्वास और सफलता प्रदान करती है।

प्रो. मनोज डोगरा
राजकीय महाविद्यालय
बड़सर

भगवान हनुमान को शक्ति भक्ति सेवा और समर्पण का सर्वोच्च प्रतीक माना जाता है। रामायण में उन्होंने भगवान श्रीराम के प्रति अटूट निष्ठा का परिचय देते हुए अनेक कठिन कार्यों को सहजता से पूरा किया। माता सीता की खोज करना समुद्र लांघना लंका में प्रवेश करना अशोक वाटिका में सीता माता को श्रीराम का संदेश देना और संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मण के प्राणों की रक्षा करना उनके अद्भुत पराक्रम और बुद्धिमत्ता के प्रमाण हैं। इन घटनाओं से यह संदेश मिलता है कि सच्ची निष्ठा और दृढ़ संकल्प से असंभव दिखाई देने वाले कार्य भी पूरे किए जा सकते हैं।

मंगलवार के दिन व्रत रखने और हनुमान जी की पूजा करने की परंपरा सदियों पुरानी है। श्रद्धालु प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करते हैं और मंदिर में जाकर सिंदूर चमेली का तेल लाल पुष्प तथा गुड़ और चने का भोग अर्पित करते हैं। कई लोग इस दिन उपवास रखकर केवल सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ विशेष रूप से शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इनका नियमित पाठ भय चिंता और नकारात्मकता को दूर कर मन में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।

भगवान हनुमान केवल बल के प्रतीक नहीं हैं बल्कि वे ज्ञान विनम्रता और विवेक के भी आदर्श हैं। अपार शक्ति होने के बावजूद उन्होंने कभी अहंकार नहीं किया। उन्होंने

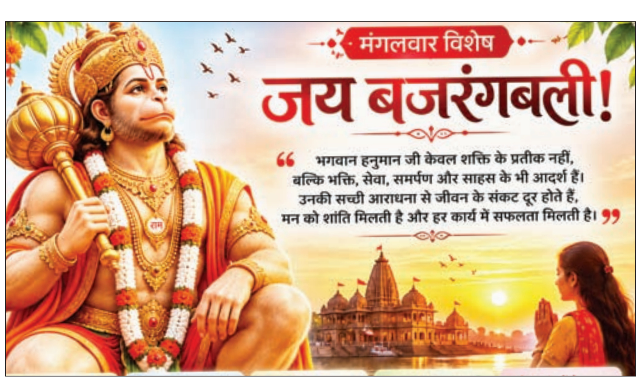

अपना पूरा जीवन भगवान श्रीराम की सेवा और धर्म की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। यही कारण है कि उन्हें आदर्श सेवक और सच्चे भक्त के रूप में पूजा जाता है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि शक्ति का उपयोग सदैव लोककल्याण और धर्म के मार्ग पर ही करना चाहिए।

आज के समय में जब लोग तनाव प्रतियोगिता और अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं तब भगवान हनुमान का चरित्र विशेष प्रेरणा देता है। उनका जीवन बताता है कि आत्मविश्वास अनुशासन परिश्रम और ईश्वर में अटूट विश्वास के बल पर हर कठिनाई का सामना किया जा सकता है। विद्यार्थी उन्हें एकाग्रता और ज्ञान के लिए याद करते हैं। युवा साहस और सफलता की कामना करते हैं। व्यापारी उन्नति और समृद्धि की प्रार्थना करते हैं जबकि परिवार सुख शांति और सुरक्षा की कामना के साथ उनकी आराधना करते हैं।

मंगलवार का दिन केवल पूजा और व्रत तक सीमित नहीं है बल्कि यह आत्मचिंतन और आत्मसुधार का भी अवसर है। यदि हम भगवान हनुमान के गुणों को अपने जीवन में अपनाएं तो समाज में प्रेम सहयोग सेवा और सद्भाव की भावना मजबूत होगी। सत्य के प्रति निष्ठा दूसरों की सहायता करने का भाव और कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने की प्रेरणा हमें हनुमान जी के जीवन से मिलती है।

देशभर के प्रसिद्ध हनुमान मंदिरों में मंगलवार को विशेष भीड़ रहती है। भक्त सुबह से ही दर्शन के लिए पहुंचते हैं और सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा तथा सुंदरकांड का पाठ करते हैं। मंदिरों में भजन कीर्तन और प्रसाद वितरण का आयोजन होता है जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बन जाता है। यह दृश्य भारतीय संस्कृति की जीवंत धार्मिक परंपराओं और सामूहिक आस्था का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करता है।

भगवान हनुमान का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना त्रेतायुग में था। वे हमें सिखाते हैं कि जीवन में सफलता पाने के लिए केवल शक्ति ही नहीं बल्कि विनम्रता सेवा समर्पण और धर्म का पालन भी आवश्यक है। मंगलवार का दिन हमें इन्हीं मूल्यों को याद करने और अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा देता है। जो व्यक्ति श्रद्धा विश्वास और सदाचार के साथ भगवान हनुमान की आराधना करता है उसके जीवन में साहस आत्मबल और सकारात्मक सोच का विकास होता है। यही कारण है कि मंगलवार को भगवान हनुमान की भक्ति भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व रखती है और यह दिन आस्था ऊर्जा तथा प्रेरणा का प्रतीक माना जाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

सूफी संगीत का चमकता नाम

कैलाश खेर

कैलाश खेर का जन्म 14 जुलाई 1973 को उत्तर प्रदेश के मेरठ में हुआ। वे भारतीय संगीत जगत के ऐसे प्रसिद्ध गायक हैं जिन्होंने अपनी विशिष्ट सूफी शैली और दमदार आवाज के दम पर देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। बचपन से ही उनका रुझान संगीत की ओर था। उनके पिता पारंपरिक लोक संगीत से जुड़े थे जिसके कारण उन्हें संगीत का वातावरण घर से ही मिला। प्रारंभिक जीवन में उन्हें अनेक कठिनाइयों और आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने कभी अपने सपनों का साथ नहीं छोड़ा। संघर्ष के दिनों में उन्होंने छोटे-मोटे कार्य भी किए और संगीत सीखने तथा स्वयं को निखारने का प्रयास जारी रखा।

कैलाश खेर ने अपने गायन करियर की शुरुआत विज्ञापनों के लिए जिंगल गाकर की। इसके बाद फिल्मी दुनिया में उन्हें पहला बड़ा अवसर मिला और उन्होंने अपनी अनोखी आवाज से श्रोताओं का दिल जीत लिया। उनका प्रसिद्ध गीत अल्लाह के बंदे आज भी लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय है। इसके बाद तेरी दीवानी और सैयाँ जैसे गीतों ने उन्हें भारतीय संगीत जगत के शीर्ष गायकों की श्रेणी में पहुंचा दिया।

कविता

मेहनत का फल

राकेश शास्त्री
शिक्षक, जवाली, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

मेहनत से उठा हूं मैं, मेहनत का दर्द जानता हूं।
आसमां से ज्यादा जमीन की कदर जानता हूं।
छोटे से बड़ा बनना आसान नहीं होता।
कितना जरूरी है धैर्य सब जानता हूं।
मेहनत से किस्मत बदल जाएगी।
हाथों में पड़े छालों का असर जानता हूं।
बेवजह बेहिसाब मुस्कराता हूं,
आधे दुश्मनों को यूं ही हरा देता हूं।
बहुत कुछ पाया है जीवन में।
सब मिट्टी में मिल जाएगा सब जानता हूं।

भारत छोड़ो आंदोलन से पहले राष्ट्रव्यापी जनसंगठन ने स्वतंत्रता संग्राम को दी नई दिशा

सन् 1942 भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास का एक अत्यंत महत्वपूर्ण वर्ष था। यह वह समय था जब पूरे देश में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध असंतोष अपने चरम पर पहुंच चुका था और स्वतंत्रता प्राप्ति की आकांक्षा जन जन के मन में गहराई से स्थापित हो चुकी थी। इस वर्ष देशभर में ऐसे अनेक राजनीतिक और सामाजिक घटनाक्रम हुए जिन्होंने आगे चलकर अगस्त क्रांति अर्थात भारत छोड़ो आंदोलन की मजबूत आधारशिला तैयार की। जुलाई 1942 तक कांग्रेस संगठन अपने कार्यकर्ताओं को संगठित करने जनसभाओं के माध्यम से जनता को जागरूक करने और ब्रिटिश शासन के विरुद्ध व्यापक जनआंदोलन की रणनीति बनाने में जुट चुका था। गांवों शहरों विद्यार्थियों किसानों मजदूरों महिलाओं और युवाओं में स्वतंत्रता के प्रति अभूतपूर्व उत्साह दिखाई देने लगा था।

केशव शर्मा
स्वतंत्र लेखक, गांव कोटला, घुमारवीं, जिला बिलासपुर

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश सरकार ने भारत को बिना भारतीय नेताओं की सहमति के युद्ध में शामिल कर दिया था। इस निर्णय ने भारतीय जनता और राजनीतिक नेतृत्व में गहरा असंतोष पैदा किया। भारतीय नेताओं का मानना था कि यदि भारत युद्ध में सहयोग करे तो बदले में उसे स्वतंत्रता या कम से कम स्वशासन का स्पष्ट आश्वासन मिलना चाहिए। लेकिन ब्रिटिश सरकार इस विषय में कोई ठोस वचन देने को तैयार नहीं थी। परिणामस्वरूप देश में यह भावना मजबूत होने लगी कि अब केवल आंदोलन के माध्यम से ही स्वतंत्रता प्राप्त की जा सकती है।

1942 की शुरुआत में ब्रिटिश सरकार ने भारत में राजनीतिक संकट को दूर करने के उद्देश्य से क्रिप्स मिशन भेजा। इस मिशन का नेतृत्व सर स्टैफर्ड क्रिप्स ने किया। मिशन का उद्देश्य भारतीय नेताओं को युद्ध में सहयोग के लिए तैयार करना था। क्रिप्स ने युद्ध समाप्त होने के बाद भारत को कुछ संवैधानिक अधिकार देने का प्रस्ताव रखा लेकिन तत्काल सत्ता हस्तांतरण या पूर्ण स्वतंत्रता का कोई आश्वासन नहीं दिया गया। कांग्रेस और अन्य प्रमुख दलों ने इन प्रस्तावों को अपर्याप्त और निराशाजनक माना। मिशन की असफलता ने यह स्पष्ट कर दिया कि ब्रिटिश सरकार भारत को तत्काल स्वतंत्रता देने के पक्ष में नहीं है।

क्रिप्स मिशन की विफलता के बाद महात्मा गांधी का दृष्टिकोण और अधिक स्पष्ट हो गया। उन्होंने यह अनुभव किया कि अब ब्रिटिश शासन के साथ समझौते की संभावनाएं लगभग समाप्त हो चुकी हैं। गांधी जी का विश्वास था कि यदि भारत स्वतंत्र होगा तभी वह अपने भविष्य का निर्णय स्वयं कर सकेगा। उन्होंने देशवासियों से आत्मविश्वास बनाए रखने और अहिंसक जनशक्ति के माध्यम से विदेशी शासन का शांतिपूर्ण लेकिन दृढ़ विरोध करने का आह्वान किया। उनके विचारों ने लाखों लोगों में नई ऊर्जा और आत्मबल का संचार किया।

इस समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भी व्यापक स्तर पर आंदोलन की तैयारी प्रारंभ कर दी। प्रांतीय और जिला स्तर पर बैठकों का आयोजन किया जाने लगा। कार्यकर्ताओं को अनुशासन संगठन और जनसंपर्क का प्रशिक्षण दिया गया। गांव गांव जाकर लोगों को स्वतंत्रता के महत्व के बारे में बताया गया। जनता को यह समझाया गया कि स्वतंत्र भारत ही सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेगा। कांग्रेस के स्वयंसेवक लोगों को शांतिपूर्ण आंदोलन की भावना से जोड़ने में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे।

देश के विद्यार्थी इस दौर में आंदोलन की सबसे सक्रिय शक्ति बनकर उभरे। विद्यालयों और महाविद्यालयों में स्वतंत्रता संबंधी चर्चाएं होने लगीं। युवा पीढ़ी देश के भविष्य को लेकर अत्यंत उत्साहित थी। अनेक छात्र संगठन राष्ट्रीय नेताओं के संपर्क में थे और स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भागीदारी के लिए तैयार हो रहे थे। युवाओं ने पर्चे

बांटने सभाओं का आयोजन करने और जनजागरण अभियान चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आगे चलकर यही युवा अगस्त क्रांति के दौरान आंदोलन की अग्रिम पंक्ति में दिखाई दिए।

किसानों और मजदूरों में भी ब्रिटिश शासन के प्रति असंतोष बढ़ रहा था। युद्धकालीन आर्थिक नीतियों के कारण महंगाई तेजी से बढ़ी थी। आवश्यक वस्तुओं की कमी और बढ़ती कीमतों ने सामान्य जनता का जीवन कठिन बना दिया था। किसानों को उचित मूल्य नहीं मिल रहा था जबकि मजदूरों को भी आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इन परिस्थितियों ने उन्हें स्वतंत्रता आंदोलन के साथ जोड़ने का कार्य किया। लोगों को विश्वास होने लगा कि विदेशी शासन समाप्त होने पर ही उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान संभव होगा।

महिलाओं की भागीदारी भी इस समय उल्लेखनीय रही। अनेक महिला संगठनों ने राष्ट्रीय आंदोलन का समर्थन किया। महिलाओं ने जनसभाओं में भाग लिया लोगों को जागरूक किया और स्वतंत्रता के संदेश को घर घर तक पहुंचाया। अनेक स्थानों पर महिलाओं ने स्वयंसेवी दलों का गठन किया और आंदोलन की तैयारियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस दौर में महिलाओं की सक्रियता ने यह सिद्ध किया कि स्वतंत्रता संग्राम केवल पुरुषों का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का आंदोलन था।

देश के विभिन्न प्रांतों में जनसभाओं और राजनीतिक बैठकों का सिलसिला लगातार बढ़ रहा था। नेताओं ने लोगों से जाति धर्म भाषा और क्षेत्रीय भेदभाव से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकता बनाए रखने का आह्वान किया। स्वतंत्रता आंदोलन का उद्देश्य केवल राजनीतिक आजादी प्राप्त करना नहीं था बल्कि एक ऐसे भारत का निर्माण करना था जहां सभी नागरिक समान अधिकारों के साथ सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। यही भावना जनमानस में गहराई से स्थापित होती गई।

ब्रिटिश सरकार इन तैयारियों पर लगातार नजर रखे हुए थी। प्रशासन ने कई स्थानों पर सभाओं पर प्रतिबंध लगाए और राष्ट्रीय नेताओं की गतिविधियों की निगरानी बढ़ा दी। अनेक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया और राजनीतिक गतिविधियों पर नियंत्रण लगाने का प्रयास किया गया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

मुड़िया पूर्णिमा मेले के लिए रोडवेज तैयार
1200 अतिरिक्त बसों का होगा संचालन

एजेंसी, आगरा

उत्तर प्रदेश की कृष्ण नगरी मथुरा जिले के गोवर्धन में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 23 जुलाई से 30 जुलाई तक राजकीय गोवर्धन मुड़िया पूर्णिमा मेले का आयोजन प्रस्तावित है। इस मेले में लाखों लोगों के भाग लेने की संभावना को देखते हुए श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा आगरा रीजन की 250 बसों सहित 1200 अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की जा रही है। इस बाबत रोडवेज ने अपनी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं।

भगवान श्री कृष्ण से जुड़ी कई लीलाओं में से एक गोवर्धन पर्वत को अपनी ऊँगली पर उठाने की लीला के प्रति आस्था से वशीभूत श्रद्धालुओं का जन सैलाब वर्ष भर गोवर्धन पर्वत की सप्त कोसीय परिक्रमा करता है, लेकिन मुड़िया पूर्णिमा के विशेष अवसर पर गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं में अपार आस्था के चलते लाखों लाखों की संख्या में श्रद्धालु गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा करने पहुंचते हैं। गोवर्धन (मथुरा) में लगने वाला प्रसिद्ध 'मुड़िया पूर्णिमा' मेला हिन्दू पंचांग के आषाढ़ माह में पूर्णिमा तिथि को आयोजित किया जाता है।

यह मेला आषाढ़ माह की नवमी से शुरू होकर पूर्णिमा तक कुल सात दिनों तक चलता है। इसे भी 'मुड़िया पूनो' कहा जाता है। पर्व के दौरान 29 जुलाई को पूर्णिमा के दिन विशेष पूजा अर्चना की जायगी। गोवर्धन की सात कोसीय परंपरा के बाद श्रद्धालु और भक्तगण गोवर्धन के बाद बरसाना, वृन्दावन, नंदगांव,गोकुल, मथुरा सहित सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों और यमुना घाटों पर बड़ी संख्या में पहुंचते हैं।

इस अवसर पर मथुरा में अपार भीड़ मौजूद रहती है। इन सात दिनों मथुरा प्रशासन के सामने भीड़ नियंत्रण सबसे बड़ी चुनौती होती है। भीड़ नियंत्रण के साथ–साथ श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए भी अतिरिक्त व्यवस्थाओं का प्रबंध करना होता है। उत्तर प्रदेश रोडवेज और रेलवे द्वारा भी इस अवसर पर आवा गमन के लिए अतिरिक्त सेवाएं संचालित की जाती हैं।

उत्तर प्रदेश में सड़क नेटवर्क को मजबूत करने के लिए हुई समीक्षा बैठक
4850 करोड़ रुपए की तीन राष्ट्रीय परियोजनाओं का होगा शुभारंभ

समीक्षा बैठक में सड़क परियोजनाओं की प्रगति पर हुई चर्चा, अधिकारियों को गुणवत्ता और समय सीमा का पालन करने के निर्देश

एजेंसी, कानपुर

उत्तर प्रदेश में सड़क बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने तथा राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के उद्देश्य से सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक मुख्यमंत्री आवास 5–कालिदास मार्ग लखनऊ में आयोजित हुई।

इसमें प्रदेश में चल रही विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति, निर्माण कार्यों की स्थिति और आगामी योजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री को प्रदेश में निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में कई महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है, जिससे आने वाले समय में लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार केंद्र सरकार के सहयोग से सड़क नेटवर्क को लगातार मजबूत कर रही है। बेहतर सड़क संपर्क से आम लोगों को सुविधा मिलने के साथ साथ उद्योग, व्यापार और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि मजबूत सड़क व्यवस्था प्रदेश के आर्थिक विकास

का आधार है और सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक क्षेत्र को बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में गुणवत्ता और समय सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और परियोजनाओं को निर्धारित समय में पूरा कर जनता को उनका लाभ पहुंचाया जाए।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी प्रदेश में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं को तेजी से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क व्यवस्था किसी भी राज्य के विकास में अहम भूमिका निभाती है। राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार से प्रदेश के विभिन्न शहरों के बीच संपर्क आसान होगा और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

बैठक के दौरान लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेस–वे परियोजना पर भी चर्चा हुई। उल्लेखनीय है कि सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेस–वे का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही चार हजार 850 करोड़ रुपये लागत वाली तीन राष्ट्रीय परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया जाएगा। इन परियोजनाओं के पूरा होने से प्रदेश में आवागमन आसान होगा और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

कमरे से बाहर नहीं आए शिक्षक, दरवाजा खोलने पर फंदे से लटका मिला शव

एजेंसी, बाराबंकी। बाराबंकी के रामनगर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक सरकारी सहायक अध्यापक का शव घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान 32 वर्षीय सुभाषकर तिवारी के रूप में हुई, जो बहराइच जिले के जरवल विकासखंड स्थित परिषदीय विद्यालय में तैनात थे। परिजनों के अनुसार, सुबह काफी देर तक कमरा नहीं खुलने पर दरवाजा तोड़ा गया, जहां शिक्षक फंदे से लटके मिले। उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है। मृतक के परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं।

जनता दर्शन में योगी सख्त, अवैध कब्जे और धमकी मामलों पर कार्रवाई के निर्देश

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन में प्रदेशभर से आए लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनके जल्द समाधान के निर्देश दिए। अवैध कब्जे और धमकी से जुड़े मामलों पर उन्होंने सख्त रुख अपनाते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराधियों के लिए प्रदेश में कोई स्थान नहीं है। जनता दर्शन में गाजियाबाद, मेरठ और नोएडा से जुड़े एक बिल्डर के खिलाफ शिकायत भी पहुंची। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि एक ही फ्लैट कई लोगों को बेचा गया। मुख्यमंत्री ने मामले की गंभीरता से जांच कर दोषी पाए जाने पर बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई और पीड़ितों को न्याय दिलाने के निर्देश दिए।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचायें कार्यकर्ता : पंकज चौधरी

एजेंसी, बहराइच। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के प्रथम आगमन पर जिले में कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। कैसरगंज से पयागपुर तक कई स्थानों पर फूल-मालाओं, पुष्पवर्षा और नारों के बीच उनका अभिनंदन किया गया। पंकज चौधरी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी की सबसे बड़ी ताकत समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और सरकार की योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। पयागपुर में विधायक सुभाष त्रिपाठी सहित कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में भाजपा के कई पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पयागपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 16 किलो गांजा के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, बहराइच। पयागपुर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 16 किलो अवैध गांजा बरामद कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष दीपक सिंह के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग गांजे की खेप लेकर सप्लाई के लिए जा रहे हैं। इसके बाद निबहिा मनकापुर मोड़ के पास घेराबंदी कर संदिग्धों को पकड़ा गया। तलाशी में चारों के पास से कुल 16 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को मिली नई ताकत जिलों में संभाले जा रहे हाई रिस्क केस

एजेंसी, लखनऊ। योगी सरकार की पहल से प्रदेश में मातृ मृत्यु दर कम करने के लिए जिला स्तर के डॉक्टरों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हैंड ऑन ट्रेनिंग के बाद डॉक्टर अब गंभीर गर्भावस्था मामलों को संभालने में अधिक सक्षम हो रहे हैं और कम मरीजों को रेफर करना पड़ रहा है। केजीएमयू और एम्स से जुड़े आठ जिलों के चिकित्सकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। सीतापुर महिला अस्पताल के प्रशिक्षित डॉक्टरों ने तीन महीने में 2218 सुरक्षित प्रसव कराए। अधिकारियों के अनुसार प्रशिक्षण से डॉक्टरों का आत्मविश्वास बढ़ा है और जच्चा बच्चा की सुरक्षा बेहतर हुई है।

बीएचयू में स्पेक्ट्रोस्कोपी पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

एजेंसी, वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विज्ञान संस्थान के भौतिकी विभाग में स्पेक्ट्रोस्कोपी पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। एक वर्ष के इस पाठ्यक्रम की कक्षाएं शाम के समय संचालित होंगी। इसमें विद्यार्थियों को स्पेक्ट्रोस्कोपी की विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी विभाग के स्पेक्ट्रोस्कोपी अनुभाग से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त 2026 तय की गई है। अधिक जानकारी के लिए विद्यार्थी विभाग से संपर्क कर सकते हैं।

पुलिस और गोकशों के बीच मुठभेड़, एक बदमाश के पैर में लगी गोली, दूसरा फरार

एजेंसी, बिजनौर। नजीबाबाद क्षेत्र में पुलिस और गोकशों के बीच मुठभेड़ में एक आरोपी घायल हो गया। पुलिस की गोली लगने से घायल हुए फुरकान अब्बास उर्फ डोला को गिरफ्तार कर अस्पताल भेजा गया। उसका साथी शाहरुख फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के पास से तमंचा, कारतूस, गोकशी के उपकरण और बाइक बरामद की है। फरार आरोपी की तलाश जारी है।

बाराबंकी में नीम के पेड़ से लटका मिला 35 वर्षीय युवक का शव

एजेंसी, बाराबंकी। कोठी थाना क्षेत्र के असदामऊ गांव में सोमवार सुबह 35 वर्षीय युवक का शव नीम के पेड़ से फंदे पर लटका मिला। मृतक की पहचान लवलेश यादव के रूप में हुई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजन घटना के कारणों से अनजान हैं। पुलिस प्रथम दृष्टया आत्महत्या मानकर जांच कर रही है। मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्पष्ट होगी।

टीबी के सबसे ज्यादा मरीजों वाला यूपी नियंत्रण में देश के शीर्ष छह राज्यों में शामिल

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में देश के सबसे अधिक टीबी (क्षय रोग) मरीज होने के बावजूद अब बीमारी पर नियंत्रण की दिशा में लगातार सुधार देखने को मिल रहा है। समय पर पहचान, जांच, इलाज और मरीजों को पोषण सहायता उपलब्ध कराने जैसे प्रयासों के चलते उत्तर प्रदेश टीबी नियंत्रण के मामले में देश के शीर्ष छह राज्यों में शामिल हो गया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश में करीब पांच लाख टीबी मरीज थे। वर्ष 2023 में यह संख्या बढ़कर 6.24 लाख और 2024 में 6.73 लाख से अधिक पहुंच गई। इसके बाद मरीजों की पहचान और उपचार व्यवस्था को तेज किया गया, जिससे संख्या में कमी आने लगी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, सात दिसंबर 2024 से 19 अक्टूबर 2025 के बीच उच्च जोखिम वाले 2.38 करोड़ लोगों की जांच की गई। इसमें 5.14 लाख लोगों में टीबी की पुष्टि हुई। राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. ऋषि कुमार सक्सेना ने बताया कि इस वर्ष 24 मार्च से 3 जुलाई के पहले सप्ताह तक 31 लाख से अधिक लोगों की टीबी जांच कराई गई। इसके लिए 25,821 आयुष्मान आरोग्य शिविर लगाए गए और हजारों गांवों व वार्डों में विशेष अभियान चलाया गया।

उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य भी बन गया है, जहां अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय हवाई अड्डों पर यात्रियों की टीबी जांच की जा रही है। लखनऊ, जेवर, वाराणसी और गोरखपुर हवाई अड्डों पर हैंड हेल्ड एक्स–रे मशीनों के माध्यम से जांच की गई है। टीबी उन्मूलन अभियान में जनप्रतिनिधियों और आम लोगों को भी जोड़ा गया है। राज्यपाल, मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री सहित कई जनप्रतिनिधियों ने अभियान में भाग लिया। स्कूलों और महाविद्यालयों के छात्रों को भी जागरूकता कार्यक्रमों से जोड़ा गया।

मरीजों को पोषण और सामाजिक सहायता देने के लिए निक्षय मित्र योजना के तहत अब तक 2.06 लाख से अधिक पोषण किट वितरित की जा चुकी हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि टीबी का इलाज पूरी तरह संभव है, लेकिन मरीजों को डॉक्टर की सलाह के अनुसार छह महीने तक नियमित दवा लेना जरूरी है। क्षय रोग विशेषज्ञों के अनुसार, टीबी शरीर के फेफड़ों के अलावा अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकती है। इलाज में लापरवाही करने पर बीमारी गंभीर रूप ले सकती है और दवाओं का असर कम हो सकता है। इसलिए समय पर जांच और पूरा उपचार ही टीबी को खत्म करने का सबसे प्रभावी तरीका है।

गाजियाबाद में साइड के लिए बाइक का हॉर्न बजाने के विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या

एजेंसी,गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की रतिराम कॉलोनी में बाइक का हॉर्न बजाने को लेकर हुए विवाद के बाद एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना में युवक का भाई भी घायल हुआ है। वारदात के बाद आरोपी परिवार सहित फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार, रतिराम कॉलोनी निवासी विपिन कुमार (22) पेंट के ब्रश बनाने वाले कारखाने में काम करता था। रविवार देर रात वह अपने भाई के साथ बाइक पर सवार होकर घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में सोनू अपने परिवार के कुछ सदस्यों के साथ खड़ा था। बताया जा रहा है कि रास्ते में जगह कम होने के कारण विपिन ने साइड मांगने के लिए बाइक का हॉर्न बजाया। लगातार हॉर्न बजाने को लेकर विपिन और सोनू के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर सोनू के परिवार के अन्य सदस्य भी मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि सभी लोगों ने मिलकर विपिन और उसके भाई के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान सोनू ने कथित तौर पर हथियार निकालकर विपिन पर गोली चला दी। गोली विपिन की कमर में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद दोनों भाइयों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने विपिन को मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि शिकायत के आधार पर सोनू, उसके पिता और सोनू की पत्नी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन किया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि घटना से जुड़े सभी तथ्यों की पुष्टि की जा सके।

पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, युवक की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। पुलिस के अनुसार घटना के पीछे मामूली विवाद बताया जा रहा है, लेकिन आरोप है कि कहासुनी के बाद मामला इतना बढ़ गया कि आरोपी ने युवक पर गोली चला दी। अचानक हुई इस वारदात से कॉलोनी में दहशत का माहौल बन गया है। मृतक विपिन के परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

देवरिया में बिजली कटौती के विरोध में सपा का प्रदर्शन
48 घंटे में आपूर्ति बहाल नहीं हुई तो करेंगे भूख हड़ताल

एजेंसी, देवरिया

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में बिजली संकट को लेकर समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया। बरहज तहसील परिसर में आयोजित प्रदर्शन में सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने लालटेन और हाथ वाले पंखे लेकर पहुंचकर प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन का नेतृत्व सपा नेता विजय रावत ने किया।

◆ बिजली संकट के विरोध में लालटेन और पंखे लेकर तहसील पहुंचे सपा कार्यकर्ता

प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार बरहज को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से क्षेत्र में बिगड़ी विद्युत व्यवस्था को जल्द सुधारने की मांग की गई। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि बरहज नगर सहित ग्रामीण इलाकों में लगातार बिजली कटौती से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सपा नेता विजय रावत ने कहा कि पिछले 48 घंटे से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित है। भीषण गर्मी और उमस के बीच बिजली संकट ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उन्होंने कहा कि बिजली कटौती के कारण घरों में रहने वाले लोगों के साथ–साथ व्यापारी, किसान और नौजवान भी परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि समस्या की जानकारी होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि इसका स्थायी समाधान नहीं कर पा रहे हैं।

उन्होंने सरकार से मांग की कि बिजली आपूर्ति व्यवस्था को तत्काल सामान्य किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाए और विद्युत विभाग से नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यदि बिजली व्यवस्था में जल्द सुधार नहीं हुआ तो पार्टी आगे भी आंदोलन करने को मजबूर होगी। इस अवसर पर विकास यादव, अमित प्रधान, अजीत प्रसाद, राहुल सिंह, संजय सिंह, रामपाल चौहान, पट्टू यादव, छोटे लाल यादव, वीरेंद्र कुमार, राकेश राजभर सहित बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

उच्चतम न्यायालय की पहल को प्रतिवादी मुस्लिम पक्ष ने नकारा, मध्यस्थता बैठक में नहीं होंगे शामिल

एजेंसी, वाराणसी

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ज्ञानवापी मस्जिद विवाद के समाधान को लेकर उच्चतम न्यायालय की पहल के तहत 14 जुलाई को प्रस्तावित मध्यस्थता बैठक से प्रतिवादी मुस्लिम पक्ष ने दूरी बना ली है। अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने स्पष्ट किया है कि वह इस बैठक में शामिल नहीं होगी। कमेटी के संयुक्त सचिव एसएम यासीन ने पत्र जारी कर कहा कि उच्चतम न्यायालय की ओर से विशेष लोक अदालत और मध्यस्थता के जरिए विवादों के समाधान के लिए दिया गया आमंत्रण अनिवार्य नहीं है।

उन्होंने कहा कि कमेटी ने विचार विमर्श के बाद सर्वसम्मति से बैठक में शामिल नहीं होने का निर्णय लिया है। यह मध्यस्थता बैठक मंगलवार को वाराणसी के जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर स्थित मध्यस्थता केंद्र में प्रस्तावित है। इसमें ज्ञानवापी

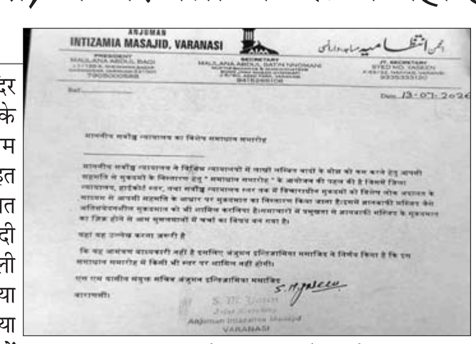

ANJUMAN INTIZAMIA MASAJID, VARANASI

से जुड़े मामलों के पक्षकारों और उनके अधिवक्ताओं को आमंत्रित किया गया है। बैठक केंद्र प्रभारी न्यायाधीश की अध्यक्षता में होगी, जबकि इसकी निगरानी जिला जज भी कर सकते हैं।

मुस्लिम पक्ष का कहना है कि मध्यस्थता प्रक्रिया स्वैच्छिक है और किसी भी पक्ष पर इसमें शामिल होने की बाध्यता नहीं है। इसी आधार पर कमेटी ने बैठक से दूर रहने का फैसला किया है। वहीं, हिंदू पक्ष से जुड़े वादी और अधिवक्ताओं ने कहा कि यह मामला वर्ष 2022 से उच्चतम न्यायालय में लंबित है। न्यायालय ने दोनों पक्षों को आपसी बातचीत के जरिए समाधान तलाशने का अवसर दिया है। यदि मध्यस्थता से कोई सहमति नहीं बनती है तो मामले की सुनवाई न्यायालय में जारी रहेगी। ज्ञानवापी प्रकरण से जुड़े अधिवक्ताओं के अनुसार, सभी पक्षों को नोटिस जारी कर मध्यस्थता प्रक्रिया में शामिल होने के लिए कहा गया था।

हिंदू पक्ष का कहना है कि विवादित स्थल से जुड़े मामलों का समाधान बातचीत या न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से होना चाहिए। उच्चतम न्यायालय की इस पहल को लंबे समय से चल रहे विवाद के समाधान की दिशा में एक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। अब आगे की कार्यवाही मध्यस्थता बैठक और दोनों पक्षों के रुख पर निर्भर करेगी। मध्यस्थता बैठक में मुस्लिम पक्ष की गैरमौजूदगी से मामले में नया मोड़ आ गया है।

विकास | सड़क, नाली, पेयजल और आंगनबाड़ी विकास कार्यों को मिलेगी प्राथमिकता

हलिया ब्लॉक की क्षेत्र पंचायत बैठक में 3.57 करोड़ का बजट पास

एजेंसी, मीरजापुर

हलिया ब्लॉक सभागार में सोमवार को क्षेत्र पंचायत की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख श्रीमती देवी ने की। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए पंचम राज्य वित्त आयोग और केंद्रीय वित्त आयोग से मिलने वाली धनराशि के उपयोग को लेकर चर्चा की गई। सदन में सर्वसम्मति से कुल 3 करोड़ 57 लाख रुपये का बजट पारित किया गया। इस बजट से क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगे।

बैठक की शुरुआत में खंड विकास अधिकारी विमल प्रकाश पाण्डेय ने पिछली बैठक की कार्यवाही और आय–व्यय का पूरा विवरण सदन के सामने प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि स्वीकृत बजट का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए किया जाएगा। इसके तहत सीसी रोड निर्माण, नाली

निर्माण, खड़ंजा निर्माण, पेयजल व्यवस्था में सुधार, सामुदायिक भवनों की मरम्मत, स्ट्रीट लाइट लगाने, आंगनबाड़ी केंद्रों के कायाकल्प और स्वच्छता से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

बैठक में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि धनंजय पाण्डेय ने कहा कि विकास कार्यों के लिए स्वीकृत धनराशि का प्रत्येक रुपया जनहित में खर्च किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने क्षेत्र पंचायत सदस्यों और ग्राम प्रधानों से अपील की कि वे अपने–अपने क्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुसार विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार कर उपलब्ध कराएं, जिससे आम लोगों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। खंड विकास अधिकारी विमल प्रकाश पाण्डेय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वित्त आयोग की धनराशि से होने वाले सभी विकास कार्यों के एस्टीमेट जल्द तैयार किए जाएं।

उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जेई, एमआई और ग्राम सचिवों को निर्देश दिया कि जियो टैगिंग की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही भुगतान की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता सामने आती है तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने अपने–अपने क्षेत्रों की समस्याओं और आवश्यकताओं को सदन के सामने रखा। सदस्यों ने सड़क निर्माण, नाली निर्माण, पुलिया निर्माण, हैंडपंप रिबोर सहित कई विकास कार्यों के प्रस्ताव दिए। इनमें से अधिकांश प्रस्तावों को बजट में शामिल किया गया। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी भाग लिया। बैठक में विकास योजनाओं को तेजी से पूरा करने पर जोर दिया गया।

मेडिकल रिसर्च में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा भारत : राजनाथ

एजेंसी, लखनऊ

◆ केजीएमयू के मंच से स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर बोले केंद्रीय मंत्री

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के 22वें दीक्षांत समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत स्वास्थ्य क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और चिकित्सा अनुसंधान में नए आयाम स्थापित कर रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है।

पहले गंभीर बीमारियों का इलाज आम लोगों के लिए आर्थिक संकट का कारण बन जाता था, लेकिन अब आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से पात्र लोगों को निशुल्क उपचार की सुविधा मिल रही है। सरकार का उद्देश्य केवल इलाज उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य व्यवस्था तैयार करना है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में 17 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि वर्तमान में 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। इसके अलावा दो एम्स भी कार्यरत हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा तकनीकों के क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। जीन थेरेपी, न्यूक्लियर मेडिसिन और अन्य तकनीकों के माध्यम से देश स्वास्थ्य चुनौतियों के स्वदेशी समाधान विकसित कर रहा है। उन्होंने अंगदान को मानवता के लिए सबसे बड़ा उपहार बताते हुए कहा कि डॉक्टरों की जिम्मेदारी केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को जागरूक करना भी है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को समाज में विशेष सम्मान मिलता है और इस सम्मान के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है।

नशा बेचने को लेकर विवाद में 22 वर्षीय युवक की पीट-पीटकर हत्या

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा

हरियाणा के सिरसा जिले के बड़गुढ़ा थाना क्षेत्र के गांव छतरियां में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान 22 वर्षीय अशोक के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, अशोक अपने खेत से घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में मुकेश और कुछ अन्य लोगों ने उसे घेर लिया।

आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों से अशोक पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल अशोक को उपचार के लिए ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अशोक और आरोपी मुकेश के खेत आसपास हैं। दोनों के बीच पहले भी विवाद हो चुका था। बीती 25 जून को भी दोनों पक्षों में झगड़ा हुआ था, जिसके बाद गांव में पंचायत कर मामले को सुलझाने का प्रयास किया गया था। परिजनों का आरोप है कि मुकेश नशे के अवैध कारोबार से जुड़ा हुआ है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत दो मामले दर्ज होने की बात सामने आई है। पुलिस अब हत्या के पीछे के कारणों की जांच कर रही है।

बड़गुढ़ा थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों की तलाश की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना के सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है। हत्या में शामिल अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है।

पूर्व एचएसएससी चेयरमैन भोपाल सिंह खदरी बने मुख्यमंत्री के विशेष शिकायत निवारण अधिकारी

अस्थायी आधार पर मिली जिम्मेदारी, वेतन-भत्तों और सेवा शर्तों की जानकारी अलग से होगी जारी

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

हरियाणा सरकार ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) के पूर्व अध्यक्ष एवं यमुनानगर जिले के गांव खदरी निवासी भोपाल सिंह खदरी को मुख्यमंत्री का विशेष शिकायत निवारण अधिकारी नियुक्त किया है। इस संबंध में हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा 12 जुलाई को नियुक्ति आदेश जारी किया गया।

जारी आदेश के अनुसार, भोपाल सिंह खदरी की नियुक्ति अस्थायी आधार पर की गई है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि वह इस पद पर तब तक कार्यरत रहेंगे, जब तक मुख्यमंत्री उन्हें इस दायित्व पर बनाए रखना उचित समझेंगे। उनके वेतन, भत्तों तथा सेवा संबंधी अन्य शर्तों की जानकारी अलग से जारी की जाएगी। भोपाल सिंह खदरी इससे पहले हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के

अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्हें 23 मार्च 2021 को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 23 मार्च 2024 तक निर्धारित था, लेकिन उन्होंने कार्यकाल पूरा होने से पहले 15 मार्च 2024 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

बाद में सरकार ने हिम्मत सिंह को आयोग का नया अध्यक्ष नियुक्त किया। प्रशासनिक और संगठनात्मक अनुभव के कारण भोपाल सिंह खदरी लंबे समय से भाजपा नेतृत्व के भरोसेमंद चेहरों में गिने जाते हैं। वह दिवंगत भाजपा सांसद रतनलाल कटारिया के राजनीतिक सचिव भी रह चुके हैं। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के साथ भी उन्होंने निकटता से कार्य किया है।

साधारण किसान परिवार से आने वाले भोपाल सिंह खदरी ने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत गांव के सरपंच के रूप में की थी। इसके बाद वह हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य बने और बाद में आयोग के अध्यक्ष पद तक पहुंचे।

उन्होंने स्नातकोत्तर (एमए) के साथ एलएलबी की शिक्षा प्राप्त की है। अब मुख्यमंत्री के विशेष शिकायत निवारण अधिकारी के रूप में उन्हें प्रशासनिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। नियुक्ति के बाद विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भोपाल सिंह खदरी को शुभकामनाएं दीं। लोगों ने उम्मीद जताई कि उनके प्रशासनिक अनुभव का लाभ आम नागरिकों को मिलेगा और शिकायतों के त्वरित व निष्पक्ष निस्तारण की व्यवस्था और अधिक प्रभावी होगी। सरकार का मानना है कि इस नियुक्ति से आम नागरिकों की शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनेगी। साथ ही विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अंबाला में नशे पर प्रहार, 21 ग्राम हेरोइन और 97,800 रुपए बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला। अंबाला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल (एएनसी) ने नशा तस्करी के खिलाफ अभियान के तहत रविवार सुबह बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के बीटा एन्क्लेव क्षेत्र से 21 ग्राम हेरोइन (स्मैक) और 97,800 रुपये नकद बरामद करने का दावा किया है। कार्रवाई के दौरान एक संदिग्ध पुलिस टीम को देखकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने उसकी पहचान कर ली है और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम रविवार सुबह नियमित गश्त पर थी। करीब आठ बजे टीम बीटा एन्क्लेव क्षेत्र में पहुंची। इसी दौरान पुलिस ने एक युवक को संदिग्ध परिस्थिति में घूमते देखा। पुलिस टीम को अपनी ओर आते देखकर युवक घबरा गया और तेजी से भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा किया, लेकिन वह गलियों का फायदा उठाकर मौके से फरार होने में सफल रहा। फरार आरोपी की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर पुलिस ने मौके की गहन तलाशी ली। तलाशी के दौरान वहां से 21 ग्राम हेरोइन और 97,800 रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस का मानना है कि यह नकदी नशीले पदार्थों की बिक्री से अर्जित की गई हो सकती है। बरामद सामान को कब्जे में लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपी की पहचान जान के रूप में होने का दावा किया है। उसके खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड, उसके संपर्कों और संभावित नशा तस्करी नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि बरामद हेरोइन कहां से लाई गई थी और किन लोगों तक इसकी आपूर्ति की जानी थी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि जिले में नशा तस्करों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे अपराधों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने लोगों से भी नशा तस्करी से जुड़ी किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है, ताकि समाज को नशे के दुष्प्रभावों से बचाया जा सके।

न्यूज ब्रीफ

युजवेंद्र चहल और इशांत शर्मा बने बिजनेस पार्टनर, लॉन्च किया एनर्जी ड्रिंक

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और इशांत शर्मा ने खेल के मैदान के बाद अब कारोबार की दुनिया में नई शुरुआत की है। दोनों क्रिकेटरों ने बिजनेस पार्टनर बनते हुए एक एनर्जी ड्रिंक लॉन्च किया है। इस नए ब्रांड की शुरुआत का कार्यक्रम गुरुग्राम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विराट कोहली के रेस्टोरेंट में किया गया, जिसमें चहल और इशांत ने अपने नए कारोबारी सफर की जानकारी साझा की। दोनों खिलाड़ियों का कहना है कि यह पहल युवाओं और फिटनेस पसंद लोगों को ध्यान में रखकर शुरू की गई है। क्रिकेट के क्षेत्र में पहचान बनाने के बाद अब दोनों खिलाड़ी उद्यमिता के क्षेत्र में भी कदम बढ़ा रहे हैं। उनकी इस नई साझेदारी को लेकर प्रशंसकों में भी उत्सुकता देखने को मिल रही है।

मतदाता अभियान में नारनौंद आगे, 52 बीएलओ ने लक्ष्य से पहले हासिल की सफलता

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौंद। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में नारनौंद विधानसभा क्षेत्र जिले में सबसे आगे चल रहा है। छुट्टी के दिन भी बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर पहुंचकर मतदाताओं के प्रपत्र भरने में जुटे हुए हैं। अभियान की तेजी का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि क्षेत्र के 221 बीएलओ में से 52 अधिकारी अपना कार्य निर्धारित समय से पहले पूरा कर चुके हैं। चुनाव विभाग ने सभी बीएलओ को 14 जुलाई की शाम तक शत-प्रतिशत कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं। नारनौंद क्षेत्र के 62 गांवों में 221 मतदान केंद्र हैं, जहां दो लाख 14 हजार 257 मतदाता पंजीकृत हैं। बूथ नंबर-149 के बीएलओ ने पांच जुलाई को ही कार्य पूरा कर रिकॉर्ड बनाया था। अन्य बीएलओ भी लगातार मतदाताओं से संपर्क कर लक्ष्य पूरा करने में जुटे हैं।

मारकंडा नदी शांत हुई, लेकिन फसलों की बर्बादी से किसानों की चिंता बरकरार

भारतेन्दु संवाददाता, शाहाबाद। मारकंडा दरिया का जलस्तर तेजी से घटने के बाद बाढ़ प्रभावित गांवों के लोगों ने राहत की सांस ली है। शनिवार को दरिया में 14 हजार 294 क्यूसेक पानी आने से कठवा, तंगौर और कलसाना सहित कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए थे। अब जलस्तर कम होने के बाद हालात सामान्य होने लगे हैं। मारकंडा में 561 क्यूसेक, मुलाना में 7800 क्यूसेक और कालाअंब में 1032 क्यूसेक पानी दर्ज किया गया। गांव कलसाना की आबादी और कठवा के मुख्य मार्ग से पानी उतर गया है, जिससे लोगों की आवाजाही शुरू हो गई है। हालांकि खेतों में जमा पानी अब भी किसानों के लिए चिंता का कारण बना हुआ है। ग्रामीणों को फसलों के नुकसान का डर सता रहा है।

भिवानी अस्पताल में खूनी खेल, पुरानी रंजिश में युवक की हत्या; साथी घायल

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी। भिवानी जिले के बवानीखेड़ा कस्बे में पुरानी रंजिश के चलते हत्या की वारदात सामने आई। यहां अस्पताल में अपनी बीमार भाभी से मिलने पहुंचे बलजीत नामक युवक की चार-पांच लोगों ने हमला कर हत्या कर दी। हमले में उसका साथी मोनू भी गंभीर रूप से घायल हो गया। डीएसपी दलीप सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा लग रहा है। बलजीत और मोनू वर्ष 2020 में हुई एक महिला और पुरुष की हत्या के मामले में सजा काट रहे थे और जमानत पर बाहर आए थे। परिजनों का आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों, छुरी और लोहे की रॉड से हमला किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यमुनानगर में संदिग्ध हालात में महिला की मौत ससुराल पक्ष पर सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। जिले में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनकी बेटी को जहर देकर मारा गया है। घटना के बाद परिवार में शोक और आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार, घटना उस समय हुई जब परिवार में सास की तेरहवीं का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान मृतका की बेटी ने मायके वालों को वीडियो कॉल कर बताया कि उसकी मां उल्टियां कर रही है और उसकी तबीयत काफी खराब है। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक महिला की हालत गंभीर हो चुकी थी। परिजनों ने आरोप लगाया कि विवाहिता की मौत सामान्य नहीं है और मामले की जांच की जानी चाहिए।

पुजारी से मारपीट के बाद हरियाणा की दरगाह पर चला बुलडोजर, महिलाओं ने किया जोरदार विरोध

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र

हरियाणा के क्षेत्र में स्थित दरगाह पर प्रशासन ने सोमवार को बुलडोजर कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। महिलाओं ने प्रशासन की कार्रवाई का विरोध करते हुए प्रशासन की टीम ने दरगाह परिसर के साथ-साथ सेवादार के घर की एक दीवार को भी ध्वस्त किया।

अधिकारियों का कहना है कि कार्रवाई निर्धारित नियमों और प्रशासनिक आदेशों के अनुसार की गई। वहीं, स्थानीय लोगों का आरोप है कि कार्रवाई बिना पर्याप्त समकर नारेबाजी की। कई महिलाएं रोती और चिल्लाती नजर आईं। इस दौरान माहौल कुछ समय के लिए तनावपूर्ण बना रहा, लेकिन पुलिस बल की मौजूदगी के कारण स्थिति नियंत्रण में रही।मय दिए की गई, जिससे उन्हें अपनी बात रखने

का अवसर नहीं मिला। यह कार्रवाई हाल ही में सामने आए उस विवाद के बाद हुई, जिसमें आरोप लगाया गया था कि मंदिर के पुजारी के साथ मारपीट की गई थी।

आरोप है कि पुजारी को घसीटकर पीटा गया था, जिसके बाद मामला काफी चर्चा में रहा। घटना का वीडियो भी सामने आने के बाद प्रशासन और पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया था।

बुलडोजर कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी।

अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने और कानून-व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की। प्रशासन का कहना है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि या अतिक्रमण के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

कोचिंग सेंटर से लौट रहे छात्र पर हमला लाठी-डंडों और चाकू से बेरहमी से पीटा

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

पानीपत के समालखा क्षेत्र में कोचिंग सेंटर से पढ़कर अपने गांव लौट रहे एक छात्र पर बाइक सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने लाठी डंडों और चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। बदमाश छात्र से 4500 की नकदी भी छीन ले गए। गनीमत रही कि पीछे से एक कार आ गई, जिसे देखकर हमलावर मौके से फरार हो गए, अन्यथा कोई बड़ी अनहोनी हो सकती थी।

पुलिस ने पीड़ित छात्र के पिता की शिकायत पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस जांच में लूटपाट जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। बाइक सवार नकाबपोशों ने घेरा चौकी इंचार्ज हल्दाना को दी गई शिकायत में गांव गढ़ी त्यागयान निवासी सुरेश कुमार ने बताया कि उनका बेटा रवि समालखा में एक कोचिंग सेंटर में पढ़ता है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की गई तथा क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

पुलिस का कहना है कि छात्र के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में लूटपाट की पुष्टि नहीं हुई है, इसलिए पुलिस पुरानी रंजिश, आपसी विवाद या अन्य कारणों को भी ध्यान में रखकर जांच कर रही है। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि आरोपियों की जल्द पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। वहीं, घटना के बाद छात्र के परिजनों में भय और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने तथा छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

एसवाईएल नहर मुद्दे पर दुष्यंत चौटाला बोले हरियाणा के हिस्से का पानी हर हाल में मिलना चाहिए

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक

जननायक जनता पार्टी (जजपा) के प्रदेश कार्यालय में संत कबीर दास जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं जजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दुष्यंत चौटाला मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संत कबीर दास के विचारों पर चलने का संदेश देते हुए समाज में एकता, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

दुष्यंत चौटाला ने कहा कि संत कबीर दास ने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई और मानवता, समानता तथा प्रेम का संदेश दिया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से 'जहां देवालय, वहां पुस्तकालय' अभियान को लगातार आगे बढ़ाने की अपील करते हुए शिक्षा और ज्ञान के प्रसार को समाज के विकास का आधार बताया। अपने संबोधन में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित हरियाणा दौरे का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से

आग्रह किया कि वे प्रधानमंत्री के समक्ष सतलुज यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर का मुद्दा प्रमुखता से उठाएं। उन्होंने कहा कि हरियाणा को उसके हिस्से का पानी मिलना चाहिए और राज्य के अधिकारों की मजबूती से पैरवी की जानी चाहिए।

दुष्यंत चौटाला ने यमुना जल बंटवारे के मुद्दे पर भी राज्य सरकार से पूरी जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि इस विषय पर पर्याप्त पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है। साथ ही किशाऊ, लखवार और रेणुकाजी बांध परियोजनाओं के लिए विशेष बजट का प्रावधान करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि भविष्य में जल संकट से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। उन्होंने बढ़ती ईंधन कीमतों और पेट्रोल में एथेनॉल की मिलावट से वाहनों के इंजनों पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को लेकर भी चिंता व्यक्त की। कार्यक्रम के अंत में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संत कबीर दास के आदर्शों को अपनाने तथा सामाजिक सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया।

समारोह में पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, युवा कार्यकर्ता और महिला प्रकोष्ठ की सदस्य भी मौजूद रहीं। वक्ताओं ने संत कबीर दास के विचारों को आज भी प्रासंगिक बताते हुए सामाजिक समरसता, शिक्षा और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने समाजहित में मिलकर कार्य करने का संकल्प भी लिया।

सिरसा में मामूली विवाद का खौफनाक अंत, युवक की पीट-पीटकर हत्या

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा। सिरसा जिले में महज 500 रुपये के विवाद ने खूनी रूप ले लिया। यहां एक युवक की डंडों से पीट पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार युवक विदेश जाने की तैयारी कर रहा था और जल्द ही अपने सपने को पूरा करना चाहता था। जानकारी के अनुसार, युवक का कुछ लोगों के साथ 500 रुपये को लेकर विवाद हुआ था। मामले को सुलझाने के लिए गांव में पंचायत भी हुई थी, जहां दोनों पक्षों के बीच समझौता करा दिया गया था। आरोप है कि इसके बाद भी विवाद खत्म नहीं हुआ। परिजनों का कहना है कि आरोपियों ने युवक पर डंडों से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है और मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

फरीदाबाद में नहर से बरामद महिला का शव, पहचान के लिए पुलिस ने शुरू की जांच

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

हरियाणा के फरीदाबाद में आगरा नहर से एक अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। नहर के किनारे से गुजर रहे राहगीरों ने पानी में शव बहता देखा तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे तथा शव को नहर से बाहर निकालकर अपने कब्जे में लिया।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में भिजवा दिया। प्रारंभिक जांच में महिला की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों का रिकॉर्ड खंगाल रही है और महिला की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अलावा आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी जांची जा रही है, ताकि घटना से जुड़े कोई महत्वपूर्ण सुराग मिल सकें। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि महिला की मौत दुर्घटनावश नहर में गिरने से हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। जांच के दौरान सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखा जा रहा है।

घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और जांच में सहयोग करने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि महिला की पहचान होने के बाद उसके परिजनों से संपर्क किया जाएगा। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा करने का दावा कर रही है। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और नहर के किनारे आने-जाने वाले मार्गों की भी जांच की जा रही है। महिला के शव के पास से कोई पहचान संबंधी दस्तावेज बरामद नहीं हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हाई कोर्ट का सीबीआई से सवाल, आईएएस प्रदीप कुमार को गिरफ्तार करने की वजह क्यों छिपाई ?

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा में सरकारी विभागों के बैंक खातों से कथित सरकारी धन के गबन और अनधिकृत हस्तांतरण से जुड़े मामले में गिरफ्तार आईएएस अधिकारी प्रदीप कुमार ने अपनी गिरफ्तारी, पुलिस रिमांड और न्यायिक हिरासत को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में चुनौती दी है। अधिकारी की ओर से दायर याचिका में गिरफ्तारी की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसे अवैध बताया गया है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तारी के समय और उसके बाद भी आईएएस अधिकारी को गिरफ्तारी के कारण लिखित रूप से उपलब्ध नहीं कराए। याचिकाकर्ता ने इसे संविधान द्वारा दिए गए मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताया है। याचिका में हाई कोर्ट से मांग की गई है कि गिरफ्तारी, पुलिस रिमांड के आदेश और इसके बाद की सभी न्यायिक कार्यवाही को

अवैध घोषित किया जाए। साथ ही अधिकारी को तत्काल रिहा करने के निर्देश देने की भी मांग की गई है।

मामला हरियाणा के सरकारी विभागों के बैंक खातों से कथित रूप से धनराशि के गलत इस्तेमाल और अनधिकृत हस्तांतरण से जुड़ा हुआ है। जांच एजेंसी इस मामले में पहले ही कार्रवाई करते हुए आईएएस प्रदीप कुमार को गिरफ्तार कर चुकी है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया था, जहां से उन्हें पुलिस रिमांड और बाद में न्यायिक हिरासत में भेजा गया। अब इस मामले में हाई कोर्ट ने जांच एजेंसी की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए सीबीआई से जवाब मांगा है। अदालत ने पूछा है कि गिरफ्तारी के आधार आरोपी को क्यों नहीं बताए गए। हाई कोर्ट की सख्ती के बाद मामले में आगे की सुनवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

वहीं, जांच एजेंसी की ओर से मामले से जुड़े दस्तावेज और कार्रवाई का रिकॉर्ड अदालत के सामने पेश किया जा सकता है। हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की दलीलों के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट होगी। अदालत की सख्ती के बाद अब सीबीआई को गिरफ्तारी की प्रक्रिया और उससे जुड़े दस्तावेजों के आधार पर जवाब देना होगा। मामले में अगली सुनवाई के दौरान जांच एजेंसी अपना पक्ष रखेगी। हाई कोर्ट की कार्रवाई के बाद आईएएस प्रदीप कुमार की याचिका पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। इस मामले में अदालत यह भी देखेगी कि गिरफ्तारी के दौरान तय कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया या नहीं।

नशा तस्करों पर पुलिस का बड़ा शिकंजा, 3 करोड़ का डोडा पोस्त बरामद

तस्करी की सूचना पर घेराबंदी कर पकड़े छह आरोपी, पुलिस जांच में जुटी कि कहां से आई इतनी बड़ी खेप

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल

हरियाणा में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कैथल पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस की स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट (एसडीयू) की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए करीब 19.5 क्विंटल डोडा पोस्त बरामद किया है। बरामद नशीले पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 3 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को हिरासत में लिया है।

डीएसपी रोहताश ने बताया कि एसडीयू टीम को सूचना मिली थी कि कलायत क्षेत्र में कुछ लोग भारी मात्रा में नशीले पदार्थ की तस्करी की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इलाके में निगरानी बढ़ाई और योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संदिग्धों को पकड़ लिया और तलाशी के दौरान भारी मात्रा में डोडा पोस्त बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, बरामद डोडा पोस्त को तस्करी के लिए इस्तेमाल किया जाना था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी लंबे समय से नशे के अवैध कारोबार से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर रही है, ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके।

डीएसपी रोहताश ने बताया कि नशे के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि जिले में नशा तस्करों पर शिकंजा कसने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस का उद्देश्य नशे की सप्लाई चेन को पूरी तरह खत्म करना है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी

बड़ी मात्रा में डोडा पोस्त कहां से लाया गया था और इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। इसके अलावा आरोपियों के पुराने रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि उन्हें नशे की तस्करी या किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलती है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वालों की पहचान गुप्त रखी जाएगी। कैथल पुलिस की इस कार्रवाई को नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

पुलिस का कहना है कि भविष्य में भी नशा तस्करों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों से लगातार पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के दौरान पुलिस को तस्करी से जुड़े कई अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी डोडा पोस्त की खेप कहां से लेकर आए थे और इसे आगे किन क्षेत्रों में सप्लाई करने की योजना थी।

जांच एजेंसियां अब इस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी हुई हैं। पुलिस का मानना है कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ की बरामदगी के पीछे एक बड़ा तस्करी गिरोह सक्रिय हो सकता है। अधिकारियों ने बताया कि मामले में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। एसडीयू टीम की इस कार्रवाई के बाद जिले में नशा तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस ने साफ किया है कि नशे के अवैध कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में पुलिस की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं।

कांग्रेस का मोदी सरकार पर हमला, भ्रष्टाचार मामलों को लेकर उठाए सवाल

जयराम रमेश ने सरकार पर भ्रष्टाचार मामलों को दबाने, जवाबदेही से बचने और लीपापोती करने के लगाए आरोप

एजेंसी, नईदिल्ली

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों को दबाने और जवाबदेही से बचने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बयान जारी कर कहा कि सरकार की कार्यशैली अब 'न्यूनतम सुशासन, अधिकतम लीपापोती' तक सीमित रह गई है।

जयराम रमेश ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने 'ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा' का नारा दिया था, लेकिन समय के साथ यह दावा पूरी तरह खोखला साबित हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार भ्रष्टाचार के आरोपों पर कार्रवाई करने के बजाय मामलों को दबाने और ध्यान भटकाने का काम कर रही है।

कांग्रेस नेता ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नोटबंदी के फैसले पर दिए गए बयान का हवाला देते हुए कहा कि आठ नवंबर 2016 को लागू की गई नोटबंदी को उन्होंने 'संगठित लूट और वैध लूट' बताया था। रमेश ने आरोप लगाया कि नोटबंदी के बाद गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (जीएसपीसी) से जुड़े कथित 20 हजार करोड़ रुपये के मामले, चुनावी बॉन्ड योजना, राफेल सौदे से जुड़े सवाल, पीएम केयर्स फंड और विभिन्न सरकारी योजनाओं में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट में सामने आई अनियमितताओं पर सरकार ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ समय में सामने आए कई मामलों ने सरकार के दावों पर सवाल खड़े किए हैं। जयराम रमेश ने अयोध्या में राम मंदिर से जुड़े चढ़ावे की कथित चोरी के मामले का जिक्र करते हुए इसे आस्था से जुड़ा गंभीर विषय बताया। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों पर

आरोप लगने के बावजूद उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों को आर्थिक दबाव और प्रलोभन देकर कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने केंद्र सरकार के एक राज्य मंत्री पर अपने मंत्रालय की योजना का लाभ लेने के आरोपों का भी उल्लेख किया। इसके अलावा उन्होंने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और दिल्ली सरकार से जुड़े कुछ मामलों को लेकर भी सवाल उठाए। जयराम रमेश ने शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रणाली में कथित गड़बड़ियों के कारण देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य पर असर पड़ा है।

जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल, तिरपाल विवाद बढ़ा

एजेंसी ,नई दिल्ली

दिल्ली के जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे शिक्षाविद और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की तबीयत लगातार खराब होती जा रही है। वह पिछले 16 दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। इस बीच सोमवार को प्रदर्शन स्थल पर तिरपाल लगाने को लेकर विवाद सामने आया। सोशल एक्टिविस्ट अभिजीत दीपके ने इसका वीडियो साझा करते हुए पुलिस से सोनम वांगचुक की सेहत का ध्यान रखने की अपील की।

वीडियो में अभिजीत दीपके पुलिस अधिकारियों से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेज धूप से बचाने के लिए प्रदर्शन स्थल पर तिरपाल लगाया गया था। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से तिरपाल न हटाने की अपील की। अभिजीत दीपके ने कहा कि सोनम वांगचुक लंबे समय से भूख हड़ताल पर हैं और धूप में रहने से उनकी

भूख हड़ताल के बीच सोनम वांगचुक के समर्थन में उठी आवाजें

परेशानी बढ़ सकती है। वीडियो में पुलिस अधिकारी तिरपाल हटाने को लेकर जगह पर धूप की स्थिति दिखाने की बात कहते नजर आए। इसके बाद अभिजीत दीपके ने कहा कि धूप से बचाव के लिए ही तिरपाल लगाया गया है।

उन्होंने पुलिस से मानवीय आधार पर इस मामले को देखने की अपील की। सोनम वांगचुक की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर जारी जानकारी के अनुसार, भूख हड़ताल के बाद उनका रक्तचाप कम हुआ है और उनका वजन करीब 7.8 किलोग्राम घट गया है। चिकित्सकों की टीम लगातार उनके स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए है। वांगचुक ने इससे पहले लोगों से अपील की थी कि वे किसी व्यक्ति को नायक न मानें, बल्कि अपनी जिम्मेदारियों को समझें। उन्होंने कहा था कि वह केवल एक आम नागरिक हैं और लोगों को अपने अधिकारों के लिए खुद आगे आना चाहिए। जंतर-मंतर पर चल रहे प्रदर्शन में परीक्षा व्यवस्था से जुड़ी कथित अनियमितताओं के मुद्दे उठाए जा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली सरकार का बड़ा अभियान, हर घर तक पहुंचेगा पौधा रोपण संदेश

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी को हरित और प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से बड़े पौधारोपण अभियान की शुरुआत की है। सरकार का लक्ष्य 70 लाख पौधे लगाने का है, जिसमें आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सभी दिल्लीवासियों से अपील की है कि वे कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं और पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से ही दिल्ली को हरा-भरा बनाया जा सकता है। अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों में पौधारोपण किया जाएगा और लोगों को पेड़ों की देखभाल के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। सरकार का मानना है कि अधिक पेड़ लगाने से वायु गुणवत्ता बेहतर होगी और राजधानी का पर्यावरण संतुलन मजबूत होगा।

चार छात्रों के सर्पदंश के मामले में एनएचआरसी का झारखंड सरकार को नोटिस

एजेंसी, नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने झारखंड के लोहरदगा जिले के एक आवासीय विद्यालय छात्रावास में छात्राओं को सांप काटने की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने मामले में झारखंड के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार सात जुलाई को उच्चतर माध्यमिक आवासीय विद्यालय के छात्रावास के एक कमरे में सो रही चार छात्राओं को सांप ने काट लिया था। घटना में एक छात्रा की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य छात्राओं का इलाज जारी है। आयोग ने अधिकारियों से घायल छात्राओं के स्वास्थ्य की वर्तमान स्थिति, उपचार और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।आयोग ने घटना को गंभीर मानते हुए छात्रावासों में सुरक्षा व्यवस्था और विद्यार्थियों की देखभाल को लेकर भी जानकारी मांगी है। एनएचआरसी ने संबंधित अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि प्रभावित छात्राओं को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिले और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

एसबीआईएफएमएल ने संस्थागत निवेशकों से जुटाए 1880 करोड़

एजेंसी, नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की सब्सिडियरी एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एसबीआईएफएमएल) ने आईपीओ से पहले ही बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने प्री-आईपीओ प्लेसमेंट के माध्यम से करीब 1,880 करोड़ रुपये जुटाए हैं। एसबीआईएफएमएल का आईपीओ मंगलवार 14 जुलाई को खुलेगा और 16 जुलाई को बंद होगा। कंपनी ने इसके लिए 545 से 574 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। खुदरा निवेशकों को न्यूनतम 26 शेयरों के लिए आवेदन करना होगा। यह आईपीओ पूरी तरह ऑफर फॉर सेल आधारित है, जिसमें 20.37 करोड़ शेयरों की बिक्री होगी। कंपनी के शेयर 21 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने की उम्मीद है। एसबीआईएफएमएल देश की प्रमुख परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों में शामिल है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के बयान को भाजपा ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के विरोध प्रदर्शन के ऐलान पर प्रतिक्रिया दी है। भाजपा महासचिव तरुण चुग ने उमर के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े मामलों का समाधान भारतीय संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं के तहत ही होगा। उन्होंने विदेशी नेताओं का नाम लेने को मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने की कोशिश बताया। चुग ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद क्षेत्र में विकास, पर्यटन और सुशासन को बढ़ावा मिला है। वहीं, उमर अब्दुल्ला ने राज्य का दर्जा बहाल करने में देरी का आरोप लगाते हुए 20 जुलाई से नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है।भाजपा ने कहा कि केंद्र सरकार राज्य का दर्जा बहाल करने की प्रतिबद्धता पहले ही स्पष्ट कर चुकी है और प्रक्रिया जारी है।

नशामुक्त युवा अभियान शुरू, प्रतियोगिताओं में युवाओं को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

एजेंसी ,नई दिल्ली

युवाओं को नशे से दूर रखने और सामाजिक बदलाव में उनकी भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने 'मेरा युवा भारत' (माय भारत) के माध्यम से 'नशामुक्त युवा-विकसित भारत' अभियान का अगला चरण शुरू किया है। इस अभियान के तहत जिला स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 13 जुलाई 2026 से शुरू हो गई है।

अभियान का उद्देश्य युवाओं को रचनात्मक गतिविधियों के जरिए नशामुक्त भारत के संदेश को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना है। प्रतियोगिताएं तीन चरणों में आयोजित की जाएंगी, जिनमें जिला स्तर, राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर शामिल हैं।

जिला स्तर की प्रतियोगिताएं 24 से 27 जुलाई तक आयोजित होंगी। इसमें प्रत्येक श्रेणी से तीन श्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा। जिला स्तर के विजेता 30 जुलाई से 6 अगस्त तक होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे। इसके बाद राज्य स्तर के विजेताओं को 12 और 13 अगस्त को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय समापन समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

इस अभियान के तहत पांच रचनात्मक श्रेणियों में प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। इनमें नृत्य, संगीत, रील व लघु फिल्म, नुक्कड़ नाटक और कविता पाठ शामिल हैं। इन माध्यमों से युवा नशामुक्त समाज का संदेश लोगों तक पहुंचाएंगे।

प्रतियोगिता में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा भाग ले सकते हैं। प्रतिभागी अकेले या समूह में अपनी प्रस्तुति दे सकते हैं। रचनाएं हिंदी, अंग्रेजी या किसी भी क्षेत्रीय भाषा में जमा की जा सकती हैं।

माय भारत पोर्टल के माध्यम से युवा पंजीकरण कर अपनी रचनात्मक प्रविष्टियां अपलोड कर सकते हैं। सरकार ने युवाओं से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और नशामुक्त भारत के निर्माण में योगदान देने की अपील की है।

रेड फोर्ट ब्लास्ट मामले में जैविक अवशेषों के सम्मानजनक निस्तारण को अदालत की मंजूरी

एजेंसी ,नई दिल्ली

दिल्ली के चर्चित रेड फोर्ट ब्लास्ट मामले में पटियाला हाउस स्थित एनआईए की विशेष अदालत ने घटनास्थल से बरामद पीड़ितों और मुख्य आरोपी उमर उन नबी के जैविक अवशेषों के सम्मानजनक निस्तारण की अनुमति दे दी है। अदालत ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को निर्देश दिया है कि पूरी प्रक्रिया मानव गरिमा और संबंधित धार्मिक परंपराओं का पालन करते हुए पूरी की जाए।

अदालत ने एनआईए को यह भी निर्देश दिया है कि जैविक अवशेषों के निस्तारण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अनुपालन रिपोर्ट अदालत में दाखिल की जाए। अदालत ने कहा कि मामले से जुड़े सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए अवशेषों का सम्मानजनक तरीके से अंतिम निपटारा किया जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान एनआईए ने अदालत को बताया कि बरामद जैविक अवशेषों से जरूरी फोरेंसिक जांच पूरी कर ली

गई है। जांच के दौरान सभी महत्वपूर्ण साक्ष्य सुरक्षित कर लिए गए हैं। एजेंसी ने कहा कि अब इन अवशेषों की जांच के लिए आवश्यकता नहीं रह गई है और लंबे समय तक सुरक्षित रखने के कारण इनके खराब होने की स्थिति बन रही है। इसी आधार पर एनआईए ने अदालत से निस्तारण की अनुमति मांगी थी।

अदालत ने एनआईए की दलीलों को स्वीकार करते हुए अवशेषों के निपटारे की अनुमति प्रदान कर दी। साथ ही यह स्पष्ट किया कि प्रक्रिया में धार्मिक भावनाओं और मानवीय गरिमा का पूरा ध्यान रखा जाए। 10 नवंबर 2025 को दिल्ली के लाल किला इलाके में कार में लगाए गए शक्तिशाली विस्फोटक से धमाका हुआ था। इस हमले में 11 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई लोग घायल हुए थे। घटना के बाद मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंपी गई थी। जांच के दौरान एनआईए ने मुख्य आरोपी उमर उन नबी समेत 10 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। एजेंसी ने अदालत में करीब 7,500 पन्नों की चार्जशीट पेश की थी। एनआईए के अनुसार, जांच में आरोपियों के प्रतिबंधित आतंकी संगठन अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े होने की बात सामने आई थी।

जन्मदिन पर पत्नी की हत्या का लगा आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के विनोद नगर इलाके में सोमवार तड़के दिल्ली पुलिस के एक कांस्टेबल पर अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगा है। घटना वाले दिन महिला का जन्मदिन था। वारदात के बाद आरोपित पुलिसकर्मी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस टीमें जुटी हैं।

पुलिस के अनुसार, सुबह करीब तीन बजे एलबीएस अस्पताल के पास एक महिला गंभीर हालत में सड़क किनारे मिली थी। एक डिलीवरी बॉय ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान प्रियंका के रूप में हुई, जो अशोक विहार स्थित एक निजी स्कूल में शिक्षिका थीं। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में प्रियंका के पति मनीष भाटी की संदिग्ध मौजूदगी सामने आई। पुलिस के मुताबिक मनीष दिल्ली पुलिस की एटीएस यूनिट में कांस्टेबल है और घटना के बाद फरार हो गया।

यमुना खादर में 10 हजार अवैध लोग, हर साल बाढ़ के दौरान प्रशासन की बढ़ती मुश्किलें

एजेंसी ,नई दिल्ली

दिल्ली के यमुना खादर क्षेत्रों में अवैध रूप से बसे लोगों का मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। जानकारी के अनुसार, यमुना के किनारे अलग-अलग इलाकों में करीब 10 हजार लोग बिना अनुमति के रह रहे हैं। पिछले वर्ष दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने मयूर विहार और पुराने लोहे के पुल के पास बनी अवैध झुग्गियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें हटाया था, लेकिन इसके बाद भी कई लोग दोबारा वहां बस गए हैं। आरोप है कि कुछ लोगों ने डीडीए अधिकारियों की कथित मिलीभगत से दोबारा झुग्गियां बना ली हैं। प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती मानसून के दौरान बढ़ते यमुना जलस्तर को लेकर रहती है। हर वर्ष नदी का पानी बढ़ने पर इन इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए अस्थायी शिविर लगाने पड़ते हैं, जिस पर सरकार को लाखों रुपये खर्च करने पड़ते हैं।

यमुना खादर के मयूर विहार, पुराना लोहा पुल, कश्मीरी गेट, उस्मानपुर, सिग्नेचर ब्रिज और बदरपुर खादर गांव के आसपास बड़ी संख्या में लोग रह रहे हैं। डीडीए का दावा है कि अवैध कब्जों के खिलाफ समय-समय पर अभियान चलाया जाता है और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाती है। हालांकि, बार-बार कार्रवाई के बावजूद इन क्षेत्रों में अवैध बस्तियां फिर से बस जाने से प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं।

खादर क्षेत्र में रहने वाले अधिकतर लोग बिहार और उत्तर प्रदेश से आए हुए बताए जाते हैं। इनमें कई लोग सब्जी और फल बेचने, कपड़े की फेरी लगाने जैसे काम करते हैं। मयूर विहार खादर में रहने वाले कुछ लोगों का कहना है कि वे झुग्गियां किराये पर लेकर रह रहे हैं।

प्रशासन का कहना है कि जब भी यमुना का जलस्तर खतरे के निशान को पार करेगा, तब खादर क्षेत्रों को खाली कराया जाएगा। इसके लिए राहत शिविरों की व्यवस्था की जा रही है और शिविर लगाने का ठेका भी दिया जा चुका है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर वहां रहने और भोजन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

ग्रेटर नोएडा डीएम कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी ,नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा जिला अधिकारी (डीएम) कार्यालय को ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस और प्रशासनिक विभाग में हड़कंप मच गया। धमकी की सूचना मिलते ही थाना सूरजपुर पुलिस सक्रिय हो गई और सुरक्षा के लिहाज से पूरे कार्यालय परिसर को जांच के दायरे में ले लिया गया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ई-मेल के जरिए मिली धमकी को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कई सुरक्षा एजेंसियों को मौके पर बुलाया गया। बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वॉड, फायर ब्रिगेड, एंटी-सैबोटाज चेक टीम और डॉग स्क्वॉड की सहायता से डीएम कार्यालय के हर हिस्से की गहन तलाशी ली गई।

जांच टीमों ने कार्यालय परिसर, आसपास के क्षेत्रों और संदिग्ध स्थानों की बारीकी से जांच की। कई घंटों तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद भी पुलिस को कोई विस्फोटक सामग्री

या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली। पुलिस ने बताया कि धमकी भरे ई-मेल की तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है। साइबर टीम संदेश भेजने वाले व्यक्ति की पहचान करने और ई-मेल के स्रोत का पता लगाने में जुटी हुई है। पुलिस ई-मेल से जुड़े तकनीकी रिकॉर्ड और अन्य जानकारियों की जांच कर रही है।

प्रशासन की ओर से बताया गया कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह सामान्य है। डीएम कार्यालय में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और अधिकारियों की निगरानी में जांच प्रक्रिया जारी है। पुलिस और प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर विश्वास न करें। अधिकारियों ने कहा कि आम जनता केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और दोषी व्यक्ति की पहचान होने के बाद उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, धमकी भेजने वाले की तलाश के लिए अलग-अलग स्तर पर जांच की जा रही है। पुलिस जल्द ही मामले का खुलासा करने का प्रयास कर रही है।

दिल्ली पुलिस सब-इंस्पेक्टर ने सरकारी पिस्टल से की आत्महत्या

एजेंसी, पूर्वी दिल्ली। मधु विहार थाना में तैनात दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर सोमेश मीणा ने सोमवार को अपनी सरकारी सर्विस पिस्टल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पुलिस विभाग में शोक का माहौल है। मृतक वर्ष 2019 बैच के सब-इंस्पेक्टर बताए जा रहे हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना मधु विहार थाना परिसर के ऊपर स्थित पुलिस बैरक में हुई। बताया जा रहा है कि गोली चलने की आवाज सुनकर अन्य पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। वहां सब-इंस्पेक्टर सोमेश मीणा गंभीर हालत में मिले। पुलिसकर्मियों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही परिजनों को भी घटना की

जानकारी दे दी गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अभी तक आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि घटना से पहले सब-इंस्पेक्टर की मानसिक स्थिति कैसी थी और क्या उन्होंने कोई सुसाइड नोट छोड़ा है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सोमेश मीणा का लंबे समय से मानसिक तनाव और डिप्रेशन को लेकर इलाज चल रहा था। उनका इलाज रोहतक और रोहिणी के अस्पतालों में चलने की जानकारी सामने आई है।

दिल्ली की विरासत पर शोध के लिए शुरू होंगी फेलोशिप योजनाएं

ऐतिहासिक हवेलियों, दस्तावेजों और पुरातात्विक स्थलों के संरक्षण के लिए शोधकर्ताओं को मिलेगी आर्थिक सहायता

एजेंसी, नईदिल्ली

दिल्ली सरकार ने राजधानी की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पुरातात्विक विरासत के संरक्षण तथा अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 'अभिलेखागार अनुसंधान फेलोशिप' और 'पुरातत्व अनुसंधान फेलोशिप' योजनाओं को मंजूरी दे दी गई है। इन योजनाओं के माध्यम से दिल्ली की हजारों वर्षों पुरानी विरासत पर वैज्ञानिक शोध, दस्तावेजीकरण और डिजिटलीकरण का कार्य किया जाएगा।

सरकार का कहना है कि इन फेलोशिप योजनाओं से इतिहासकारों, शोधकर्ताओं, अभिलेख विशेषज्ञों, संरक्षण विशेषज्ञों और भाषाविदों को शोध के लिए एक संस्थागत मंच मिलेगा। इसके जरिए दिल्ली के पुराने दस्तावेजों, ऐतिहासिक रिकॉर्ड और पुरातात्विक स्थलों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों को सुरक्षित किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री रेखा

गुप्ता ने कहा कि दिल्ली केवल देश की राजधानी नहीं है, बल्कि यह हजारों वर्षों की सभ्यता, संस्कृति और इतिहास की जीवंत धरोहर है। उन्होंने कहा कि इस विरासत का संरक्षण, व्यवस्थित अध्ययन और आने वाली पीढ़ियों तक इसकी जानकारी पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

अभिलेखागार अनुसंधान फेलोशिप में होंगे ये कार्य

इस योजना के तहत चयनित शोधकर्ताओं को पुराने रिकॉर्ड के प्रबंधन, अभिलेखीय सामग्री के संरक्षण और दस्तावेजों के डिजिटलीकरण पर काम करना होगा। इसके अलावा माइक्रो-फिल्मिंग, रिप्रोग्राफी, शोध एवं प्रकाशन तथा उर्दू और फारसी जैसी पुरानी भाषाओं से जुड़े अभिलेखों का अध्ययन भी किया जाएगा। सरकार के अनुसार, इस फेलोशिप के लिए हर वर्ष 15 शोधकर्ताओं का चयन किया जाएगा। चयनित फेलो को एक वर्ष की अवधि तक प्रतिमाह 25 हजार से 50 हजार रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

पुरातत्व अनुसंधान फेलोशिप से धरोहरों का होगा अध्ययन

पुरातत्व अनुसंधान फेलोशिप के तहत दिल्ली के ऐतिहासिक स्मारकों, पुरातात्विक स्थलों और कम चर्चित धरोहरों के इतिहास, वास्तुकला, संरक्षण और पुरातत्व से जुड़े विषयों पर शोध किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे दिल्ली की विरासत को संरक्षित करने के साथ-साथ सांस्कृतिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इस योजना के तहत हर वर्ष 12 शोधकर्ताओं का चयन किया जाएगा और उन्हें भी एक साल तक 25 हजार से 50 हजार रुपये प्रतिमाह फेलोशिप प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों योजनाओं से अभिलेख, पुरातत्व और विरासत संरक्षण के क्षेत्र में विशेषज्ञों का मजबूत समूह तैयार होगा। इससे शोध कार्यों को नई दिशा मिलेगी और दिल्ली की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण को मजबूती मिलेगी।

महिला समृद्धि योजना का नया रूप, अब 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' से मिलेगा सहारा

एजेंसी ,नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने महिलाओं को आर्थिक सहायता देने वाली अपनी महत्वाकांक्षी योजना 'महिला समृद्धि योजना' का नाम बदलकर अब 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' कर दिया है। सरकार ने योजना के नाम में बदलाव को मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

सरकार के अनुसार, योजना का लाभ दिल्ली की उन महिलाओं को मिलेगा, जिनकी उम्र 21 से 60 वर्ष के बीच होगी। इस योजना को रक्षाबंधन के अवसर पर 28 अगस्त से शुरू किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

योजना का लाभ लेने के लिए कुछ जरूरी शर्तें तय की गई हैं। आवेदक महिला का दिल्ली की निवासी होना आवश्यक होगा और उसे कम से कम 10 वर्षों से दिल्ली में रहना चाहिए। इसके अलावा महिला या उसके परिवार की वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से अधिक नहीं

होनी चाहिए। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन महिलाओं का कोई आपराधिक रिकॉर्ड होगा, उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। पात्रता की सभी शर्तों को पूरा करने वाली महिलाओं को ही आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

दिल्ली सरकार का अनुमान है कि इस योजना से राजधानी की करीब 17 लाख महिलाओं को सीधा लाभ मिलेगा। सरकार का कहना है कि योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना है। योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया, दस्तावेजों और अन्य नियमों से संबंधित विस्तृत जानकारी जल्द जारी की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, योजना को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए संबंधित विभागों को तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

उमर को भाजपा का 100 करोड़ का नोटिस जारी

भाजपा ने सीएम के खिलाफ 100 करोड़ के मानहानि दावे की चेतावनी दी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की राजनीति में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और भारतीय जनता पार्टी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का विवाद अब कानूनी मोड़ ले चुका है। भाजपा ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को 100 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस भेजते हुए सात दिनों के भीतर अपने आरोपों के समर्थन में ठोस सबूत पेश करने या सार्वजनिक रूप से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की है। इस घटनाक्रम ने प्रदेश की राजनीति को एक बार फिर गरमा दिया है और सियासी हलकों में इस मुद्दे को लेकर तीखी बहस शुरू हो गई है। भाजपा का कहना है कि मुख्यमंत्री द्वारा लगाए गए आरोप पूरी तरह निराधार, झूठे और पार्टी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाले हैं।

इसलिए यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर आरोपों के समर्थन में कोई विश्वसनीय साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए जाते हैं, तो पार्टी उनके खिलाफ 100 करोड़ रुपये के हर्जाने का दीवानी मानहानि मुकदमा दायर करने के साथ-साथ अन्य कानूनी विकल्पों का भी सहारा लेगी। यह नोटिस भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई की ओर से पार्टी अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सतपाल शर्मा के निर्देश पर अधिवक्ता परिमोक्ष सेठ के माध्यम से भेजा गया है।

नोटिस में यह भी कहा गया है कि मुख्यमंत्री के बयानों से भाजपा और उसके पदाधिकारियों की सार्वजनिक छवि को गंभीर क्षति पहुंची है तथा इससे राजनीतिक मर्यादाओं का भी उल्लंघन हुआ है। विवाद की शुरुआत उस समय हुई जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पिछले सप्ताह हजरतबल में नेशनल कॉन्फ्रेंस के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया था कि भाजपा उनकी सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी के जम्मू क्षेत्र के एक विधायक को भाजपा की ओर से 20 से 30 करोड़ रुपये की पेशकश, मंत्री पद और जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल कराने का आश्वासन देकर पार्टी बदलने के लिए संपर्क किया गया। मुख्यमंत्री ने इन आरोपों के जरिए भाजपा पर लोकतांत्रिक जनादेश को प्रभावित करने और पीछे के रास्ते से सरकार गिराने की कोशिश करने का आरोप लगाया था।

उनके इस बयान के बाद भाजपा ने आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री बिना किसी प्रमाण के गंभीर आरोप लगा रहे हैं, जिससे जनता के बीच भ्रम फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा नेताओं का कहना है कि यदि मुख्यमंत्री के पास ऐसे आरोपों के समर्थन में कोई तथ्य या साक्ष्य हैं तो उन्हें सार्वजनिक करना चाहिए। यदि ऐसा नहीं है तो उन्हें राजनीतिक शिष्टाचार का पालन करते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

सबूत दो या माफी मांगो : भाजपा

कानूनी नोटिस में मुख्यमंत्री से यह भी अपेक्षा की गई है कि वे लिखित रूप से अपने बयान वापस लें, सात दिनों के भीतर बिना शर्त सार्वजनिक माफी जारी करें और भविष्य में भाजपा के खिलाफ इस प्रकार के कथित मानहानिकारक आरोप लगाने से परहेज करें। भाजपा ने स्पष्ट किया है कि यदि इन शर्तों का पालन नहीं किया गया तो सक्षम न्यायालय में दीवानी और आपराधिक दोनों प्रकार की कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। इस पूरे घटनाक्रम ने जम्मू-कश्मीर की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है।

जम्मू मेडिकल कॉलेज में 2026-27 सत्र से 250 सीटों पर होंगे एमबीबीएस दाखिले

जीएमसी जम्मू में बढ़ीं 50 एमबीबीएस सीटें

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज के लिए चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। नेशनल मेडिकल कमीशन ने जीएमसी जम्मू में एमबीबीएस की 50 अतिरिक्त सीटों को मंजूरी प्रदान कर दी है। इस मंजूरी के बाद वर्ष 2026-27 के शैक्षणिक सत्र से कॉलेज में एमबीबीएस दाखिले की कुल क्षमता 200 से बढ़कर 250 हो जाएगी। सीटों में यह वृद्धि चिकित्सा शिक्षा के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक बड़ा अवसर लेकर आई है और इससे जम्मू-कश्मीर में स्वास्थ्य क्षेत्र को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।**

नेशनल मेडिकल कमीशन के अंतर्गत मेडिकल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड की ओर से जारी लेटर ऑफ परमिशन के माध्यम से यह स्वीकृति दी गई है। एनएमसी ने जम्मू विश्वविद्यालय के तहत संचालित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज जम्मू की ओर से भेजे गए प्रस्ताव की विस्तृत समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया। कॉलेज में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं, शिक्षकों की संख्या, अस्पताल की क्षमता, प्रशिक्षण व्यवस्था और चिकित्सा शिक्षा से जुड़े अन्य मानकों का निरीक्षण करने के बाद सीटों में वृद्धि को मंजूरी दी गई। यह मंजूरी नेशनल मेडिकल कमीशन एक्ट 2019 और अंडरग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन स्टैंडर्ड्स रेगुलेशंस 2023 के निर्धारित नियमों के अनुसार प्रदान की गई है।**

एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ने से जम्मू संभाग और आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को मेडिकल शिक्षा प्राप्त करने के अधिक अवसर मिलेंगे। हर वर्ष बड़ी संख्या में विद्यार्थी मेडिकल क्षेत्र में प्रवेश के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं में हिस्सा लेते हैं, लेकिन सीमित सीटों के कारण कई योग्य उम्मीदवारों को अवसर नहीं मिल पाता। अब 50 अतिरिक्त सीटें बढ़ने से अधिक विद्यार्थियों का डॉक्टर बनने का सपना पूरा हो सकेगा।**

गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज जम्मू जम्मू-कश्मीर के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में शामिल है। यहां न केवल मेडिकल शिक्षा प्रदान की जाती है बल्कि बड़ी संख्या में मरीजों को उपचार सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। एमबीबीएस सीटों में वृद्धि के साथ कॉलेज में शैक्षणिक गतिविधियों और चिकित्सा प्रशिक्षण का दायरा भी बढ़ेगा। अधिक संख्या में विद्यार्थी अस्पतालों में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, जिससे उन्हें व्यावहारिक चिकित्सा अनुभव मिलेगा और भविष्य में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सक्षम डॉक्टर तैयार होंगे।**

स्वास्थ्य क्षेत्र में डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाना वर्तमान समय की बड़ी आवश्यकता है। जम्मू-कश्मीर जैसे भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की मांग लगातार बढ़ रही है। मेडिकल सीटों में वृद्धि को इसी दिशा में एक सकारात्मक पहल माना जा रहा है।

◆ जम्मू मेडिकल कॉलेज में अब होंगी 250 एमबीबीएस सीटें

जीएमसी जम्मू की सीट क्षमता में हुआ बड़ा इजाफा

प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से मेडिकल शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार, अस्पतालों की क्षमता बढ़ाना और विद्यार्थियों को बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराना इन प्रयासों का हिस्सा है। एनएमसी की मंजूरी इस बात का संकेत है कि जीएमसी जम्मू ने चिकित्सा शिक्षा के निर्धारित मानकों को पूरा किया है और संस्थान विस्तार के लिए तैयार है।

चिनाब उफान पर, सलाल बांध के गेट खुले

चिनाब नदी के रौद्र रूप ने बढ़ाई चिंता, जलस्तर बढ़ने पर बांध के गेट खुले

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण चिनाब नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया, जिसके चलते प्रशासन को एहतियातन सलाल जलविद्युत परियोजना के स्पिलवे गेट खोलने पड़े। नदी में बढ़ते जलप्रवाह को नियंत्रित करने और बांध पर अतिरिक्त दबाव कम करने के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत पानी छोड़ा गया। बांध के गेट खुलने के बाद बड़ी मात्रा में पानी तेज वेग से नीचे की ओर बहता दिखाई दिया, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कदम पूरी तरह सुरक्षा मानकों के तहत उठाया गया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। भारी बारिश के कारण चिनाब नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, इसलिए जल संसाधन विभाग और आपदा प्रबंधन से जुड़ी एजेंसियां चौबीसों घंटे निगरानी कर रही हैं। अधिकारियों ने नदी के किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने तथा बिना आवश्यकता नदी के आसपास नहीं जाने की अपील की है।

स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक सूचनाओं का पालन करने को कहा है। मानसून के दौरान पहाड़ी क्षेत्रों में अचानक जलस्तर बढ़ने की घटनाएं सामान्य मानी जाती हैं, लेकिन ऐसी परिस्थितियों में समय पर सतर्कता और प्रभावी प्रबंधन अत्यंत आवश्यक होता है।

ब्रेक फेल होने से अमरनाथ यात्रियों की बस भिड़ी, 18 घायल

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा 2026 के दौरान सोमवार सुबह जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामबन जिले के चंदरकोट लंगर स्थल के पास श्रद्धालुओं के काफिले में शामिल वाहनों की आपस में टक्कर होने से 18 श्रद्धालु घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार यह दुर्घटना सुबह करीब 7 बजकर 20 मिनट पर हुई, जब पहलगाम मार्ग की ओर बढ़ रहे काफिले में शामिल एक बस के अचानक ब्रेक फेल हो गए। नियंत्रण खोने के बाद बस आगे चल रहे वाहन से टकरा गई, जिसके कारण पीछे आ रही एक अन्य बस और एक कार भी दुर्घटना की चपेट में आ गई।

हादसे में तीनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और घटनास्थल पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन, राहत एवं बचाव दल तथा स्वास्थ्य विभाग की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं और घायलों को सुरक्षित निकालकर जिला अस्पताल रामबन पहुंचाया गया।

अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. सुदर्शन सिंह कटोच ने बताया कि कुल 18 घायल अस्पताल लाए गए थे। सभी का तत्काल उपचार किया गया और चिकित्सकीय जांच के बाद उनकी स्थिति सामान्य पाए जाने पर उन्हें छुट्टी दे दी गई। इस घटना के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा, हालांकि राहत एवं बचाव कार्य पूरा होने के बाद मार्ग को फिर से खोल दिया गया और वाहनों की आवाजाही सामान्य कर दी गई।

अमरनाथ यात्रा में सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

प्रशासन ने यात्रा में शामिल सभी वाहन चालकों को सतर्कता बरतने, वाहनों की तकनीकी जांच कराने तथा निर्धारित गति सीमा और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने की सलाह दी है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।

कांग्रेस ने उठाया राम मंदिर दान घोटाले का मुद्दा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में सोमवार को जम्मू में कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने राम मंदिर से जुड़े कथित दान घोटाले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले की पूरी सच्चाई जनता के सामने आनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि युवाओं के भविष्य से जुड़े ऐसे मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जा सकती। उन्होंने मांग की कि पेपर लीक के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं। इसके अलावा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग भी दोहराई। नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार ने जो वादा किया था उसे पूरा करते हुए जल्द से जल्द राज्य का दर्जा वापस देना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई-कठुआ पुलिस ने 11 वाहन किए जब्त

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ। अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जम्मू-कश्मीर पुलिस कठुआ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 11 वाहनों को जब्त किया है। यह कार्रवाई एसएसपी कठुआ मोहित शर्मा आईपीएस के समग्र पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस थाना लखनपुर के अधिकार क्षेत्र में कीढ़ियां क्षेत्र में नाका चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने 10 वाहनों को पकड़ा जिनमें 7 डंपर और 3 ट्रैक्टर-ट्रॉली शामिल हैं।

सोने के सिक्के देने का झांसा देकर 12 लाख ठगने वाला आरोपी अनंतनाग पुलिस के हत्थे चढ़ा

भारतेंदु संवाददाता, अनंतनाग। अनंतनाग पुलिस ने सोने के सिक्कों की धोखाधड़ी में संलिप्तता के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि आरोपी की पहचान सज्जाद अहमद बेग पुत्र लस्सा बेग निवासी द्रावे लरनू के रूप में हुई है। उसे लरनू पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर संख्या 27/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 351(2) और 61(2) के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया है।

कश्मीर के पहलगाम में बादल फटने से कई होटल और घर जलमग्न

भारतेंदु संवाददाता, पहलगाम। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम स्थित अवूरा क्षेत्र में बादल फटने की घटना ने भारी तबाही मचा दी। अचानक आए तेज सैलाब ने पूरे इलाके का स्वरूप बदल दिया और कई घरों, होटलों तथा अन्य इमारतों को गंभीर नुकसान पहुंचाया। सैलाब का पानी रिहायशी इलाकों में घुस गया, जिससे कई मकानों के कमरों में पानी और कीचड़ भर गया, जबकि कुछ मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए।

श्रीनगर डाउनटाउन में सुरक्षा तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे डीजीपी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात ने सोमवार को श्रीनगर के डाउनटाउन में सुरक्षा स्थिति की व्यापक समीक्षा की और पुराने शहर के प्रमुख स्थानों पर तैनाती और परिचालन तैयारियों का जमीनी निरीक्षण किया। डीजीपी के साथ कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वी.के. बर्डी, मध्य कश्मीर के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) और श्रीनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) भी थे।

भाजपा मुख्यालय में शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में युवाओं की बौद्धिक क्षमता और मानसिक कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सत शर्मा ने किया। इस अवसर पर सत शर्मा ने कहा कि शतरंज केवल एक खेल नहीं बल्कि रणनीति, धैर्य, एकाग्रता और निर्णय क्षमता को विकसित करने का प्रभावी माध्यम है।

'जम्मू स्टेट मूवमेंट' का हुआ गठन

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर गठित 'जम्मू स्टेट मूवमेंट' के बैनर तले आज तवी पुल स्थित महाराजा हरि सिंह जी की प्रतिमा के समक्ष विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक और सिविल सोसाइटी संगठनों के प्रतिनिधियों ने एकत्र होकर राज्य के दर्जे की मांग को लेकर संकल्प लिया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि जम्मू के विकास, रोजगार और क्षेत्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए राज्य का दर्जा बहाल किया जाना आवश्यक है। कार्यक्रम में आंदोलन को लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया गया। साथ ही आंदोलन की आगामी रणनीति की भी घोषणा की गई। आयोजकों ने कहा कि आने वाले दिनों में विभिन्न संगठनों और आम जनता को इस अभियान से जोड़ते हुए राज्य के दर्जे की मांग को और व्यापक बनाया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर का इतिहास मिटाया नहीं जा सकता: महबूबा

1931 शहीदों की याद में महबूबा का हमला, भाजपा पर लगाए इतिहास बदलने के आरोप

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर में शहीद दिवस के अवसर पर एक बार फिर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने 1931 के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि भाजपा इस ऐतिहासिक घटना को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि इतिहास को किसी भी राजनीतिक दबाव या सरकारी आदेश से मिटाया नहीं जा सकता और 1931 में मारे गए लोगों का बलिदान जम्मू-कश्मीर के इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को श्रीनगर स्थित पीडीपी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 13 जुलाई 1931 की घटना में मारे गए 22 प्रदर्शनकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने तत्कालीन डोगरा महाराजा हरि सिंह के शासन के खिलाफ आवाज उठाई थी और जनता के अधिकारों तथा न्याय के लिए संघर्ष करते हुए अपनी जान गंवाई। पीडीपी प्रमुख ने दावा किया कि 1931 के शहीदों का योगदान जम्मू-कश्मीर में अधिकारों और राजनीतिक जागरूकता की नींव से जुड़ा हुआ है।**

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जिन लोगों ने अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई और अपने प्राणों का बलिदान दिया, उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी इस घटना को हिंदू-मुस्लिम, डोगरा-कश्मीरी और जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक मुद्दे के रूप में पेश करने का प्रयास कर रही है। महबूबा ने कहा कि इतिहास को राजनीतिक नजरिए से बदलने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि किसी भी समाज की पहचान उसके इतिहास और यादों से जुड़ी होती है।**

पीडीपी प्रमुख ने 1931 के शहीदों के बलिदान की तुलना देश के स्वतंत्रता आंदोलन के कई प्रमुख सेनानियों से की। उन्होंने भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु और अशफाक उल्ला खान जैसे स्वतंत्रता सेनानियों का उल्लेख करते हुए कहा कि जिन्होंने अधिकारों और न्याय के लिए संघर्ष किया, उनका सम्मान किया जाना चाहिए।

महबूबा ने भाजपा पर लगाए गंभीर आरोप

महबूबा मुफ्ती ने प्रशासन द्वारा श्रीनगर के नख्शबंद साहिब इलाके में लगाए गए प्रतिबंधों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि नेताओं और आम लोगों को शहीदों की कब्रगाह पर जाकर श्रद्धांजलि देने से रोका गया। उन्होंने कहा कि लोगों की भावनाओं और ऐतिहासिक यादों को किसी भी आदेश के जरिए समाप्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि यदि वह शहीदों का सम्मान नहीं कर सकता तो कम से कम लोगों को श्रद्धांजलि देने से नहीं रोके।

बारामूला में महसूस हुए हल्के भूकंप के झटके

भारतेंदु संवाददाता, बारामूला। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सोमवार तड़के भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे कुछ देर के लिए लोगों में दहशत का माहौल बन गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप 13 जुलाई 2026 को सुबह 2 बजकर 00 मिनट 31 सेकंड पर आया। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.6 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र बारामूला में जमीन से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। विभाग के अनुसार इसका स्थान 34.246 उत्तरी अक्षांश और 74.456 पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। झटके महसूस होते ही कई लोग नींद से जाग गए और एहतियात के तौर पर अपने घरों से बाहर निकल आए।

कुछ समय तक लोग खुले स्थानों पर ही रहे। हालांकि भूकंप की तीव्रता अपेक्षाकृत कम होने के कारण किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान, घायल होने या भवनों को क्षति पहुंचने की कोई सूचना नहीं मिली है। स्थानीय प्रशासन और संबंधित एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि भूकंप की स्थिति में घबराने के बजाय सुरक्षित स्थान पर जाना और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना चाहिए।

पुस्तक विवाद में तीनों प्रकाशक 10 दिन की पुलिस हिरासत में

सरकारी पुस्तकालयों में पहुंचीं विवादित पुस्तकों के मामले में कार्रवाई हुई तेज

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी नेताओं का कथित महिमामंडन करने वाली पुस्तकों के प्रकाशन और वितरण से जुड़े मामले में जांच तेज हो गई है। इसी क्रम में जम्मू की एक अदालत ने तीन प्रकाशकों को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है, ताकि मामले की गहन जांच की जा सके। यह कार्रवाई जम्मू की काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट द्वारा दर्ज मामले के तहत की गई है। जांच एजेंसी ने रविवार को तीन प्रकाशकों को गिरफ्तार किया था, जिन्हें सोमवार को वर्चुअल माध्यम से अदालत में पेश किया गया। अदालत ने पुलिस की दलीलों पर विचार करने के बाद आगे की पूछताछ और जांच के लिए 10 दिन की पुलिस हिरासत की अनुमति दे दी।

यह मामला उन पुस्तकों से जुड़ा है, जिन्हें सरकारी पुस्तकालयों में उपलब्ध कराया गया था और जिन पर आरोप है कि उनमें अलगाववादी नेताओं का महिमामंडन किया गया है। जांच के दायरे में दो प्रमुख पुस्तकें शामिल हैं। इनमें हिलाल अहमद और संतोष मीना द्वारा लिखित तथा जम्मू स्थित ओबेरॉय बुक सर्विस द्वारा प्रकाशित **'जम्मू-कश्मीर के व्यक्तित्व और दिग्गज'** तथा सुशांत गिरी द्वारा लिखित और दिल्ली स्थित अनुराग प्रकाशन द्वारा प्रकाशित **'जम्मू और कश्मीर के महान व्यक्तित्व'** शामिल हैं।

जांच एजेंसियों का मानना है कि इन पुस्तकों की सामग्री की विस्तृत जांच आवश्यक है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि इन्हें सरकारी पुस्तकालयों तक किस प्रक्रिया के तहत पहुंचाया गया। गिरफ्तार किए गए प्रकाशकों में ओबेरॉय बुक सर्विस के इंदरपाल तथा नोएडा स्थित डोमिनेंट पब्लिशर्स के अमरदीप सिंह और गिरीश अरोड़ा शामिल हैं।

जम्मू में पुस्तक विवाद की जांच तेज

विशेषज्ञों का मानना है कि सार्वजनिक संस्थानों में उपलब्ध कराई जाने वाली पुस्तकों की सामग्री का निष्पक्ष परीक्षण लोकतांत्रिक व्यवस्था की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। फिलहाल सभी की निगाहें पुलिस जांच पर टिकी हैं, क्योंकि इसी के आधार पर यह स्पष्ट होगा कि मामले में आगे क्या कानूनी कार्रवाई की जाती है और क्या इस प्रकरण में अन्य लोगों की संलिप्तता भी सामने आती है।

आस्था बाबा बर्फानी के दरबार में उमड़ी आस्था, अमरनाथ यात्रा ने इस वर्ष तोड़े पिछले सभी रिकॉर्ड

2.30 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। इस वर्ष की अमरनाथ यात्रा श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व आस्था और उत्साह के कारण लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। 3 जुलाई से आरंभ हुई पवित्र यात्रा में अब तक 2.30 लाख से अधिक श्रद्धालु दक्षिण कश्मीर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या ने पिछले वर्षों के कई रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिए हैं। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से 11वां जत्था पूरे उत्साह और भक्ति भाव के साथ पवित्र गुफा के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे में कुल 9,153 श्रद्धालु शामिल थे, जिन्हें कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 359 वाहनों के काफिले में बालटाल और नूनवान-पहलगाम आधार शिविरों के लिए भेजा गया।

इनमें 6,522 पुरुष, 2,233 महिलाएं, 18 बच्चे, 267 साधु, 112 साध्वियां तथा एक साधु बालक शामिल थे। पहला काफिला तड़के लगभग 2 बजकर 44 मिनट पर बालटाल मार्ग के लिए रवाना हुआ, जिसमें 3,429 श्रद्धालु शामिल थे। इसके बाद सुबह लगभग 3 बजकर 35 मिनट पर दूसरा काफिला नूनवान-पहलगाम आधार शिविर के लिए रवाना हुआ, जिसमें 5,724 श्रद्धालु शामिल थे।

अब तक जम्मू से 79,947 से अधिक तीर्थयात्री बालटाल और पहलगाम आधार शिविरों के लिए भेजे जा चुके हैं, जहां से वे निर्धारित मार्गों के माध्यम से पवित्र गुफा तक पहुंच रहे हैं। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की है।

पूरे यात्रा मार्ग पर आधुनिक निगरानी उपकरणों, सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन और प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की सहायता से चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है।

इसके साथ ही चिकित्सा सुविधाओं, आपातकालीन सहायता, पेयजल, भोजन, विश्राम स्थलों तथा संचार व्यवस्था को भी मजबूत बनाया गया है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। प्रशासन लगातार मौसम की स्थिति पर भी नजर बनाए हुए है और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

अमरनाथ यात्रा 2026 ने बनाया नया कीर्तिमान

यात्रा मार्ग पर विभिन्न विभागों और सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि बाबा बर्फानी के प्रति लोगों की आस्था पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है।

खेल और शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रहा हिमाचल : रोहित

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने उद्योग, संसदीय मामले एवं श्रम रोजगार मंत्री हर्षवर्धन चौहान की उपस्थिति में पीएम श्री राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला शिलाई में छात्रा कबड्डी खेल छात्रावास का लोकार्पण किया।

उद्योग मंत्री तथा शिक्षा मंत्री ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इससे पूर्व उद्योग मंत्री और शिक्षा मंत्री के शिलाई पहुंचने पर क्षेत्रवासियों ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ बड़ी गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने छात्रा कबड्डी खेल छात्रावास के लोकार्पण पर क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि इस छात्रावास के आरंभ होने से क्षेत्र की प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शिलाई में ही बेहतर प्रशिक्षण एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा वे अपनी खेल प्रतिभा को और निखार सकेंगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के अनेक खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि शिलाई विधानसभा क्षेत्र की चार बेटियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। शिक्षा मंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए क्षेत्रवासियों को छात्रा कबड्डी खेल छात्रावास के लोकार्पण की बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज शिलाई खेल छात्रावास का उद्घाटन सिरमौर की गौरवशाली कबड्डी परंपरा को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक अवसर है। रितु नेगी, पुष्पा नेगी, प्रियंका नेगी, साक्षी शर्मा सहित अनेक बेटियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल प्रदेश एवं भारत का गौरव बढ़ाया है। प्रदेश के सभी खेल छात्रावासों में आधुनिक खेल उपकरण, भवनों के नवीनीकरण एवं खिलाड़ियों की आवासीय सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर व्यापक कार्य किया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने सिविल अस्पताल हरोली में अतिरिक्त 50 बिस्तरों वाले भवन की रखी आधारशिला

8.42 करोड़ से बनेगा 50 बिस्तरों वाला नया भवन

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। हरोली के स्वास्थ्य क्षेत्र को एक और बड़ी सौगात देते हुए उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने सिविल अस्पताल हरोली में अतिरिक्त 50 बिस्तरों वाले भवन की आधारशिला रखी। लगभग 8.42 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह भवन अस्पताल की स्वास्थ्य अधोसंरचना को और सुदृढ़ करेगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भवन का निर्माण एक वर्ष के भीतर पूरा कर लिया जाएगा, जिससे हरोली सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर, आधुनिक एवं अधिक सुविधाजनक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने सिविल अस्पताल हरोली को 100 बिस्तरों वाले अस्पताल के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है और उसी के अनुरूप अतिरिक्त 50 बिस्तरों के लिए इस भवन का निर्माण किया जा रहा है। भवन तैयार होने के बाद अस्पताल में मरीजों को अधिक व्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी तथा बढ़ती स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने में भी सहायता मिलेगी। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि सिविल अस्पताल हरोली में वर्तमान में 11 चिकित्सक कार्यरत हैं तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि हरोली विधानसभा क्षेत्र का कोई भी स्वास्थ्य संस्थान चिकित्सकों के बिना नहीं है। क्षेत्र में ईएसआई अस्पताल खोलने के प्रयास भी किए जा रहे हैं, ताकि लोगों को और अधिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों के लिए आवासों का निर्माण भी किया जाएगा। इसके अलावा सिविल अस्पताल हरोली को शीघ्र ही लगभग 25 लाख रुपये की लागत वाली पूर्णतः सुसज्जित आधुनिक एंबुलेंस उपलब्ध करवाई जाएगी, जिससे आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं और अधिक प्रभावी बनेंगी।

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सरकार की प्राथमिकता

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक को उसके घर के निकट बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसी सोच के अनुरूप प्रदेशभर में स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में आधुनिक सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भी सरकार निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव रंजीत राणा, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संदीप अग्निहोत्री, जल प्रबंधन बोर्ड के सदस्य पवन ठाकुर, परिवहन निगम सदस्य अशोक ठाकुर, जिला परिषद सदस्य केवल सिंह, सुलिंदर कौर एवं ज्योति बाला, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमन ठाकुर, जिला कांग्रेस लीगल सेल के अध्यक्ष अधिवक्ता वीरेंद्र मनकोटिया, सतीश बिट्टू, विनोद बिट्टू, अतिरिक्त उपायुक्त ईशांत जसवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसके वर्मा, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजय मनकोटिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अपनी कुर्सी बचाने को मंत्रियों के अपमान से भी गुरेज नहीं कर रहे सीएम सुक्खू : जयराम

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने विपाशा सदन मंडी में आयोजित द्रंग विधानसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में बतौर मुख्यातिथि शिरकत कर नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को सम्मानित किया, उनसे शिष्टाचार भेंट की और उन्हें नवीन दायित्वों के लिए बधाई व शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों से त्रस्त होकर 17 लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की, जिनका जयराम ठाकुर ने स्वागत किया और उम्मीद जताई कि सभी जनप्रतिनिधि संगठन की विचारधारा तथा जनसेवा के संकल्प के साथ क्षेत्र के सर्वांगीण विकास व जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि के नाते मिले दायित्व को सभी पूरी ईमानदारी से निभाएंगे, क्योंकि इस चुनाव के लिए भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट तक लंबी लड़ाई लड़ी है, जबकि कांग्रेस की सुक्खू सरकार ने लोकतंत्र को कुचलने और आठ महीने तक कामकाज रोकने का काम किया है। उन्होंने दावा किया कि हिमाचल प्रदेश में 70 प्रतिशत जनप्रतिनिधि भाजपा के जीते हैं और जनता ने पंचायत चुनावों के माध्यम से कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनादेश दिया है, जिसका चार साल का कार्यकाल पूरा होने के साथ ही अब उतराई का समय शुरू हो चुका है और लोग भाजपा सरकार की वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आपदा एक्ट की आड़ लेकर चुनाव टालने और जीतने के बाद भी डेढ़ महीने तक शपथ न दिलाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बहुमत से डरे हुए हैं और जनादेश को प्रभावित करने के लिए धनबल व सत्ता का डर दिखाकर जीते हुए प्रतिनिधियों को खरीदने का असफल प्रयास कर रहे हैं, जिससे उनमें भारी हताशा है।

न्यूज ब्रीफ

हिमाचल में आलू फसल पर 'लेट ब्लाइट' का खतरा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई), शिमला ने हिमाचल प्रदेश के आलू उत्पादक किसानों को पिछेता झुलसा (लेट ब्लाइट) रोग के संभावित प्रकोप को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। संस्थान द्वारा विकसित इंडो-ब्लाइटकास्ट (पैन इंडिया) पूर्वानुमान मॉडल के अनुसार वर्तमान मौसम की परिस्थितियां इस बीमारी के प्रसार के लिए अनुकूल हैं, जिससे आगामी दिनों में इसका प्रकोप बढ़ने की आशंका है। पौध संरक्षण संभाग के अध्यक्ष डॉ. संजीव शर्मा ने किसानों से समय रहते बचाव के उपाय अपनाने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि जिन खेतों में अभी तक बीमारी के लक्षण दिखाई नहीं दिए हैं और फफूंदनाशक का छिड़काव नहीं किया गया है, वहां मैन्कोजेब अथवा क्लोरोथालोनिल युक्त फफूंदनाशक का 0.2 से 0.25 प्रतिशत की दर (2.0-2.5 किलोग्राम दवा प्रति 1000 लीटर पानी) से प्रति हेक्टेयर छिड़काव किया जाए। यदि खेतों में लेट ब्लाइट के लक्षण दिखाई देने लगें, तो किसानों को डाइमेथोमोर्फ (1 ग्राम प्रति लीटर पानी), अमेटोक्ट्राडिन + डाइमेथोमोर्फ (2 मिली प्रति लीटर), डाइमेथोमोर्फ + मैन्कोजेब (कुल 3 ग्राम प्रति लीटर), फ्लुपिकोलाइड + प्रोपामोकार्ब (3 मिली प्रति लीटर) अथवा अजोक्सीस्ट्रोबिन + टेबुकोनाजोल (1 मिली प्रति लीटर) का छिड़काव करने की सलाह दी गई है।

नुक्कड़ नाटकों से दी योजनाओं की जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। सूचना व जन संपर्क विभाग द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के लिए प्रदेश सरकार की ओर से चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से विशेष प्रचार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत जिला बिलासपुर की श्री नयना देवी जी विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत घवांडल और खरकड़ी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभाग द्वारा अनुमोदित सांस्कृतिक दल जन चेतना कला मंच झंडूता के कलाकारों ने प्रधान मछेंद्र भारती के नेतृत्व में लोकगीतों और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कलाकारों ने शिक्षा, रोजगार, गृह अनुदान योजना, स्वास्थ्य सुविधाओं, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण तथा अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजनाओं के बारे में सरल भाषा में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने नशामुक्ति का संदेश भी दिया और लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत करवाते हुए इससे दूर रहने का आह्वान किया। कलाकारों ने बताया कि हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास निगम के माध्यम से पात्र लोगों को स्वरोजगार के लिए ऋण सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है। 18 से 55 वर्ष आयु वर्ग के अनुसूचित जाति से संबंधित लोग, जिनकी वार्षिक आय तीन लाख रुपये तक है, उन्हें व्यवसाय के लिए 50 हजार से 1.40 लाख रुपए तक का ऋण 6.50 प्रतिशत ब्याज दर पर तथा 50 लाख रुपए तक का ऋण 8 प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध करवाया जाता है। कार्यक्रम में करीब 50 से 60 ग्रामीणों ने भाग लिया। ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों से उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी आसानी से मिलती है और वे उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित होते हैं। इस अवसर पर ग्राम पंचायत खरकड़ी की प्रधान कांता देवी, वार्ड सदस्य बक्शो देवी, दौलत राम, मीरा देवी, राकेश, पानो देवी, अभिषेक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

घागस में आज व कल बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिजली उपमंडल-1 के सहायक अधिशाषी अभियंता ई. सन्नी जगोता ने जानकारी देते हुए बताया कि घागस अनुभाग के अंतर्गत बिजली लाइनों की आवश्यक मरम्मत और पेड़ों की कांट-छांट के कार्य के चलते कुछ क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि 14 जुलाई को घागस अनुभाग के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों छटोलजट्टा, घागस, बिनौला, कुड्डी, भराथू, दली, कंडेला, नोग, सुंगल, सिहड़ा, काहवी और मलाघाट में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इसी प्रकार 15 जुलाई को कंडेला, दली, नोग, कुड्डी, जंगलझलेड़ा तथा आसपास के क्षेत्रों में भी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। सहायक अभियंता ने बताया कि यह शटडाउन आवश्यक रखरखाव कार्यों के लिए लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शटडाउन की अवधि मौसम की परिस्थितियों पर निर्भर करेगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से सहयोग बनाए रखने की अपील की है।

बिलासपुर कॉलेज में पीजी पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया पूरी, 229 विद्यार्थी पाए योग्य

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर कॉलेज में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया के तहत सभी विषयों की पहली एडमिशन प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। विभिन्न पीजी पाठ्यक्रमों में कुल 229 विद्यार्थियों को प्रवेश मापदंडों के अनुसार योग्य पाया गया है। कॉलेज प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने बताया कि 13 जुलाई को संबंधित विभागों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए पहली प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली गई।

इसके तहत एमए इकोनॉमिक्स में 5, एमए इंग्लिश में 11, एमकॉम में 15, एमएससी केमिस्ट्री में 83, एमएससी मैथ्स में 67, एमएससी फिजिक्स में 29 तथा पीजीडीसीए प्रथम सेमेस्टर में 19 विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए योग्य पाया गया है। उन्होंने बताया कि योग्य विद्यार्थियों की पहली मेरिट सूची 14 जुलाई को दोपहर 2 बजे जारी की जाएगी। चयनित विद्यार्थियों को फीस जमा करने के लिए ऑनलाइन लिंक उपलब्ध करवाया जाएगा। विद्यार्थियों को 15 और 16 जुलाई 2026 तक फीस जमा करनी होगी। इसके बाद दूसरी मेरिट सूची 17 जुलाई 2026 को दोपहर 2 बजे जारी की जाएगी। प्राचार्य ने कहा कि कॉलेज में पीजी पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए अनुभवी और योग्य फैकल्टी उपलब्ध है तथा शिक्षण कार्य के लिए स्टाफ की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि सभी पाठ्यक्रमों में सीटों की संख्या 30-30 निर्धारित है। उन्होंने कहा कि सभी आवेदकों को प्रवेश प्रक्रिया और आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी पहले ही उपलब्ध करवा दी गई थी। सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश मेरिट के आधार पर दिया जाएगा। महाविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से निर्धारित समय अवधि के भीतर फीस जमा करने और प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने का आग्रह किया है।

नाबार्ड हिमाचल प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय ने मनाया 45वां स्थापना दिवस

1,113 प्राथमिक कृषि ऋण समितियां अब ई-पैक्स

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राष्ट्रीय कृषि व ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के हिमाचल प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय ने शिमला में अपना 45वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम का आयोजन राज्य में सतत कृषि को बढ़ावा देने, ग्रामीण संस्थाओं को मजबूत बनाने और आपदा-सहनीय ग्रामीण आधारभूत संरचना के निर्माण की प्रतिबद्धता के साथ किया गया।

कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के विभिन्न जिलों में तैनात नाबार्ड के सभी जिला विकास प्रबंधकों ने भाग लिया। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 में क्षेत्रीय कार्यालय की उपलब्धियों की समीक्षा की गई तथा आगामी वर्ष के लिए, विकासात्मक प्राथमिकताओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम को नाबार्ड हिमाचल प्रदेश के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. विवेक पठानियां ने संबोधित किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक संदीप शर्मा सहित क्षेत्रीय कार्यालय के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। डॉ. विवेक पठानिया ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में ग्रामीण ऋण व्यवस्था को सुदृढ़ करने में नाबार्ड महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान नाबार्ड ने प्रदेश में 4,213 करोड़ रुपए का पुनर्वित्त वितरण किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12.3 प्रतिशत अधिक है।

इससे कृषि, कृषि से जुड़ी गतिविधियों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में संस्थागत ऋण के प्रवाह को बढ़ावा मिला है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) के कंप्यूटरीकरण कार्यक्रम के तहत प्रदेश की 1,113 पैक्स अब ई-पैक्स के रूप में कार्य कर रही हैं। इससे सहकारी ऋण व्यवस्था में पारदर्शिता और कार्यकुशलता बढ़ेगी तथा किसानों और ग्रामीण सदस्यों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध होंगी। मुख्य महाप्रबंधक ने कहा कि पैक्स को मजबूत ग्रामीण व्यावसायिक संस्थाओं के रूप में विकसित करने के लिए आदर्श उपविधियों को अपनाने, नई बहुउद्देशीय पैक्स के गठन और मौजूदा पैक्स की गतिविधियों के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीण आधारभूत संरचना विकास निधि (आरआईडीएफ) के तहत प्रदेश में हुई प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 783 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

आगामी सत्र की परीक्षाओं में पूर्ण पारदर्शिता व गुणवत्ता जरूरी : डॉ. राजेश शर्मा

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला ने आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 की तैयारियों का शंखनाद कर दिया है। बोर्ड परीक्षाओं से लेकर शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) तक, सभी कार्यप्रणालियों को अचूक और पारदर्शी बनाने के लिए बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने शीर्ष अधिकारियों के साथ सोमवार को एक अहम बैठक की। इस उच्च स्तरीय मंथन में 'विद्यार्थी हित सर्वोपरि' के मूल मंत्र के साथ परीक्षा प्रबंधन में गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का कड़ा संदेश दिया गया। शिक्षा बोर्ड मुख्यालय में आयोजित इस बैठक में बोर्ड के सचिव, अतिरिक्त सचिव और सभी उप सचिव शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. राजेश शर्मा ने शाखावार कार्यों की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को उनके दायित्वों का बोध कराया।

एनएसयूआई ने हिमाचल में संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया शुरू की

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने हिमाचल प्रदेश में अपनी आंतरिक संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया का शुभारंभ कर दिया है। शिमला में आयोजित पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री सुक्खू विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर एनएसयूआई चुनाव समन्वयक विवेक गिरी, केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के सदस्य किरण मुगबासव, केके शास्त्री और पीआरओ कौशल पंडित मौजूद रहे। एनएसयूआई ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण और राज्य चुनाव पर्यवेक्षकों की निगरानी में संगठन के संविधान के अनुसार पूरी की जाएगी। इसका उद्देश्य संगठन में पारदर्शिता, लोकतांत्रिक व्यवस्था और विद्यार्थियों की भागीदारी को मजबूत करना है। चुनाव कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय इकाई चुनावों के लिए 24 से 28 जुलाई 2026 तक नामांकन होंगे।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' से सुशासन होगा अधिक प्रभावी : अनुराग ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा है कि वन नेशन, वन इलेक्शन व्यवस्था देश में सुशासन को नई मजबूती प्रदान करेगी।

इससे बार-बार होने वाले चुनावों पर होने वाले व्यय में कमी आएगी, विकास कार्यों में निरंतरता बनी रहेगी और सरकारें अधिक प्रभावी ढंग से जनकल्याण एवं विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगी। लखनऊ में वन नेशन, वन इलेक्शन विषय पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्ययन दौरे के दौरान समिति ने उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक में मुख्य सचिव एसपी गोयल, पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण, मुख्य निर्वाचन अधिकारी तथा वित्त, गृह, शिक्षा, पर्यटन, कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य एवं श्रम विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने एक साथ चुनाव कराने के प्रशासनिक, वित्तीय और सुशासन संबंधी पहलुओं पर अपने सुझाव दिए। समिति ने इसके बाद नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, भारतीय खाद्य निगम, नेफेड, नॉर्दर्न रेलवे, रेल विकास निगम लिमिटेड, कोल इंडिया लिमिटेड और पावरग्रिड सहित विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों के प्रतिनिधियों से भी संवाद किया। इस दौरान बार-बार होने वाले चुनावों का प्रशासनिक व्यवस्था, परियोजनाओं के क्रियान्वयन और जनसेवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा की गई। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि संयुक्त संसदीय समिति देशभर में सभी हितधारकों से संवाद कर प्रत्येक पक्ष का गंभीरता से अध्ययन कर रही है, ताकि व्यापक सहमति और व्यावहारिक अनुभवों के आधार पर अपनी अनुशंसाएं तैयार की जा सकें।

नम्होल पंचायत को अग्रणी पंचायत बनाने पर बल

ग्राम पंचायत नम्होल की साधारण सभा संपन्न, 221 लोगों ने की सहभागिता

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। ग्राम पंचायत नम्होल की साधारण सभा प्रधान रामेश्वरी ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। सभा में पंचायत के 221 लोगों ने भाग लिया।

बैठक में सरकार द्वारा निर्धारित एजेंडे पर विस्तार से चर्चा की गई तथा पंचायत के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। अपने स्वागत भाषण में प्रधान रामेश्वरी ठाकुर ने उपस्थित ग्रामीणों से पंचायत के विकास में सहयोगात्मक भावना से कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अपने दूसरे कार्यकाल में उनका लक्ष्य नम्होल पंचायत को क्षेत्र की अग्रणी पंचायत बनाना है। इसके लिए सभी ग्रामीणों से सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने तथा बीबी राम जी योजना में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया, ताकि व्यक्तिगत एवं पंचायत स्तर पर विकास को गति मिल सके। सभा में पंचायत के सातों वार्ड सदस्यों व ग्रामीणों ने मिलकर संवाद, पारदर्शिता व विकास की नई गाथा लिखने का संकल्प दोहराया। आगामी एक वर्ष के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के उद्देश्य से सभी वार्डों ने अपनी-अपनी विकास संबंधी प्राथमिकताएं व प्रस्ताव प्रस्तुत किए। प्रधान ने पंचायत सचिव चमन लाल को सभी प्रस्ताव कार्यवाही पंजिका में दर्ज करने के निर्देश दिए। तैयार कार्ययोजना को अनुमोदन के लिए खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) को भेजा जाएगा, जिसके बाद विभिन्न विकास कार्यों को चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। प्रधान ने सभी पंचायतवासियों से 20 जुलाई तक पंचायत क्षेत्र में व्यापक पौधरोपण अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत फलदार, छायादार तथा किसानों के लिए उपयोगी पौधों का रोपण किया जाएगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीणों को दीर्घकालिक लाभ भी मिल सके। सभा में पूर्व प्रधान व पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष कुलदीप ठाकुर, पूर्व प्रधान रणजीत ठाकुर, पूर्व उपप्रधान जगत राम, बीडीसी सदस्य रीना ठाकुर, कैप्टन बाबू राम ठाकुर, इंस्पेक्टर किशोरी लाल ठाकुर, हिमाचल पेंशनर महासंघ के अध्यक्ष इंद्र ठाकुर, उपप्रधान जिया लाल ठाकुर, पंचायत सचिव चमन लाल सहित पंचायत के सभी वार्ड सदस्य, वरिष्ठ नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सुविधा बिहार-यूपी और पंजाब के लोगों को फायदा, पहले 13 जुलाई तक चलाई जानी थी

30 सितंबर तक चलेगी पठानकोट-छपरा स्पेशल ट्रेन

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। यात्रियों की बढ़ती मांग और आगामी त्योहारों के दौरान संभावित भीड़ को देखते हुए रेलवे ने पठानकोट-छपरा साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के संचालन की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है।

उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल की ओर से जारी आदेश के अनुसार अब यह विशेष ट्रेन 30 सितंबर तक संचालित की जाएगी। इस निर्णय से बिहार, उत्तर प्रदेश और पंजाब के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। रेलवे के अनुसार ट्रेन संख्या 05193 छपरा-पठानकोट साप्ताहिक स्पेशल और ट्रेन संख्या 05194 पठानकोट-छपरा साप्ताहिक स्पेशल के फेरों में विस्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया है। रेल अधिकारियों के अनुसार ट्रेन संख्या 05193 छपरा-पठानकोट साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक

सोमवार को संचालित होगी। पहले इसका संचालन सीमित अवधि के लिए निर्धारित था, लेकिन यात्रियों की सुविधा को देखते हुए अब इसे 28 सितंबर 2026 तक बढ़ा दिया गया है। इस विस्तारित अवधि में ट्रेन कुल 11 फेरे लगाएगी।

यह ट्रेन प्रत्येक सोमवार को छपरा जंक्शन से दोपहर 2 बजे रवाना होगी और छपरा कचहरी, दिघवा दुबौली, थावे, तमकुही रोड, पडरौना, कप्तानगंज, गोरखपुर, बस्ती, गोंडा, सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, लक्सर, रुड़की, सहारनपुर, यमुनानगर-जगाधरी, अंबाला कैंट, लुधियाना और जालंधर कैंट सहित प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव करते हुए अगले दिन रात 10:15 बजे पठानकोट पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 05194 पठानकोट-छपरा साप्ताहिक स्पेशल का संचालन भी बढ़ाकर 30 सितंबर 2026 तक कर दिया गया है। यह ट्रेन प्रत्येक बुधवार को पठानकोट से रात 12:30 बजे रवाना होगी और कुल 11 फेरे लगाएगी। वापसी यात्रा में यह ट्रेन जालंधर कैंट, लुधियाना, अंबाला कैंट, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज, पडरौना, तमकुही रोड, थावे और दिघवा दुबौली होते हुए अगले दिन सुबह 8:35 बजे छपरा कचहरी पहुंचेगी तथा सुबह 9:15 बजे छपरा जंक्शन पर यात्रा समाप्त करेगी। जम्मू मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल ने बताया कि यात्रियों की लगातार मांग को देखते हुए विशेष ट्रेनों के फेरों में विस्तार किया गया है।

उन्होंने कहा कि इस सुविधा से बिहार, उत्तर प्रदेश और पंजाब के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त विकल्प मिलेगा और उनकी यात्रा अधिक सुगम होगी। रेलवे ने यात्रियों से ट्रेन की समय-सारणी और अन्य जानकारी के लिए आईआरसीटीसी की वेबसाइट, मोबाइल ऐप या नजदीकी आरक्षण केंद्र से संपर्क करने की अपील की है।

एनआईटी हमीरपुर में रिसर्च को स्टार्टअप से जोड़ने पर एफडीपी शुरू

लैब से बाजार तक शोध पहुंचाने पर जोर

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) हमीरपुर में 'रिसर्च ट्रांसलेशन और स्टार्ट-अप इनिशिएलाइजेशन' विषय पर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का शुभारंभ हुआ।

यह कार्यक्रम 13 से 17 जुलाई तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप, डिजाइन थिंकिंग और अकादमिक शोध को बाजार के लिए तैयार उत्पादों में परिवर्तित करने की दिशा में फैकल्टी और शोधकर्ताओं को प्रशिक्षित करना है। यह पहल प्रधानमंत्री के विकसित भारत अभियान के अनुरूप रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में आईआईटी रोपड़ के प्रोफेसर आहूजा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उद्घाटन अवसर पर प्रोफेसर आहूजा ने कहा कि प्रयोगशालाओं में होने वाले शोध को व्यावसायिक रूप से सफल उत्पादों में बदलना समय की आवश्यकता है। उन्होंने अकादमिक संस्थानों और उद्योगों के बीच मजबूत सहयोग स्थापित करने पर जोर दिया, ताकि शोध के परिणाम समाज और बाजार तक प्रभावी रूप से पहुंच सकें। उन्होंने एनआईटी हमीरपुर की पहल की सराहना करते हुए कार्यक्रम की संयोजक डॉ. पमिता अवस्थी के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। संस्थान के निदेशक ने अपने संबोधन में कहा कि एनआईटी हमीरपुर विद्यार्थियों और फैकल्टी सदस्यों में उद्यमिता की सोच विकसित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि संस्थान में इनक्यूबेशन, मेंटरिंग और उद्योग साझेदारी के माध्यम से स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने एनआईटी हमीरपुर के इनक्यूबेशन सेंटर आईटीबीआई द्वारा नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों की भी सराहना की। कार्यक्रम की संयोजक, उत्तिष्ठति फाउंडेशन एनआईटीबीआई इनक्यूबेशन सेंटर की प्रमुख अन्वेषक एवं फाउंडर डायरेक्टर डॉ. पमिता अवस्थी ने बताया कि यह एफडीपी देशभर के तकनीकी संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों और पॉलिटेक्निक संस्थानों के फैकल्टी सदस्यों, शोधकर्ताओं और नवाचारकर्ताओं को व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में देशभर से 55 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को शोध परिणामों को बाजार योग्य तकनीक, सफल स्टार्टअप और व्यावसायिक उपक्रमों में बदलने के लिए आवश्यक कौशल, रणनीतिक समझ और आत्मविश्वास प्रदान करना है।

बिलासपुर पुलिस की नशा तस्करों पर कार्रवाई, चिट्टा व अवैध शराब सहित पांच आरोपी काबू

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर पुलिस द्वारा नशा तस्करी और अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए चिट्टा/हेरोइन और अवैध शराब बरामद कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस थाना स्वारघाट की टीम ने वाहन चेकिंग के दौरान एक कार से 1.96 ग्राम चिट्टा बरामद किया। मामले में सुरेंद्र कुमार, गौतम राम और रणदीप ठाकुर को गिरफ्तार किया गया है। इसी तरह पुलिस थाना भराड़ी ने यातायात जांच के दौरान एक टैंपू से 2.02 ग्राम चिट्टा बरामद कर आरोपी अजय कुमार निवासी मंडी को गिरफ्तार किया। पुलिस थाना सदर की टीम ने गश्त के दौरान एक ट्रक से 3.03 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद कर आरोपी सुभाष कुमार निवासी बिनौला को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस थाना तलाई ने हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 12 बोतल अवैध देसी शराब (वीआरवी संतरा) बरामद कर आरोपी कुलदीप सिंह निवासी खरोटा के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

कैथरीन डियाजएल का खूबसूरत अंदाज

कैथरीन डियाजएल साल्वाडोर की प्रसिद्ध सर्फर हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और सर्फिंग में पहचान बनाई। कैथरीन डियाज अपनी प्रतिभा, जुनून और मेहनत के लिए जानी जाती थीं। वह युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनीं।

कोहली और रोहित के दम पर जीत की राह पर लौटने की कोशिश करेगी टीम

दोनों दिग्गजों से उम्मीद, बुमराह की वापसी से गेंदबाजी को भी मिली मजबूती

एजेंसी, बर्मिंघम

भारत और इंग्लैंड के बीच मंगलवार से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में सबसे ज्यादा नजरें विराट कोहली और रोहित शर्मा पर होंगी। दोनों अनुभवी खिलाड़ी लंबे समय बाद वनडे टीम में वापसी कर रहे हैं और उनसे न केवल शानदार प्रदर्शन, बल्कि हालिया टी20 सीरीज में मिली निराशा के बाद टीम का मनोबल बढ़ाने की भी उम्मीद होगी। जसप्रीत बुमराह की वापसी से गेंदबाजी आक्रमण को भी मजबूती मिलेगी।

टी20 क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव के बावजूद रोहित और कोहली वनडे प्रारूप के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। दोनों का लक्ष्य अगले वर्ष होने वाले वनडे विश्व कप तक अपनी जगह मजबूत बनाए रखना है। इंग्लैंड की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और जोफ्रा आर्चर व जोश टंग जैसे तेज गेंदबाजों का सामना आसान नहीं होगा, लेकिन दोनों बल्लेबाजों का अनुभव भारत के लिए अहम साबित हो सकता है।

भारतीय टीम हाल के टी20 दौरे में आयरलैंड से दो हार और इंग्लैंड के खिलाफ 0-4 की करारी शिकस्त के बाद दबाव में है। ऐसे में कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल,

श्रेयस अय्यर, रोहित व कोहली की मौजूदगी भारत के बल्लेबाजी क्रम को बेहद मजबूत बनाती है। यह अनुभवी बल्लेबाजी इकाई किसी भी मुकाबले का रुख बदलने की क्षमता रखती है।

गेंदबाजी विभाग में बुमराह की वापसी सबसे बड़ी राहत है। युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ के लिए इंग्लैंड की परिस्थितियां नई चुनौती होंगी, जबकि अर्शदीप सिंह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के रूप में टीम को संतुलन देंगे। शिवम दुबे को हार्दिक पंड्या और नीतीश कुमार रेड्डी की अनुपस्थिति में अतिरिक्त तेज गेंदबाज की भूमिका निभानी होगी। वहीं, वॉशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल से हरफनमौला योगदान की उम्मीद रहेगी।

दूसरी ओर, इंग्लैंड ने जनवरी के बाद कोई वनडे नहीं खेला है, जिससे उसे इस प्रारूप में लय हासिल करनी होगी। हालांकि टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन से उसका आत्मविश्वास ऊंचा है। जो रूट की वापसी से बल्लेबाजी मजबूत होगी, जबकि हैरी ब्रूक, जैकब बेथेल व बटलर टीम की प्रमुख ताकत होंगे। ऐसे में दोनों टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है।

मैच: दोपहर 3:30 बजे से

संभावित टीमें

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव।

इंग्लैंड: हैरी ब्रूक (कप्तान), बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जो रूट, जैकब बेथेल, विल जैक्स, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरेन, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, जोस टंग, साकिब महमूद, आदिल राशिद।

मैं टर्मिनेटर हूं, अभिषेक टर्मिनेटर चार है और वैभव टर्मिनेटर छह है: युवराज

एजेंसी लंदन

अपने जमाने के धाकड़ बल्लेबाज युवराज सिंह ने बेखौफ होकर खेलने वाले भारतीय बल्लेबाजों को अर्नोल्ड श्वार्ज़नेगर अभिनीत प्रतिष्ठित हॉलीवुड फिल्म 'टर्मिनेटर' के विभिन्न संस्करणों की तर्ज पर खुद को टर्मिनेटर, अभिषेक शर्मा को टर्मिनेटर चार और वैभव सूर्यवंशी को टर्मिनेटर छह बताया। अभिषेक के लिए मार्गदर्शक का काम करने वाले भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज का मानना है कि 15 वर्षीय सूर्यवंशी आक्रामक बल्लेबाजी के विकास में अगला कदम है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें इस युवा खिलाड़ी के साथ काम करने का मौका मिलता है तो उन्हें खुशी होगी।

युवराज ने जियोहॉटस्टार से कहा कि मैं खुद को टर्मिनेटर कहता हूं। अब अभिषेक शर्मा के रूप में टर्मिनेटर चार आ गया है क्योंकि वह मुझसे चार गुणा बेहतर है। अब वैभव सूर्यवंशी के रूप में टर्मिनेटर छह आ गया है। अभिषेक और सूर्यवंशी के साथ विंबलडन का पुरुष एकल का फाइनल देखने वाले युवराज ने कहा कि मैंने अपने समय में अपना काम किया, अभिषेक ने इसे और आगे बढ़ाया और अब वैभव नए मानक स्थापित कर रहा है। यह उसी सफर का तीसरा चरण है। खेल को इस तरह विकसित होते देखना बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि जब मैं (यानिक) सिनर और (कार्लोस) अल्काराज को देखता हूं, तो मुझे टेनिस में हो रहे बदलाव नज़र आते हैं। अभिषेक और वैभव में भी मुझे यही विकास दिखाई देता है। मैंने अभिषेक के साथ काफी समय बिताया है और मैं वैभव के साथ भी समय बिताना चाहूंगा। उसका भविष्य उज्ज्वल है।

सूर्यवंशी ने भी कहा कि युवराज के साथ बातचीत से उन्हें तकनीक से परे भी कई अमूल्य सबक मिले। उन्होंने कहा कि युवी पाजी मेरे भी आदर्श हैं। उनसे पहली बार मिलना एक खास पल था। सूर्यवंशी ने कहा कि उन्होंने खेल के मानसिक पहलू, दबाव से निपटने के तरीके व आत्मविश्वास के महत्व के बारे में बात की। मुझे उम्मीद है कि इससे मुझे भविष्य में काफी मदद मिलेगी। अभिषेक ने सूर्यवंशी के बारे में कहा कि मैं समझ सकता हूं कि वैभव इस समय कैसा महसूस कर रहा है क्योंकि युवराज पाजी मेरे भी आदर्श हैं। मुझे याद है जब मैं उनसे पहली बार मिला था, तब मुझे भी कुछ ऐसा ही महसूस हुआ था जैसा कि अभी वैभव महसूस कर रहा है।

स्पोर्ट्स विंडो

सटीक गेंदबाजी करना बार्टमैन की सफलता का राज: डेल स्टेन

एजेंसी, जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन अपने देश के तेज गेंदबाज ओटनेल बार्टमैन की सटीक गेंदबाजी से काफी प्रभावित हैं और उनका मानना है कि यह एसए20 लीग में उनकी निरंतर सफलता का मुख्य कारण रहा है। बार्टमैन एसए20 के चार सत्र में सबसे अधिक 61 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। स्टेन ने अतीत में सनराइजर्स ईस्टर्न केप में उनके साथ काम किया है। स्टेन ने एसए20 से कहा कि मैं हमेशा ऐसे गेंदबाजों पर नजर रखता हूं जो लगातार सही जगह पर गेंद डाल सकें। टी20 क्रिकेट की विशेषता यह है कि आप खराब गेंदबाजी करने के बावजूद भी विकेट ले सकते हैं। आपकी खराब गेंद बाउंड्री पर कैच हो सकती है। उन्होंने कहा कि लेकिन ओटनेल बार्टमैन जैसे खिलाड़ी ने प्रत्येक सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसी के दम पर उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी टीम में जगह बनाई है। चीजों को सरल रखने की बार्टमैन की क्षमता उन्हें एक उत्कृष्ट गेंदबाज और मौजूदा दौर के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक बनाती है।

सात्विक और चिराग की वापसी भारतीय चुनौती की करेंगे अगुवाई

एजेंसी, तोक्यो। चोट से उबरने के बाद भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मंगलवार से शुरू हो रहे जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेगी। कंधे की चोट के कारण सात्विक इंडोनेशिया ओपन से हट गए थे, लेकिन अब दोनों खिलाड़ी शानदार वापसी के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगे। पहले दौर में उनका मुकाबला डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टरगार्ड की जोड़ी से होगा। पुरुष एकल में भारत की उम्मीदें लक्ष्य सेन और युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी पर टिकी होंगी। ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनलिस्ट लक्ष्य अपने अभियान की शुरुआत जापान के कोकी वातानाबे के खिलाफ करेंगे, जबकि आयुष का सामना दूसरे वरीय और पूर्व विश्व चैंपियन कुनलावत विटिडसर्न से होगा। महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से भिड़ेंगी। वहीं उन्नति हुडा का मुकाबला चीनी ताइपे की हुआंग यू-हसुन से होगा। पुरुष युगल में हरिहरन आमसकारुनन और एम. आर. अर्जुन, जबकि मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला-तनीशा क्रास्टो तथा रोहन कपूर-रुथविका शिवानी गड्डे भी भारतीय चुनौती पेश करेंगे। भारतीय खिलाड़ियों से इस प्रतिष्ठित सुपर 750 टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

फ्रांस के आक्रमण और स्पेन के 'टिकी-टाका' की होगी कड़ी टक्कर

एजेंसी, डलास। फीफा विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में मंगलवार को फ्रांस और स्पेन के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबला खेला जाएगा। लगातार तीसरे विश्व कप फाइनल में पहुंचने की कोशिश कर रही फ्रांस की टीम अपनी आक्रामक शैली के साथ उतरेगी, जबकि स्पेन अपनी मशहूर 'टिकी-टाका' रणनीति के दम पर जीत हासिल करने का प्रयास करेगा। किलियन एमबाप्पे की अगुआई में फ्रांस ने अब तक टूर्नामेंट के सभी मुकाबले जीते हैं। एमबाप्पे के अलावा ओस्मान डेम्बेले, माइकल ओलिस और ब्रैडली बारकोला जैसे खिलाड़ी टीम की बड़ी ताकत हैं। वहीं, डयोट उपामेकानो और विलियम सलीबा की मजबूत रक्षापंक्ति ने अब तक केवल दो गोल खाए हैं। स्पेन की टीम गेंद पर नियंत्रण और तेज पासिंग के लिए जानी जाती है। लामिन यामल, निको विलियम्स और मिकेल ओयार्ज़ाबल आक्रमण की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि रोड्रि, पेड्रि और डैनी ओल्मो मिडफील्ड को मजबूती देंगे। स्पेन ने हाल के दो मुकाबलों में फ्रांस को हराया है, लेकिन विश्व कप में दोनों टीमों की पिछली भिड़ंत 2006 में हुई थी, जिसमें फ्रांस 3-1 से विजयी रहा था। ऐसे में यह सेमीफाइनल रोमांच और रणनीति से भरपूर होने की उम्मीद है।

18 साल बाद चेन्नई सुपर किंग्स और स्टीफन फ्लेमिंग की राहें हुईं जुदा

एजेंसी, नई दिल्ली

पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और स्टीफन फ्लेमिंग ने 18 साल बाद अपने रास्ते अलग करने का फैसला किया है। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी है। सीएसके ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि चेन्नई सुपर किंग्स और हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने आपसी सहमति से अपना 18 साल का साथ खत्म करने का फैसला किया है। इस घोषणा के साथ ही लीग के इतिहास में सबसे लंबे और सबसे सफल कोचिंग कार्यकाल में से एक का समापन हुआ। यह फैसला स्टीफन फ्लेमिंग और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मैनेजमेंट के बीच हुई बातचीत के बाद लिया गया। इसके साथ ही एक लंबे रिश्ते का अंत हो गया, जो 2008 में आईपीएल के पहले सीजन में शुरू हुआ था। उस समय न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान फ्लेमिंग खिलाड़ी के रूप में सीएसके से जुड़े थे। अगले साल यानी 2009 में उन्होंने टीम के हेड कोच की जिम्मेदारी संभाली और लंबे समय तक टीम का नेतृत्व किया।

अपने कार्यकाल के दौरान फ्लेमिंग ने फ्रेंचाइजी क्रिकेट के सबसे सफल दौर में से एक का नेतृत्व किया। उनकी देखरेख में सीएसके ने पांच बार आईपीएल के खिताब पर कब्जा जमाया, जबकि दो दफा चैंपियंस लीग टी20 की ट्रॉफी को भी अपने नाम किया। इसके साथ ही टीम आईपीएल में रिकॉर्ड 12 बार प्लेऑफ में पहुंची व टीम ने 10 बार फाइनल मुकाबले में हिस्सा लिया।

रूपा गुरुनाथ ने योगदान की सराहना की

इस फैसले की घोषणा करते हुए सीएसके की मालकिन रूपा गुरुनाथ ने लगभग दो दशकों तक फ्रेंचाइजी में फ्लेमिंग के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, 'स्टीफन फ्लेमिंग इस फ्रेंचाइजी के लगभग पूरे सफर में हमारी कोचिंग यूनिट की जान रहे हैं। सुपर किंग्स फ्रेंचाइजी की ओर से, हम उनकी अटूट प्रतिबद्धता, जुनून और नेतृत्व के लिए उनका बहुत-बहुत धन्यवाद करते हैं। भले ही मैदान पर हमारा साथ खत्म हो रहा है, लेकिन वह हमेशा टीम की विरासत का एक अहम हिस्सा बने रहेंगे।

एशियाई अंडर-19 व अंडर-23 चैंपियनशिप में भारत का दमदार पंच

फाइनल में पहुंचे 8 भारतीय मुक्केबाज

एजेंसी, जकार्ता

भारतीय मुक्केबाजों ने एशियाई अंडर-19 और अंडर-23 चैंपियनशिप में अपना दबदबा बरकरार रखते हुए पुरुष और महिला अंडर-23 में आठ वजन वर्ग के फाइनल में जगह बनाई जबकि सात अन्य ने सेमीफाइनल में पहुंचकर कांस्य पदक हासिल किए। अंडर-23 महिला वर्ग में पांच भारतीय मुक्केबाज फाइनल में पहुंच गए हैं।

निशा (54 किग्रा) ने कोरिया की हेजू ली को जबकि निकिता चंद (60 किग्रा) ने जापान की सारी कोकुफू को हराया। रविवार को काजल (65 किग्रा) ने किर्गिस्तान की गुलजिना मेल्सवेक को आसानी से हराया था। इन तीनों वजन वर्ग में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा इस तरह से रहा कि रेफरी को बीच में ही मुकाबला रोकना पड़ा।

मुस्कान (75 किग्रा) ने उज्बेकिस्तान की तोइरोवा ओयशा के खिलाफ 5-0 से जबकि प्रियंका (80 किग्रा से अधिक) ने कजाकिस्तान की पनार सेइतखांकीजी पर इसी अंतर से जीत दर्ज की। अंडर-23 पुरुष वर्ग में तीन भारतीय मुक्केबाज फाइनल में पहुंच गए हैं। विश्वनाथ सुरेश (50 किग्रा) ने फिलीपींस के अपने प्रतिद्वंद्वी पर 5-0 से शानदार जीत दर्ज की, जबकि गंगा (55 किग्रा) ने जापान के खिलाड़ी को 3-2 के विभाजित फैसले से हराया। वंशज (65 किग्रा) ने किर्गिस्तान के प्रतिद्वंद्वी पर 4-1 से जीत हासिल की। भारत के सात मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में पहुंचकर कांस्य पदक भी जीते। अंडर-23 महिला वर्ग में तनु (51 किग्रा), प्राची (57 किग्रा), शिवानी (70 किग्रा) और नैना (80 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किए। अंडर-23 पुरुष वर्ग में हितेश (70 किग्रा), नीरज (75 किग्रा) और ईशान कटारिया (90 किग्रा से अधिक) ने कांस्य पदक जीते।

मेडिकल रिसर्च में भारत रच रहा कीर्तिमान: राजनाथ

केंद्रीय रक्षा मंत्री बोले- मेडिकल शिक्षा और रिसर्च का हो रहा विस्तार

एजेंसी, लखनऊ

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को लखनऊ स्थित किंग जार्ज चिकित्सा विवि (केजीएमयू) के 22वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज भारत स्वास्थ्य क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और मेडिकल रिसर्च में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है। पहले गंभीर बीमारियों के इलाज में लोगों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो जाती थी, लेकिन अब आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को निशुल्क इलाज मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल इलाज उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाना भी रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का स्वास्थ्य तंत्र पहले की तुलना में अधिक आत्मनिर्भर, सुलभ, किफायती, आधुनिक और जन-केंद्रित बना है। राजनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में केवल 17 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि आज प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। इसके अलावा दो एम्स भी कार्यरत हैं। उत्तर प्रदेश अब 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेज' की अवधारणा से भी आगे निकल चुका है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता तभी बेहतर हो सकती है, जब पर्याप्त संख्या में डॉक्टर और विशेषज्ञ उपलब्ध हों। इसी सोच के साथ सरकार ने मेडिकल शिक्षा का अभूतपूर्व विस्तार किया है। आज भारत जीन थेरेपी, न्यूक्लियर मेडिसिन व अन्य आधुनिक तकनीकों के माध्यम से वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के स्वदेशी समाधान विकसित कर रहा है। उन्होंने कहा वैज्ञानिकों ने हीमोफीलिया के उपचार के लिए स्वदेशी जीन थेरेपी का सफल प्रदर्शन किया है, जबकि पुणे के एक संस्थान ने स्तन कैंसर के इलाज के लिए अत्याधुनिक नैनो मेडिसिन विकसित की है। सरकार का ध्यान केवल इलाज पर नहीं, बल्कि बीमारियों की रोकथाम पर भी केंद्रित है।

मानवता के लिए सबसे बड़ा उपहार अंगदान

केंद्रीय मंत्री ने अंगदान को मानवता के लिए सबसे बड़ा उपहार बताया। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के निधन के बाद उसके अंग कई लोगों को नया जीवन दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि समाज में आज भी अंगदान को लेकर कई भ्रांतियां और झिझक हैं, जिन्हें दूर करने में डॉक्टरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। डॉक्टरों की संवेदनशील सलाह और संवाद किसी परिवार को अंगदान के लिए प्रेरित कर सकते हैं। डॉक्टर का हर निर्णय केवल मरीज और उसके परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश को प्रभावित करता है।

बांकीपुर उपचुनाव: नामांकन के बाद जेजेडी प्रत्याशी वीणा गिरफ्तार, प्रताप ने उठाए सवाल

एजेंसी, पटना। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) की प्रत्याशी वीणा मानवी को नामांकन दाखिल करने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई एक लंबित मामले में जारी वारंट के आधार पर की गई है। गिरफ्तारी के बाद जेजेडी अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने पुलिस कार्रवाई को राजनीतिक साजिश करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव में मजबूत स्थिति में होने के कारण वीणा मानवी को जानबूझकर निशाना बनाया गया। तेज प्रताप ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी कर कहा कि महिला के साथ अन्याय के खिलाफ उनकी पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने गिरफ्तारी के समय पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि अगर वारंट पहले से जारी था तो चुनाव प्रचार के दौरान कार्रवाई क्यों नहीं की गई और नामांकन के तुरंत बाद ही गिरफ्तारी क्यों हुई। तेज प्रताप ने बिहार लौटने के बाद सरकार के खिलाफ आवाज उठाने और प्रेस वार्ता करने की बात कही। फिलहाल पुलिस की ओर से मामले पर विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। गिरफ्तारी के बाद बिहार की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है।

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल को दो साल की जेल

एजेंसी, सियोल

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल को 'मुफ्त ओपिनियन पोल' मामले में सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने राजनीतिक फंड कानून के उल्लंघन का दोषी ठहराते हुए दो साल की जेल की सज़ा सुनाई है। अदालत ने उनके खिलाफ 13.96 मिलियन वॉन (लगभग 8.93 लाख) जब्त करने का भी आदेश दिया।

दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार सेवा योनहाप के अनुसार विशेष अभियोजक मिन जोंग-की की टीम ने आरोप लगाया था कि यून सुक येओल और उनकी पत्नी किम केओन ही ने अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के बीच पावर ब्रोकर म्युंग ताए-क्युन से करीब 270 मिलियन वॉन (लगभग 1.72 करोड़) मूल्य के 58 ओपिनियन पोल मुफ़्त में हासिल किए थे। हालांकि, अदालत ने सभी आरोपों को स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने माना कि यून ने इस अवधि में 14 ओपिनियन पोल मुफ़्त में लिए थे, जो अवैध राजनीतिक फंडिंग के दायरे में आते हैं। अदालत ने यह भी माना कि यून ने इन ओपिनियन पोल के बदले जून 2022 के संसदीय उपचुनाव में कंज़र्वेटिव पीपल पावर पार्टी के उम्मीदवार के रूप में पूर्व सांसद किम यंग-सन के नामांकन का समर्थन करने का वादा किया था।

फैसला सुनाते हुए अदालत ने कहा कि आरोपी के कृत्यों से राजनीति में जनता का भरोसा कमजोर हुआ है और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ा है, इसलिए अपराध के अनुरूप सज़ा आवश्यक है। इसी मामले में पावर ब्रोकर म्युंग ताए-क्युन को भी 18 महीने की जेल की सज़ा सुनाई गई। अभियोजन पक्ष ने यून के लिए चार साल और म्युंग के लिए तीन साल की सज़ा की मांग की थी।

भारतीय पोत सुदर्शनी ने बोस्टन के 'ग्रैंड परेड ऑफ सेल्स' में दिखाई समुद्री ताकत

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शनी अमेरिका की आजादी के 250वें जश्न में हिस्सा लेने के बाद बोस्टन पहुंच गया है। पोत ने सेल बोस्टन के शुभारंभ पर भारतीय तिरंगे को शान से लहराते हुए 'ग्रैंड परेड ऑफ सेल्स' में भाग लिया। प्रशिक्षण पोत कैसल द्वीप और सीपोर्ट डिस्ट्रिक्ट सहित प्रमुख स्थलों से गुजरने के बाद अंत में बोस्टन फिश पियर पर आ कर रुकी।

बोस्टन में भारत के महावाणिज्य दूत रघुराम शास्त्री ने ग्रैंड परेड ऑफ सेल्स में भाग लिया तथा बोस्टन में पोत के औपचारिक प्रवेश के लिए आईएनएस सुदर्शनी पर सवार हुए। आईएनएस सुदर्शनी ने 20 से अधिक देशों के 60 से अधिक विशाल जहाजों के अंतरराष्ट्रीय बेड़े में शामिल होकर समुद्री अभियान के दौरान सद्भावना के समुद्री राजदूत के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। समुद्री कूटनीति, अंतरराष्ट्रीय सद्भावना और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के प्रति भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए यह पोत 12 से 15 तक आगंतुकों के लिए खुला रहेगा।

अमेरिका के नॉरफ़ॉक, बाल्टीमोर और न्यूयॉर्क में सफल पोर्ट कॉल के बाद आईएनएस सुदर्शनी की सेल बोस्टन-2026 में भागीदारी भारत-अमेरिका की बढ़ती समुद्री साझेदारी को और मजबूत कर रही है। भारतीय पोत सुदर्शनी ने वैश्विक मंच पर भारत की समृद्ध समुद्री विरासत को प्रदर्शित किया है। अमेरिका की आजादी का जश्न मनाने के लिए 250वीं सालगिरह के मौके पर इंटरनेशनल नेवल रिव्यू में इंडियन नेवल सेल ट्रेनिंग शिप (एसटीएस) आईएनएस सुदर्शिनी ने भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इस एसटीएस ने महासागरीय पार अभियान के तहत न्यूयॉर्क का पोर्ट कॉल पूरा करके भारत की समृद्ध समुद्री विरासत को दिखाया है। साथ ही भारत और अमेरिका के बीच सामरिक एवं सांस्कृतिक साझेदारी को और मजबूत किया है।

बंगाल में समुद्र में लापता ट्रॉलर बरामद, 9 मछुआरों के शव मिले, 6 की तलाश

एजेंसी, परगना। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बकखाली तट के पास लापता मछली पकड़ने वाले ट्रॉलर 'मा काली' को बरामद कर लिया गया है। ट्रॉलर से रविवार देररात चार और मछुआरों के शव बरामद किए गए। इससे पहले रविवार को पांच शव मिले थे। इस तरह हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है, जबकि छह मछुआरे अब भी लापता हैं। उनकी तलाश की जा रही है।

प्रशासनिक अधिकारियों और मछुआरों ने पूरी रात ट्रॉलर के भीतर और आसपास सघन तलाशी अभियान चलाया। आशंका जताई जा रही है कि दुर्घटना के समय कुछ मछुआरे समुद्र की ऊंची लहरों में बह गए होंगे। घटना की जानकारी मुख्यमंत्री को दे दी गई है और आगे की कार्रवाई पर विचार किया जा रहा है।

रविवार रात सुंदरबन विकास विभाग के राज्यमंत्री दीपंकर जाना घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने पाथरप्रतिमा के गोवर्धनपुर कोस्टल थाना क्षेत्र के सीतारामपुर घाट पर चल रहे राहत एवं बचाव अभियान की पूरी रात निगरानी की। इस दौरान काकद्वीप महकमा प्रशासन, सुंदरबन पुलिस, गोवर्धनपुर कोस्टल थाना, वन विभाग तथा मछुआरा संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

चांदी 3,155 गिरकर 2.17 लाख किलो पर आई, सोना 1,079 रुपए हुआ सस्ता

एजेंसी, नई दिल्ली

सोने-चांदी के दाम में सोमवार को गिरावट आई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आबीजेए) के मुताबिक, एक किलो चांदी 3,155 रुपए घटकर 2.17 लाख रुपए पर आ गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,079 रुपए घटकर 1.42 लाख रुपए आ गया है। बीते 1 महीने में चांदी की कीमत 25 हजार और सोने की कीमत 5 हजार रुपए कम हो चुकी है। 14 जून को चांदी 2.43 लाख और 1.48 लाख रुपए पर था। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 34 हजार रुपए सस्ता हो चुका है।

वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए तक पहुंच गई थी। यह चांदी के अब तक की सबसे ज्यादा दाम थे। तब से अब तक 165 दिन में चांदी 1.69 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

सेंसेक्स 47 अंक बढ़कर 77,616 पर हुआ बंद और निफ्टी में 4 अंक आई बढ़त

एजेंसी, नई दिल्ली। शेयर बाजार में सोमवार को शुरुआती गिरावट के बाद अब फ्लैट कारोबार देखने को मिला। सेंसेक्स 47 अंक बढ़कर 77,616 पर बंद हुआ। निफ्टी में 4 अंक बढ़त रही, ये 24,211 पर बंद हुआ। इससे पहले सेंसेक्स 606 अंक गिरकर 76,963 पर ओपन हुआ था। निफ्टी में भी 167 अंक की गिरावट थी। आईटी मीडिया और कंज्यूमर ड्यूरेबल शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही। एफएमसीजी और मेटल शेयर्स ज्यादा बिकवाली रही। कच्चे तेल की कीमतें भी 4% चढ़कर दोबारा 79 डॉलर के करीब पहुंच गई हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि ईरान के साथ हुआ समझौता अब खत्म हो चुका है। इसके बाद से पेट्रोल डीजल के दाम में तेजी है।